हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित नारी शक्ति वंदन सम्मेलन में बोले पीएम मोदी

संसद ऐसा इतिहास रचेगी, जो अतीत की संकल्पनाओं को साकार करेगा, जो भविष्य के संकल्पों को पूरा करेगा

21वीं सदी नारी शक्ति वंदन को समर्पित

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विज्ञान भवन में नेशनल लेवल के 'नारी शक्ति वंदन सम्मेलन' में शामिल हुए। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि हमारे देश की संसद एक नया इतिहास रचने के करीब है। एक ऐसा नया इतिहास, जो अतीत की संकल्पनाओं को साकार करेगा, जो भविष्य के संकल्पों को पूरा करेगा। 21वीं सदी नारी शक्ति को समर्पित होगा। पीएम मोदी ने कहा कि लोकतांत्रिक संरचना में महिलाओं को आरक्षण देने की जरूरत दशकों से हर कोई महसूस कर रहा था। चर्चा भी होती थी इस विमर्श को करीब 4 दशक बीत गए। इसमें सभी पार्टियों और कितनी ही पीढ़ियों के प्रयास शामिल हैं। हर दल ने इस विचार को अपने-अपने ढंग से आगे बढ़ाया है।

- लोकतांत्रिक संरचना में महिलाओं को आरक्षण देने की जरूरत दशकों से
- साल 2023 में आया था नारी शक्ति वंदन अधिनियम
- अब समय आ गया है कि इसे कानून का रूप दिया जाए

पीएम मोदी 'नारी शक्ति वंदन सम्मेलन' में नारी शक्ति का अभिवादन करते हुए

महिलाओं ने देश की गरिमा और गौरव दोनों को बढ़ाया

पीएम मोदी ने आगे कहा कि हमारे देश में राष्ट्रपति से लेकर प्रधानमंत्री तक महिलाएं जहां भी रही हैं उन्होनें अपनी अलग लीगेसी बनाई है। इस समय भी हमारे देश में राष्ट्रपति से लेकर वित्त मंत्री तक ऐसे अहम पद महिलाएं ही संभाल रही हैं। उन्होंने देश की गरिमा और गौरव दोनों को बढ़ाया है। नारी शक्ति वंदन बिल पर पीएम मोदी ने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि जिस प्रकार से इस अधिनियम को पारित किया गया था और संसद का गौरव बढ़ा था। इस बार भी सबके सामूहिक प्रयास से संसद की गरीमा और नई ऊंचाइयों को छुएगी। देश की हर नारी को अच्छा लगेगा कि हर दल ने राजनीति से ऊपर उठकर उनके हित में ये महत्वपूर्ण निर्णय लिया है काम किया है।

inh
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

IPL आज का मुकाबला
सीएसके केकेआर
शाम 7.30 बजे से

हरिभूमि सहेली
आज के अंक के साथ

खबर संक्षेप

एलपीजी से भरी मालगाड़ी में रिसाव, टला बड़ा हादसा

खंडवा। पनवेल से जबलपुर जा रही एक मालगाड़ी के वैगन से एलपीजी गैस का रिसाव शुरू हो गया। ट्रेन में लीकेज का पता चलते ही रेलवे प्रशासन अलर्ट मोड में आ गया। तीन घंटे की मशक्कत के बाद लीकेज को रोका जा सका।

सीमेंट मिक्सर से टकराई वैन, 11 लोगों की मौत

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे में सवारियों से भरी वैन सीमेंट मिक्सर से टकरा गई। इसमें 11 लोगों की मौत हो गई। वहीं, दो अन्य लोग घायल हो गए। घटना गोविली गांव के रायता पुल के पास सुबह करीब 10:45 बजे हुई।

बेटे की चाहत में कपल ने बेटियों को दिया जहर

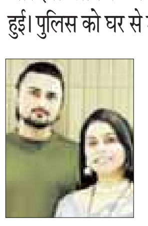

अहमदाबाद। चांदखेड़ा में एक परिवार के दो बच्चों की मौत हो गई। मां ने बाजार से बैटर लाकर डोसा बनाया था। इसे खाकर उनकी बेटियों को मौत हुई। पुलिस को घर से डायरी मिलने के बाद हत्या के बारे में पता चला। जिन बच्चियों की मौत हुई, उनमें तीन महीने की राहा प्रजापति और चार साल की मिश्री हैं। पुलिस को डायरी मिली है। उसमें उसने लिखा था कि वह एक बेटा चाहती है और अगर उसकी यह इच्छा पूरी हो जाती है, तो वह मंदिर जाकर मन्नत पूरी करेगी।

रायसेन में उन्नत कृषि महोत्सव का समापन, किसानों के साथ कृषि बदलाव का नया संकल्प

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि वे कार्यक्रम में एक मंत्री के रूप में नहीं, बल्कि किसान के रूप में आए

किसान अन्नदाता ही नहीं... ऊर्जा दाता ईंधन दाता और हाइड्रोजन दाता भी बनेगा

गडकरी ने कहा कि ज्ञान सबसे बड़ी शक्ति है और ज्ञान को संपत्ति में बदलना आज कृषि क्षेत्र की सबसे बड़ी जरूरत

नितिन गडकरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राष्ट्रीय स्तर के महत्वपूर्ण कृषि मेले उन्नत कृषि महोत्सव का रायसेन में समापन हुआ। समापन सत्र में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने जहां सड़क विकास, कृषि तकनीक, जल संरक्षण, वैकल्पिक ऊर्जा और ग्रामीण समृद्धि का व्यापक विजन रखा, वहीं केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बीज से बाजार तक तैयार रोडमैप को जमीन पर उतारने का दृढ़ संकल्प दोहराया। गडकरी ने संबोधन में कहा कि वे इस कार्यक्रम में मंत्री के रूप में नहीं, बल्कि किसान के रूप में आए हैं।

बीज से बाजार तक की योजना पर अमल के लिए बनेगा टास्क फोर्स

गडकरी और शिवराज दीप प्रज्जवलित करते हुए

- *एआई, ड्रोन, नैनो यूरिया और नवाचार से घटेगी लागत, बढ़ेगा उत्पादन*
- *जल संरक्षण, डेयरी, मत्स्य और प्रोसेसिंग से बढ़ेगी किसानों की आमदनी*

शिवराज सिंह की मांग पर नितिन गडकरी ने रायसेन रिंग रोड और सौंदर्यीकरण कार्यों को दी मंजूरी

पानी को जमीन में डिपॉजिट करना होगा

जल संरक्षण पर विशेष बल देते हुए गडकरी ने कहा कि पानी को जमीन में डिपॉजिट करना होगा। उन्होंने कहा कि जहां सिंचाई का पानी सीधे नहीं पहुंच सकता, वहां जल संरक्षण की संरचनाएं बड़ी भूमिका निभा सकती हैं। केवल उत्पादन बढ़ाना काफी नहीं है, बल्कि प्रोसेसिंग प्लांट, कोल्ड स्टोरेज, प्री-कूलिंग सिस्टम और वैल्यू एडिशन की मजबूत व्यवस्था भी बनानी होगी।

उत्पादन, प्रोसेसिंग तथा मार्केटिंग की बनेगी संपूर्ण योजना : शिवराज

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि इस क्षेत्र की माटी, जलवायु, जल उपलब्धता और संसाधनों के आधार पर बीज से बाजार तक का विस्तृत रोडमैप तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि इस रोडमैप में यह तय किया गया है कि इस क्षेत्र में कौन-कौन सी फसलें, फल और सब्जियां अच्छी हो सकती हैं और उनके उत्पादन, प्रोसेसिंग तथा मार्केटिंग की संपूर्ण योजना कैसे बनेगी।

किसानों को हितलाभों का वितरण

समापन सत्र में किसानों को हितलाभों का वितरण भी किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर और हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, मंत्री करण सिंह वर्मा, नारायण सिंह पवार, नरेंद्र शिवाजी पटेल, सांसद दर्शन सिंह चौधरी, विधायक डॉ. सुरेंद्र चौधरी, रमाकांत भार्गव, अन्य जनप्रतिनिधि, कृषि वैज्ञानिक, विशेषज्ञ, वरिष्ठ अधिकारी तथा हजारों किसान उपस्थित रहे।

कैबिनेट की बैठक में मुख्यमंत्री के साथ मंत्रीगण

मोहन कैबिनेट में मिली मंजूरी

मप्र में 8 नए वन स्टॉप सेंटर खुलेंगे, 5 साल में 240 करोड़ रुपए खर्च होंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र में 8 नए वन स्टॉप सेंटर खोलने को मंजूरी दे दी गई। स्टॉप सेंटर खुलने से महिलाओं को कई तरह की सुविधाएं मसलन, घरेलू हिंसा, दुष्कर्म, छेड़छाड़, एसिड अटैक जैसी घटनाओं में तुरंत मदद मिल सकेगी। पीड़ित महिलाओं को कानूनी सहायता प्रदान की जा सकेगी। एफआईआर दर्ज कराने से लेकर वकील उपलब्ध कराने तक की सुविधा दी जा सकेगी। प्रदेश में मैहर, मऊगंज, पांढुर्णा, धार के मनावर तथा पीथमपुर, इंदौर जिले में लसूडिया और सांवेर तथा झाबुआ के पेटलावद में नए वन स्टॉप सेंटर का संचालन होगा। कैबिनेट की बैठक सोमवार को मंत्रालय में हुई। इसमें कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। खासकर बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, वन स्टॉप सेंटर एवं महिला हेल्पलाइन 181 के संचालन के लिए 240 करोड़ 42 लाख रुपए की मंजूरी दी गई है।

मैहर, मऊगंज पांढुर्णा, मनावर पीथमपुर, लसूडिया सांवेर व पेटलावद में खुलेंगे

सागर के 27 गांवों के किसानों को होगा लाभ

कैबिनेट ने सागर जिले की मिडवासा मध्यम सिंचाई परियोजना के निर्माण के लिए 286 करोड़ 26 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति दी है। इस परियोजना से सागर जिले की सागर तहसील के 27 ग्रामों की 7200 हेक्टेयर भूमि की सिंचाई के लिए किसानों को लाभ मिलेगा।

ग्वालियर में 'वर्दी की आड़' में धोखा

शादी का झांसा देकर मुकरे टीआई पर रेप का केस दर्ज

पीड़ित महिला विधवा और 9 माह की गर्भवती

हरिभूमि न्यूज ▶▶ ग्वालियर

ग्वालियर में एक पुलिस निरीक्षक पर महिला से दुष्कर्म का गंभीर आरोप लगा है। तिघरा पुलिस प्रशिक्षण स्कूल में पदस्थ निरीक्षक रूपेश शर्मा के खिलाफ झांसी रोड थाना पुलिस ने रविवार देर रात दुष्कर्म का मामला दर्ज किया है। आरोपी निरीक्षक शादीशुदा है और उसके बच्चे भी हैं, जबकि पीड़ित महिला विधवा है और 9 माह की गर्भवती बताई जा रही है।

महिला के अनुसार उसके पति की 6 साल पहले मौत हो चुकी है और उसका एक बच्चा भी है। उसकी पहचान निरीक्षक रूपेश शर्मा से सोशल मीडिया के माध्यम से हुई थी। आरोपी ने शादी का झांसा देकर उसके साथ संबंध बनाए।

महू-नीमच हाइवे पर दिखा गुस्सा

कंपनी ने नहीं बढ़ाई सैलरी कर्मचारी धरने पर बैठ गए

3 किमी लगा लंबा जाम, पीथमपुर में ट्रक बसों की कतार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ धार

जिले में पीथमपुर स्थित मदरसन कंपनी यूनिट-2 के कर्मचारियों ने सोमवार को काम बंद कर प्रदर्शन किया। सैलरी नहीं बढ़ाने पर सैकड़ों कर्मचारी कंपनी के बाहर धरने पर बैठे। महू-नीमच नेशनल हाईवे पर चक्काजाम कर दिया। करीब ढाई घंटे तक हाईवे पर दोनों ओर लंबी कतारें लगी रही। यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ। ट्रक, बसें और निजी वाहन जाम में फंसे रहे, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

नोएडा में निजी कंपनियों के कर्मचारियों का उग्र प्रदर्शन

वेतन की मांग पर बवाल, वाहनों में तोड़फोड़ व आगजनी पथराव भी किया

नोएडा। गुरुग्राम के बाद अब नोएडा में वेतन वृद्धि की मांग को लेकर बड़ा बवाल हुआ है। नोएडा के फेज-2 में एक निजी कंपनी के कर्मचारियों ने हिंसक प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने वाहनों में तोड़फोड़ की और आग लगी दी। पुलिस पर भी पथराव किया गया। घंटों पूरा इलाका युद्ध क्षेत्र जैसा बना रहा।

पाकिस्तान, तुर्की और मिस्र जैसे देश कर रहे प्रयास

21 अप्रैल तक फिर हो सकती है अमेरिका और ईरान की बात

पूरी डिप्लोमेसी में असली पेच 'परमाणु बनाम पैसे' पर फंसा

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

- **अमेरिका की शर्त:** ईरान अपना यूरेनियम संवर्धन तुरंत रोके और सारा स्टॉक खत्म करे
- **ईरान का कहना:** पहले अमेरिका उसके जमे हुए अरबों डॉलर के फंड्स को जारी करे

अमेरिका और ईरान के बीच छिड़ी जंग के बीच दोनों देश पहली बार बातचीत को राजी हुए थे। सभी पाकिस्तान पहुंचे थे लेकिन, दूसरे दिन ही ये बातचीत विफल हो गई। जेडी वेंस ने ऐलान कर दिया है कि ईरान ने अमेरिका की शर्तें मानने से साफ मना कर दिया। इस बयान के बाद सभी को लग रहा था कि अब शांति-वार्ता की कोई उम्मीद नहीं बची लेकिन अब भी उम्मीद खत्म नहीं हुई है और 21 अप्रैल को दोनों दुश्मनों को बीच एक बार फिर से बातचीत हो सकती है। इस्लामाबाद में ईरान-अमेरिका की बातचीत नाकाम होने के बावजूद अभी 'मैदान' खाली नहीं हुआ है। पाकिस्तान, मिस्र और तुर्की जैसे मध्यस्थ अब 'सुपर-एक्टिव' मोड में आ गए हैं, ताकि दुनिया को एक भीषण परमाणु युद्ध की आग में झुलसने से बचाया जा सके।

आइए...इस शुरुआत को 'सार्थक पहल' में तब्दील करें

देश की करीब आधी आबादी फिर भी संसद व विधानसभा में प्रतिनिधित्व लंबे समय सीमित रहा

अब महिला सिर्फ लाभार्थी ही नहीं होगी... वह नीति निर्माण में भी सक्रिय और भागीदार होगी

▶▶ भावना अपराजिता शुक्ला, वरिष्ठ पत्रकार

राजनीतिक छींटाकशी मजबूरीवश ही पर आवश्यक रिवायत बन चुकी है। नहीं तो क्या कारण है कि देश की कुल आबादी में लगभग आधी हिस्सेदारी होने के बावजूद संसद और विधानसभाओं में महिलाओं का प्रतिनिधित्व लंबे समय से सीमित रहा है। बीते तीन दशक गवाह हैं, क्यों और कैसे आधी आबादी के प्रतिनिधित्व की जंग अनावरत रुप से चलती रही। 1996 में एचडी देवगौड़ा सरकार के दौरान पहली बार महिला आरक्षण विधेयक नाम से विधेयक पेश किया गया, लेकिन राजनीतिक सहमति के अभाव में यह बार-बार निष्प्रभावी होता रहा। करीब 27 साल बाद सितंबर 2023 में 106वां संशोधन पारित किया गया, जिसमें संसद, राज्य विधानसभाओं और दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की विधानसभा में महिलाओं के लिए एक तिहाई सीटें आरक्षित की गईं। आसान शब्दों में यह संसद में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाकर महिला नेतृत्व विकास का मार्ग प्रशस्त करेगा।

बदल रहा है समाज का नजरिया

अब बात करते हैं इसके ऐतिहासिक होने की, तो करीब तीन दशक से ज्यादा समय बीत जाने के बाद। लोकतंत्र के मंदिरों में समाज के एक अहम घटक को अपनी उपस्थिति देश समाज हित के निर्णयों में सीधे भागीदारी का मौका मिलने जा रहा है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम (106वां संवैधानिक संशोधन, 2023) का फैसला ऐतिहासिक है। क्योंकि, कानून बनने के बाद ही जागरुकता की, अपने अधिकारों के इस्तेमाल की बातें जोर पकड़ती हैं। चाहे दहेज प्रथा, नारी की अस्मिता, बाल विवाह जैसे कानून में गुनहगारों को सजा के प्रावधान होने के बावजूद महिला-बाल विरोधी अपराध भले ही बंद नहीं हुए हों, न्याय मिलने की पेचीदगियों ने कई बार महिलाओं को हतोत्साहित किया हो लेकिन समाज का नजरिया महिला विरोधी मानसिकता रखने वाले व्यक्तियों, उन अपराधों में सीधे तौर पर शामिल परिजनों के कदाचरण के प्रति बदला तो है।

भारत के संविधान निर्माता, भारत रत्न
डॉ. भीमराव अम्बेडकर
को कोटि-कोटि नमन
न्याय, समानता और समरसता के मूल्यों से सशक्त होता मध्यप्रदेश
136वीं जयंती समारोह
14 अप्रैल, 2026
डॉ. अम्बेडकर नगर (महू) जिला इंदौर
मुख्य अतिथि
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
"भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर के समाज कल्याण के लिए किए गए योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता बाबासाहेब की न्याय, समानता और समरसता की विरासत हमें हमेशा प्रेरित करती रहेगी।"
-डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
डॉ. भीमराव अम्बेडकर के सपनों को समर्पित विकास
आस्था से जुड़ाव
बाबासाहेब से जुड़े महू, दिल्ली, नागपुर, मुंबई और लंदन में स्थित 5 ऐतिहासिक स्थल मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना में शामिल
वैश्विक आस्था और अध्ययन का केंद्र महू
स्मारक, संग्रहालय, सभागार, स्वागत द्वार एवं अंतर्राष्ट्रीय रिसर्च सेंटर का विकास
सम्मान का प्रतीक नामकरण
महू रेलवे स्टेशन का नाम 'डॉ. अम्बेडकर नगर'
युवा स्व-रोज़गार उद्यम को नई उड़ान
डेयरी इकाई के लिए कामधेनु योजना में ₹42 लाख तक ऋण
आर्थिक कल्याण योजना में ₹1 लाख तक अनुदान
संत रविदास स्व-रोज़गार योजना में ₹1 लाख से ₹50 लाख तक सहायता
उद्योग उदय योजना के माध्यम से MSME को वित्तीय सहयोग
शिक्षा में उत्कृष्टता का सम्मान
डॉ. भीमराव अम्बेडकर मेधावी विद्यार्थी पुरस्कार योजना
10वीं-12वीं में प्रोत्साहन पुरस्कार
उच्च शिक्षा एवं अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन हेतु अम्बेडकर फैलोशिप
पर्यावरण और विरासत का संगम
सागर में 25वां डॉ. बी.आर. अम्बेडकर वन्यजीव अभयारण्य घोषित
D-11005/26
सीधा प्रसारण @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP
डॉ. मोहन यादव का अभ्युदय मध्यप्रदेश

अमेरिका की धमकियों पर तेहरान ने किया पलटवार, कहा

ईरान पोर्ट को निशाना बनाया तो इलाके का कोई बंदरगाह सुरक्षित नहीं रहेगा

ईरान बोला- खाड़ी के बंदरगाह या तो सबके लिए या किसी के लिए नहीं

अमेरिका ने ईरान के बंदरगाहों और तटीय इलाकों पर नाकाबंदी शुरू की

ईरान संग खुलकर आया चीन, ट्रंप ने चेताया, कहा हमारे मामले में दखल नहीं

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन/तेहरान

इस्लामाबाद में शांति वार्ता असफल होने के बाद अमेरिका लगातार ईरान को धमका रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार धमकियां दे रहे हैं। उनकी धमकियों पर ईरान ने भी पलटवार किया है। तेहरान ने अमेरिका को चेतावनी दी है कि अगर उसके बंदरगाहों को निशाना बनाया गया, तो फारस की खाड़ी और ओमान सागर में कोई भी पोर्ट सुरक्षित नहीं रहेगा।

ईरान की सेना और रिवोल्यूशनरी गाड्र्स (आईआरजीसी) ने कहा कि क्षेत्र की समुद्री सुरक्षा सभी देशों की साझा जिम्मेदारी है। अगर सुरक्षा सबके लिए नहीं होगी, तो किसी के लिए भी नहीं होगी। वहीं, अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने घोषणा की है कि अमेरिका सोमवार से ईरान के बंदरगाहों और तटीय इलाकों पर नाकाबंदी (ब्लॉकेड) लागू करने की तैयारी कर रहा है। इसके तहत ईरान के बंदरगाहों में आने-जाने वाले सभी देशों के जहाजों पर नजर रखी जाएगी और उन्हें रोका जा सकता है। हालांकि, होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले वे जहाज जो ईरान के अलावा अन्य देशों के बंदरगाहों के बीच सफर कर रहे हैं, उन्हें आने-जाने की इजाजत दी जाएगी। वहीं ट्रंप ईरान को लेकर धड़ाधड़ एक्शन लेते नजर आ रहे हैं और उनके ज्यादातर फैसलों से न सिर्फ ईरान, बल्कि चीन भी प्रभावित हो रहा है। चीन द्वारा ईरान को सैन्य हथियारों की मदद करने से जुड़े इंटेल के बाद बीते दिनों डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा बयान दिया था और कहा था कि चीन द्वारा ईरान की सैन्य मदद करने से जुड़े सवाल पर ट्रंप ने कहा था कि, इसके परिणाम गंभीर होंगे. मुझे शक है कि वे ऐसा करेंगे, अगर हमने उन्हें ऐसा करते हुए पकड़ लिया, तो उन पर 50 प्रतिशत का टैरिफ लगेगा, जो कि सचमुच एक बहुत बड़ी रकम है।

- **चीन को धमकी** : ट्रंप ने चीन को साफ चेतावनी दी है कि अगर उसने ईरान की सैन्य मदद की, तो अमेरिका उस पर 50% तक भारी टैरिफ लगा देगा।
- **होर्मुज की नाकाबंदी** : ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी नौसेना होर्मुज स्ट्रेट में नाकाबंदी करेगी और ईरान को टोल देने वाले जहाजों को भी रास्ते में रोक लिया जाएगा।
- **ईरान ने टोल मांगा** : ईरान ने दावा किया कि होर्मुज स्ट्रेट पूरी तरह उसके कंट्रोल में है और वहां से गुजरने वाले जहाजों को रियाल में टोल देना जरूरी होगा।
- **50 लोग गिरफ्तार** : ईरान में करीब 50 लोगों को जासूसी के आरोप में पकड़ा गया है, जिन पर अमेरिका और इजराइल को संवेदनशील जानकारी देने का आरोप है।

ट्रंप का दावा- अब तक 158 ईरानी जहाज तबाह किए

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि नाकेबंदी का मकसद ईरान की तेल बिक्री रोकना है। ट्रंप के मुताबिक, कई अन्य देश भी इस प्रयास में अमेरिका का साथ दे रहे हैं। उन्होंने दावा किया है कि ईरान की सैन्य ताकत को भारी नुकसान हुआ है और उसकी नौसेना लगभग खत्म हो चुकी है। उन्होंने कहा कि 158 जहाज तबाह किए जा चुके हैं। इस बीच वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान में हुई वार्ता के विफल होने के बाद अमेरिका ईरान पर दोबारा सैन्य हमले करने पर भी विचार कर रहा है। व्हाइट हाउस ने साफ किया है कि सभी विकल्प खुले हैं और हालात के हिसाब से आगे का फैसला लिया जाएगा।

नाकाबंदी से पहले ईरान से जुड़े दो तेल टैंकर होर्मुज से निकले

ईरान से जुड़े दो तेल टैंकर अमेरिका की संभावित नाकाबंदी से पहले फारस की खाड़ी से बाहर निकल गए हैं। ये दोनों जहाज होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते बाहर निकेल। रिपोर्टस के मुताबिक, ऑरोरा नाम का टैंकर ईरान के ऑयल प्रोडक्ट लेकर जा रहा था। वहीं न्यू फ्यूचर नाम का दूसरा टैंकर डीजल लेकर जा रहा है। अमेरिका ईरान के बंदरगाहों और समुद्री इलाकों पर नाकाबंदी करने की तैयारी कर रहा है। ऐसे में इन टैंकरों को जल्दी बाहर निकाल लिया गया ताकि किसी रोक या कार्रवाई से बचा जा सके।

चीन : हमारे जहाज होर्मुज से आ-जा रहे

अब चीन ट्रंप की धमकियों के बीच खुलकर ईरान के साथ खड़ा नजर आ रहा है। होर्मुज पर नाकाबंदी की घोषणा के बाद ड्रैगन ने ईरान का समर्थन किया है और अमेरिका को बड़ी चेतावनी भी दी है। ट्रंप के कदम पर प्रतिक्रिया देते हुए चीनी रक्षा मंत्री डोंग जून ने कहा कि, बीजिंग दुनिया में शांति और स्थिरता के लिए प्रतिबद्ध है और मध्य पूर्व की स्थिति पर नजर रख रहा है। उन्होंने आगे सख्त लहजे में कहा कि, हमारे जहाज होर्मुज स्ट्रेट में लगातार आ-जा रहे हैं। ईरान के साथ हमारे व्यापारिक और ऊर्जा समझौते हैं। हम उनका सम्मान करेंगे और उम्मीद करते हैं कि कोई और हमारे मामलों में दखल न दे. होर्मुज पर ईरान का कंट्रोल है और यह हमारे लिए खुला है। दुनिया की तेल जरूरतों को पूरा के लिए सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग पर नाकाबंदी को लेकर अमेरिका ने कदम पाकिस्तान में हुई वार्ता के बेनतीजा निकलने के बाद उठाया है। इस नाकाबंदी से चीन की एनर्जी सप्लाई बुरी तरह प्रभावित हो सकती है, क्योंकि चीन, ईरानी तेल का सबसे बड़ा खरीदार है। ऐसे में होर्मुज में शिपमेंट से जुड़ी किसी भी तरह की रुकावट से न सिर्फ ईरान के रेवेन्यू को चोट लगेगी, बल्कि चीन की तेल सप्लाई में बड़ी परेशानी पेश आ सकती है, जो चीन इकोनॉमी के लिए अच्छी नहीं है। यही कारण है कि ट्रंप की धमकी के बाद चीन बौखलाया नजर आ रहा है।

ट्रंप पर भड़के पोप ने कहा-मैं राजनेता नहीं हूं

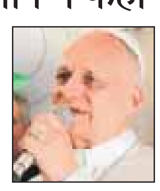

पोप लियो 14 ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ किसी भी तरह की बहस से इनकार कर दिया है। उन्होंने कहा कि उनका काम राजनीति करना नहीं, बल्कि दुनिया में शांति का संदेश देना है। दरअसल, हाल ही में ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक लंबा पोस्ट लिखकर पोप लियो की आलोचना की थी। उन्होंने पोप को कमजोर और विदेश नीति के लिए खराब बताया था। सोमवार को अफ्रीका के अल्जीरिया दौरे के दौरान पोप लियो 14 ने पत्रकारों से कहा- मैं कोई राजनेता नहीं हूं और मेरा ट्रंप से बहस करने का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उनका मुख्य काम दुनिया में शांति को बढ़ावा देना है। पोप लियो ने हाल ही में ईरान युद्ध पर चिंता जताई थी। उन्होंने कहा था कि दुनिया में बढ़ती आक्रामकता और ताकत का घमंड खतरनाक है और इससे बचने के लिए प्रार्थना और शांति जरूरी है। पोप लियो ने कहा है कि वह युद्ध के खिलाफ अपनी आवाज उठाना जारी रखेंगे, भले ही उन्हें आलोचना का सामना करना पड़े।

लेबनान और इजराइली सेना के बीच हमले जारी

लेबनान के उग्रवादी संगठन हिजबुल्लाह ने दावा किया है कि उसने इजराइल के कई ठिकानों और बस्तियों पर एक साथ कई हमले किए हैं। हिजबुल्लाह के मुताबिक, उसके लड़ाकों ने मिसगव आम बस्ती को निशाना बनाया। इसके अलावा, कफर गिलादी में इजराइली सैनिकों पर हमला किया गया। संगठन ने यह भी कहा कि उसने जारित इलाके में मौजूद इजराइली सैन्य बैरक को भी निशाना बनाया। वहीं दूसरी तरफ इजराइल की सेना ने कहा कि उसने दक्षिण लेबनान के बिन्त जबील इलाके में ग्राउंड ऑपरेशन शुरू कर दिया है।

होर्मुज संकट के बीच तेहरान से आई खुशखबरी 7 साल बाद भारत पहुंचा ईरानी कच्चा तेल

टैंकर में करीब 20 लाख बैरल तेल

अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर चल रही तनातनी के बीच ईरान से भारत के लिए बड़ी राहत आई है। करीब सात साल के बाद ईरान का कच्चा तेल फिर से भारत पहुंचा है। शिप ट्रैकिंग डेटा के अनुसार, दो बड़े सुपरटैंकर भारत के पूर्वी और पश्चिमी तट पर पहुंचे हैं, जो ईरानी कच्चा तेल लेकर आए हैं। जानकारी के मुताबिक 'फेलिसिटी' नाम का एक बहुत बड़ा क्रूड कैरियर, जिसे नेशनल ईरानियन टैंकर कंपनी ऑपरेट करती है, रविवार देर रात गुजरात के सिका तट के पास पहुंचा। इस टैंकर में करीब 20 लाख बैरल कच्चा तेल है, जिसे मार्च के बीच में खार्ग द्वीप से लोड किया गया था। वहीं दूसरा टैंकर 'जया' ओडिशा के पारादीप तट के पास पहुंचा है। उसमें भी लगभग इतनी ही मात्रा में कच्चा तेल है। इसे फरवरी के आखिर में खार्ग द्वीप से लोड किया गया था। भारत पहुंचे इन कार्गो के खरीदारों की आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। पारादीप पोर्ट मुख्य रूप से इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन चलाती है, जिसने पुष्टि की है कि उसने छूट के तहत कम से कम एक खेप खरीदी है। वहीं सिका क्षेत्र रिलायंस इंडस्ट्रीज और भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन के लिए एक अहम क्रूड हैंडलिंग हब है, जहां इन कंपनियों का इंफ्रास्ट्रक्चर मौजूद है। बता दें कि करीब सात साल बाद भारत पहुंचे ये ईरानी तेल के पहले कार्गो हैं। इससे पहले अमेरिका ने पिछले महीने कुछ शर्तों के साथ प्रतिबंधों में राहत दी थी। एक महीने की इस छूट के तहत समुद्र में पहले से मौजूद ईरानी तेल को बेचने की इजाजत दी गई थी, ताकि वैश्विक ईंधन सप्लाई में कमी ना आए और कीमतें काबू में रहें। हालांकि, बीते शनिवार को पाकिस्तान में शांति वार्ता टूटने के बाद अमेरिका ने ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी की घोषणा कर दी है, जिससे ईरान को तेल निर्यात से हो रही आय को सीमित किया जा सके।

ईरान से बड़ी मात्रा में तेल खरीदता था भारत

गौरतलब है कि इससे पहले भारत ईरान से बड़े पैमाने पर कच्चा तेल खरीदता था। रिफाइनरी के लिए अनुकूल होने के कारण ईरानी 'लाइट' और 'हेवी' ग्रेड की काफी मांग थी। 2018 में भारत ने रोजाना करीब 5.18 लाख बैरल ईरानी तेल खरीदा था, जो जनवरी से मई 2019 के बीच घटकर 2.68 लाख बैरल प्रतिदिन रह गया था।

फ्रांस-यूके होर्मुज में नौसैनिक मिशन पर चर्चा करेंगे

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा है कि फ्रांस और ब्रिटेन मिलकर होर्मुज स्ट्रेट में नौसैनिक मिशन पर चर्चा करेंगे। उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में ब्रिटेन और अन्य देशों के साथ एक कॉन्फ्रेंस आयोजित की जाएगी, जिसमें समुद्री सुरक्षा पर चर्चा होगी। मैक्रों ने साफ किया कि यह मिशन पूरी तरह रक्षात्मक होगा और युद्ध में शामिल पक्षों से अलग रहेगा। इस बहुराष्ट्रीय पहल का होर्मुज में जहाजों की सुरक्षित और निर्बाध आवाजाही बहाल करना है। उन्होंने कहा कि हालात अनुकूल होते ही इस मिशन को तैनात किया जाएगा।

जर्मनी में पेट्रोल सस्ता होगा, 2 महीने टैक्स कटौती

जर्मनी में पेट्रोल और डीजल सस्ता होने जा रहा है। सरकार ने दो महीने के लिए ईंधन पर टैक्स घटाने का फैसला किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, पेट्रोल और डीजल पर करीब 17 यूरो सेंट प्रति लीटर तक टैक्स कम किया जाएगा। सरकार का कहना है कि यह कदम ऊर्जा संकट से प्रभावित आम लोगों और कारोबार को राहत देने के लिए उठाया गया है। टैक्स कटौती से ईंधन की कीमतों में कमी आएगी, जिससे ट्रांसपोर्ट और रोजमर्रा के खर्च पर असर कम पड़ेगा।

भारत से ईरान को दूसरी खेप में मेडिकल मदद भेजी

भारत की ओर से भेजी गई मेडिकल सहायता की दूसरी खेप ईरान के रेड क्रिसेंट सोसायटी को रवाना की गई है। ईरान के राजदूत ने भारतीय नागरिकों का धन्यवाद करते हुए उनकी मदद को मानवीय सहयोग बताया गया है। इस बीच दूतावास ने जानकारी दी है कि दान के लिए इस्तेमाल हो रहा उसका बैंक अकाउंट अब चालू नहीं है। अब लोग हैदराबाद स्थित ईरानी कांसुलेट में जाकर नकद दान कर सकते हैं।

हमलों में तेहरान के 77 ऐतिहासिक स्मारक क्षतिग्रस्त

ईरान की राजधानी तेहरान में अमेरिका और इजराइल के हमलों से 77 ऐतिहासिक स्मारकों को नुकसान पहुंचा है। ईरानी अधिकारियों के मुताबिक, इन हमलों में महल, संग्रहालय और कई सांस्कृतिक धरोहर प्रभावित हुई हैं। कुल नुकसान में करीब 90% क्षति मामूली है, जबकि 10% स्मारकों को गंभीर नुकसान पहुंचा है। इनमें 38 राष्ट्रीय स्तर पर पंजीकृत स्मारक शामिल हैं, जबकि बाकी भी सांस्कृतिक और वास्तु महत्व की इमारतें हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 27 स्मारक काजार काल के हैं। हमलों में फर्रोखाबाद पैलेस, इश्रताबाद पैलेस, कहाक मिल, कसर जेल, मार्बल पैलेस का स्टोन गेट, अहमद रजा पहलवी पैलेस और रफी निया सिनेगॉग हाउस जैसे प्रमुख स्थल भी प्रभावित हुए हैं।

विदेश मंत्रालय ने दी वर्तमान हालात पर जानकारी

पीएम मोदी के निर्देश पर भारत खाड़ी के देशों से संबंध मजबूत कर रहा

भारत-संयुक्त अरब अमीरात व्यापक रणनीतिक साझेदारी और मजबूत हुई

20,400 मीट्रिक टन एलपीजी से भरा भारतीय जहाज होर्मुज से गुजरा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अमेरिका के साथ ईरान की वार्ता विफल होने के बाद विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने भारत की कूटनीति पर अहम जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के निर्देशों का पालन करते हुए, हम खाड़ी देशों से अपने संबंध मजबूत कर रहे हैं। इसी के अनुरूप, विदेश मंत्री ने 11 से 12 अप्रैल, 2026 तक संयुक्त अरब अमीरात का दौरा किया था। विदेश मंत्री ने संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति से मुलाकात की और प्रधानमंत्री की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए देश में हमारे समुदाय के कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने भारत-संयुक्त अरब अमीरात व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए उनके मार्गदर्शन के लिए भी धन्यवाद दिया।

रणधीर जायसवाल

फारस की खाड़ी क्षेत्र में सभी भारतीय नाविक सुरक्षित

वहीं, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव मुकेश मंगल ने भी एक अहम जानकारी दी। उन्होंने कहा कि फिलहाल, फारस की खाड़ी क्षेत्र में सभी भारतीय नाविक सुरक्षित हैं। पिछले 24 घंटों में भारतीय ध्वज वाले जहाजों से जुड़ी कोई घटना दर्ज नहीं की गई है। भारतीय ध्वज वाला एलपीजी पोत जग विक्रम 11 अप्रैल को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरा। पोत में लगभग 20,400 मीट्रिक टन एलपीजी भरी हुई है और इसमें 24 नाविक सवार हैं। इसके 14 अप्रैल को कांडला पहुंचने की उम्मीद है।

घरेलू एलपीजी आपूर्ति पूरी तरह से सामान्य

इसके अलावा पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने एलपीजी सिलेंडर को लेकर ताजा अपडेट दिया है। उन्होंने कहा कि घरेलू उपभोक्ताओं के लिए एलपीजी सिलेंडरों की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित कर दी गई है और वर्तमान में घरेलू एलपीजी आपूर्ति पूरी तरह से सामान्य है। किसी भी वितरक के पास गैस की कमी (सूखापन) की कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई है।

ड्रोन और हल्के विमानों की उड़ान क्षमता और संचालन में होगा सुधार

उत्तर भारत में पहली बार बनेगा विमान इंजन टेस्टिंग केंद्र, ब्रिटिश कंपनी के साथ मिलकर परियोजना शुरू

यह तकनीक कम दूरी या लगभग वर्टिकल टेक-ऑफ की सुविधा देगी

आपदा राहत मेडिकल इवैक्यूएशन ड्रोन लॉजिस्टिक्स होगी हाईटेक

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत में उन्नत विमानन तकनीक को बढ़ावा देने की दिशा में एक अहम कदम उठाया गया है। टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट बोर्ड (टीडीबी), विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) ने गुरुग्राम स्थित केसी एविएशन प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता किया है। यह समझौता बूस्ट इलेक्ट्रिक जंप टेक-ऑफ (बीई-जेटीओ) परियोजना के तहत किया गया है, जिसे भारत-यूके इंडस्ट्रियल सस्टेनेबिलिटी सहयोग कार्यक्रम के अंतर्गत यूके की एआरसी एयरोसिस्टम्स लिमिटेड के साथ मिलकर विकसित किया जाएगा। इस परियोजना के लिए टीडीबी ने सशर्त अनुदान स्वीकृत किया है। इसका मुख्य उद्देश्य हाइब्रिड प्रोपल्शन आधारित जंप टेक-ऑफ (जेटीओ) सिस्टम विकसित करना है, जिससे ड्रोन और हल्के विमानों की उड़ान क्षमता और संचालन में बड़ा सुधार हो सके। यह तकनीक कम दूरी या लगभग वर्टिकल टेक-ऑफ की सुविधा देगी, जिससे दुर्गम और दूरदराज इलाकों में भी आसानी से संचालन संभव होगा। टीडीबी के सचिव राजेश कुमार पाठक ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सहयोग के जरिए इस तरह के अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रम रणनीतिक क्षेत्रों में नई तकनीकों को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने बताया कि हाइब्रिड प्रोपल्शन और एडवांस टेक-ऑफ सिस्टम भारत की ड्रोन और क्षेत्रीय हवाई सेवाओं की क्षमता को मजबूत करेंगे और टिकाऊ विमानन समाधान को बढ़ावा देंगे। वहीं, केसी एविएशन के प्रमोटर्स ने इस सहयोग के लिए सरकार का आभार जताया और कहा कि इस परियोजना से उनकी तकनीक को वास्तविक परिस्थितियों में परीक्षण का अवसर मिलेगा, जिससे भविष्य के लिए स्केलेबल और उन्नत विमानन समाधान विकसित करने में तेजी आएगी।

एआई इमेज

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश

महत्वपूर्ण सूचना
द्वितीय परीक्षा

वर्ष 2026 की हाईस्कूल/ हायर सेकेण्डरी के अनुत्तीर्ण विषयों की परीक्षा देने अथवा अंक सुधार के लिए
द्वितीय परीक्षा का आयोजन

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा अब तक आयोजित होने वाली पूरक परीक्षा के स्थान पर अनुत्तीर्ण विषयों अथवा अंक सुधारने के लिए द्वितीय परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है।
- द्वितीय परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए छात्र मुख्य परीक्षा का परीक्षा परिणाम घोषित होते ही एम.पी. ऑनलाइन के कियोस्क पर अपनी मुख्य परीक्षा के परीक्षाफल के आधार पर द्वितीय परीक्षा के विषय, अनुक्रमांक (रोल नंबर) की जानकारी देकर शुल्क का नगद भुगतान कर परीक्षा आवेदन पत्र भर सकेंगे।
- द्वितीय परीक्षा में छात्र को अनुत्तीर्ण विषयों का चयन अनिवार्य है परन्तु उत्तीर्ण विषयों का चयन स्वैच्छिक है।
- द्वितीय परीक्षा की अंक सूची मुख्य परीक्षा की भांति जारी की जायेगी।
- मंडल द्वारा जारी अंक सूची का अधिभार सर्वमान्य है।
- वर्ष 2026 की हाईस्कूल द्वितीय परीक्षा दिनांक 07 मई 2026 से 19 मई 2026 तक एवं हायर सेकेण्डरी द्वितीय परीक्षा दिनांक 07 मई 2026 से 25 मई 2026 तक प्रातः 09:00 से 12:00 बजे तक निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित होगी।
- अंतिम तिथि 2026 की हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी द्वितीय परीक्षा के लिए एम.पी. ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से मुख्य परीक्षा का रिजल्ट घोषित होने की दिनांक से 07 दिवस की अवधि में परीक्षा आवेदन-पत्र भरे जा सकेंगे।

विस्तृत जानकारी एवं परीक्षा का कार्यक्रम मण्डल की वेबसाइट www.mpbse.nic.in पर उपलब्ध है।

म.प्र. माध्यम/125327/2026

बीरभूम में केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा नेता शाह ने भी रैली की 'दीदी' पर साधा निशाना

ममता को यहां से निकालिए, कटमनी व सिंडिकेट वालों को उल्टा लटकाकर सीधा करेगी भाजपा की सरकार, टीएमसी महिलाओं की रक्षा नहीं कर सकी

शाह ने कहा कि ममता कहती हैं कि महिलाओं को शाम से बाहर नहीं निकलना चाहिए। आप एक बार भाजपा सरकार बना दीजिए, हम ऐसा बंगाल बनाएंगे जहां रात को भी बच्ची स्कूटी पर निकल सकेगी। कोई संदेशखाली, आरजी कर, दुर्गापुर लॉ कॉलेज जैसी घटना यहां नहीं हो सकेगी

एजेंसी ▶▶ बीरभूम

यहां केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा नेता अमित शाह ने भी रैली की। इस दौरान शाह ने कहा कि आप लोग कटमनी और सिंडिकेट से परेशान हैं। किसी गरीब को घर बनाने के लिए ईंट लानी हैं, तो ममता के सिंडिकेट वाले पैसे मांगते हैं, सीमेंट लाना है, तो भी पैसे देने पड़ते हैं। आप ममता को यहां से निकाल दो, कटमनी और सिंडिकेट वालों को उल्टा लटकाकर सीधा करने का काम भाजपा की सरकार करेगी। शाह ने कहा कि ममता दीदी कहती हैं कि महिलाओं को शाम से बाहर नहीं निकलना चाहिए। आप एक बार भाजपा सरकार बना दीजिए, हम ऐसा बंगाल बनाएंगे, जहां रात को एक बजे भी छोटी बच्ची स्कूटी पर निकल सकेगी। कोई संदेशखाली, आरजी कर, दुर्गापुर लॉ कॉलेज या साउथ कोलकाता लॉ कॉलेज जैसी घटना नहीं होगी। उन्होंने कहा कि भाजपा ने तय किया है कि हम यूसीसी लाएंगे। हम सातवां वेतन आयोग हर सरकारी कर्मचारी को देंगे। बहनों के खाते में हर महीने तीन हजार रुपए जमा हो जाएंगे। गर्भवती माताओं को 21 हजार रुपए देंगे। यहां के बेरोजगार युवाओं को हम हर महीने 3,000 रुपए देने का काम करेंगे।

5 मई को बनेगी भाजपा सरकार

बीरभूम में शाह ने दो और पश्चिम बर्धमान में एक बड़ी चुनावी रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने टीएमसी पर कड़ा प्रहार किया। शाह ने कहा बंगाल में 5 मई को भाजपा की सरकार बनने वाली है। दीदी को टाटा-बाय-बाय कहने का निर्णय जनता ने ले लिया है।

रैली के दौरान लोगों का अभिवादन करते गृहमंत्री शाह

जनता अब बम का जवाब बैलेट से देगी

शाह ने कहा कि दीदी, आपके गुंडों के बम धमाकों से बंगाल की जनता अब नहीं डरेगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि बंगाल की जनता बम का जवाब बैलेट से देगी।

भाजपा आई तो 4 शादियां नहीं होंगी

शाह ने कहा कि बंगाल में कुछ लोगों को 4 शादी करने की छूट है, अगर भाजपा सत्ता में आई तो यूसीसी लागू कर इस पर प्रतिबंध लगा दिया जाएगा।

ममता के उत्पाती मतदान नहीं रोक पाएंगे, बेखौफ वोटिंग करिए

वेस्ट मेदिनीपुर के रानीगंज में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए शाह ने सीएम ममता पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ममता बॉर्डर पर फेंसिंग के लिए जमीन नहीं दे रहीं हैं और बंगाल में घुसपैठ के लिए बीएसएफ को जिम्मेदार ठहरा रही हैं। शाह ने कहा कि आप लोग बेखौफ और बे-रोक-टोक मतदान करना। ममता बनर्जी के किसी भी गुंडे की मजाल नहीं है कि इस बार वो बंगाल के किसी भी मतदाता को रोक पाए।

ममता का चेला हुमायूं अब तो बाबरी मस्जिद बनाना चाह रहा

शाह ने हुमायूं कबीर को ममता का चेला करार दिया। ममता राम मंदिर का विरोध करती थीं और अपने चेले-चपाटों को बंगाल में आगे कर बाबरी मस्जिद बनाने का सपना दिखा रही हैं। कबीर बंगाल में बाबरी मस्जिद बनाना चाहता है।

ममता तो राज्य की बहनों की रक्षा नहीं कर सकीं

शाह ने कहा कि ममता दीदी कहती हैं कि महिलाओं को शाम 7 बजे के बाद घर से बाहर नहीं निकलना चाहिए। ममता दीदी, थोड़ी शर्म तो कीजिए, खुद महिला मुख्यमंत्री होते हुए भी आप बंगाल की बहन की रक्षा नहीं कर सकीं।

भाजपाध्यक्ष नबीन की हुंकार

नशे के दलदल में धंसा तमिलनाडु का भविष्य, अब डीएमके के कुशासन का हिसाब करेगी जनता

रामनाथपुरम। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने तमिलनाडु के रामनाथपुरम में विशाल जनसभा को संबोधित किया। नितिन ने डीएमके सरकार पर भ्रष्टाचार, परिवारवाद और कुशासन के गंभीर आरोप लगाए तथा राज्य में बढ़ते अपराध और नशे के प्रसार को लेकर डीएमके सरकार की जमकर आलोचना की। अब इस कुशासन का जनता हिसाब करेगी।

चुनाव प्रचार के सिर्फ 9 दिन बाकी

अब तक तमिलनाडु में नहीं हुई कांग्रेस की एंट्री, गठबंधन पर उठे सवाल

चेन्नई। तमिलनाडु में चुनाव के लिए 23 अप्रैल को मतदान होना है। अब राजनीतिक दलों के पास प्रचार के लिए सिर्फ 9 दिन ही बाकी है। ऐसे में सभी दल पूरी ताकत के साथ रैलियां और रोड शो कर रहे हैं। सभी चुनाव में पूरी ताकत झोंक रहे हैं। इस चुनाव में डीएमके का कांग्रेस के साथ गठबंधन है। लेकिन इस गठबंधन पर अब सवाल उठ रहे हैं। इसका कारण है राहुल गांधी की रैली।

मुर्शिदाबाद में ओवैसी का ममता पर निशाना

भाजपा से पुराने रिश्तों की दिलाई याद

मुर्शिदाबाद स्थित रघुनाथगंज में एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए टीएमसी और मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी पर जमकर निशाना साधा। ओवैसी ने स्थानीय मुद्दों को हवा देते हुए कहा कि मुर्शिदाबाद की सरजमीं पर किसी ने इंडस्ट्री या हमारे बच्चों के रोजगार की बात की? उन्होंने कहा कि आपने ममता को 3बार मुख्यमंत्री बनाया और बदले में इस क्षेत्र को क्या मिला? ओवैसी ने कहा कि इस बार आप को बहुत ही एहतियात से सोच-समझकर अपने वोट का इस्तेमाल करना है। मैं यह कहना चाहूंगा कि बंगाल के मुस्लिम अकलियत (अल्पसंख्यक) से बहुत नाइंसाफी की गई।

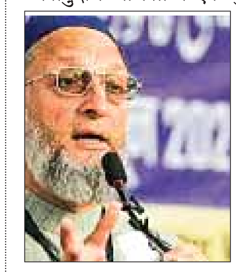

बीरभूम में टीएमसी की जनसभा

ममता ने पीएम को घेरा, युवाओं को प्रभावित करने 'मन की बात' दिखाई

बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने सोमवार को प्रधानमंत्री पर निशाना साधा। ममता ने बीरभूम के सूरी में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री का 'मन की बात' कार्यक्रम युवाओं के मन को प्रभावित करने के लिए प्रसारित किया जा रहा है। ममता ने टीएमसी की जीत का दावा भी किया। उन्होंने कहा कि भाजपा दिल्ली की ताकतों का इस्तेमाल करके बंगाल चुनाव नहीं जीत पाएगी, टीएमसी को 226 से अधिक सीटें मिलेंगी।

खबर संक्षेप

गिर में शेर का किया गया सफल रेस्क्यू

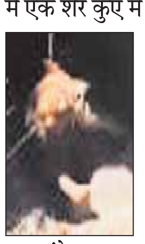

गिर। गुजरात के गिर क्षेत्र नवाबंदर में एक शेर कुएं में गिरा, जिसे वन विभाग की टीम ने रस्सी और पिंजरे के सहारे घंटों की मशक्कत के बाद सफलतापूर्वक बचाया। करीब एक घंटे तक यह ऑपरेशन चला। ऐसे जानवरों को अक्सर चिकित्सा जांच के लिए जसाधर एनिमल केयर सेंटर ले जाया जाता है।

कर्नाटक में रस्साकशी पद की चाह गलत नहीं

बेंगलुरु। कर्नाटक में कांग्रेस सरकार के अंदर इन दिनों कैबिनेट फेरबदल को लेकर हलचल तेज हो गई है। गृह मंत्री जी परमेश्वर ने बड़ा बयान देते हुए कहा कि विधायकों का मंत्री बनने की इच्छा रखना बिल्कुल गलत नहीं है। कई विधायक 2-3 बार चुनाव जीत चुके हैं। उनके पास अनुभव भी है।

खेड़ा केस में सुप्रीम कोर्ट पहुंची असम पुलिस

नई दिल्ली। असम पुलिस ने कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को दी गई अग्रिम जमानत के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। यह जमानत तेलंगाना हाई कोर्ट ने उस मामले में दी थी, जो असम में दर्ज है। तेलंगाना हाईकोर्ट ने खेड़ा को एक हफ्ते की अग्रिम जमानत दे दी है। कोर्ट ने कहा कि खेड़ा को एक हफ्ते का समय दिया था।

लालू पर एफआईआर रद्द नहीं, पेशी से मिली छूट

नई दिल्ली। जमीन के बदले नौकरी घोटाले के मामले में आरजेडी के प्रमुख लालू प्रसाद यादव को सुप्रीम कोर्ट से फिलहाल कोई बड़ी राहत नहीं मिली है। सर्वोच्च न्यायालय नेरोक लगाने की उनकी मांग को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने लालूको निचली अदालत की कार्यवाही में व्यक्तिगत रूप से पेश होने से छूट दी है।

नए मुख्यमंत्री की शपथ की राजभवन में तैयारियां शुरू

कल होगा बिहार में नई सरकार का गठन पर्यवेक्षक शिवराज करेंगे नेता का ऐलान

सोमवार को सीएम नीतीश और डिप्टी सीएम सम्राट में हुई हाईलेवल बैठक

एजेंसी ▶▶ पटना

बुधवार को बिहार में नए मुख्यमंत्री शपथ लेंगे। पार्टी दफ्तर से लेकर राजभवन तक इसकी तैयारी चल रही है। सोमवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी की नीतीश के आवास पर हाईलेवल मीटिंग चली। इसमें जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा, ललन सिंह, बिजेंद्र यादव, विजय चौधरी, श्रवण कुमार, जमा खान मौजूद थे। इसमें 14 अप्रैल को होने वाली एनडीए की विधायक दल की बैठक और जदयू कोटे से बनने वाले मंत्री और निशांत कुमार को लेकर बातचीत हुई। बैठक खत्म होने के बाद बाहर निकले मंत्री जमा खान ने साफ कहा कि 15 अप्रैल को ही नई सरकार का शपथ ग्रहण होगा। इसकी तैयारी चल रही है। मुख्यमंत्री नीतीश के आवास से निकलने के बाद बाद ललन सिंह और संजय झा ने डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी के आवास पर जाकर बैठक की। यहां पर नेताओं के बीच नए मंत्रिमंडल पर बाचतीत की।

प्रधानमंत्री भी समारोह में होंगे शामिल

गुफ्तगू करते उप मुख्यमंत्री सम्राट और सिन्हा

आज नीतीश की आखिरी बैठक

सचिवालय की ओर से मंत्रिपरिषद की बैठक की तारीख और भी जारी कर दी गई है। 14 अप्रैल को सुबह 11 बजे मुख्यमंत्री नीतीश की अध्यक्षता में मंत्रि परिषद की बैठक होगी।

भाजपा की बैठक के बाद एनडीए के विधायक दल की मीटिंग

जेडीयू के वरिष्ठ नेता संजय झा और विजय चौधरी की ओर से पिछले 24 घंटे में जो बयान जारी किया गया है, उससे साफ लग रहा है कि मुख्यमंत्री के नाम पर जदयू कोई खास लेना देना नहीं है। जदयू का स्पष्ट कहना है कि मुख्यमंत्री भाजपा को ही तय करनी है। प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने साफ कहा कि 14 अप्रैल को पहले भाजपा के विधायक दल की बैठक होगी। इसके बाद सरकार के गठन की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी।

राजभवन की सुरक्षा कड़ी की गई

पटना जिला प्रशासन की ओर से एयरपोर्ट, अणे मार्ग, राजभवन की सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। पटना में डीएम डॉ. त्यागराजन एसएम को लोकभवन बुलाया गया था। उन्होंने राज्यपाल से मुलाकात की। डीएम को कई दिशा निर्देश दिए गए हैं।केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के आने के बाद पीएम नरेंद्र मोदी भी पटना आ सकते हैं। पीएम मंगलवार शाम को पटना आएंगे। वे लोक भवन में रुकेंगे। नई सरकार के शपथ ग्रहण में शामिल होंगे।

आज होंगी अहम बैठकें

2 बजे जेडीयू की तो 3 बजे भाजपा विधायक दल की होगी बैठक

बिहार में भाजपा के पहले मुख्यमंत्री को चुनने का रोडमैप फाइनल हो गया है। एनडीए विधायक दल का नया नेता सीएम बनेगा और अपने नाम पर गठबंधन से मुहर लगने के बाद राज्यपाल के पास जाकर सरकार बनाने का दावा पेश करेगा या करेगी। जेडीयू के अध्यक्ष और मौजूदा सीएम नीतीश कुमार दोपहर 2 बजे सीएम आवास पर जेडीयू विधायक दल की बैठक करेंगे। इस बैठक में नीतीश की जगह पर पार्टी किसी नए नेता को चुनेगी।

शिवराज की देखरेख में होगी नाम की घोषणा

भाजपा के पर्यवेक्षक और केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह

चौहान भाजपा विधायक दल की बैठक में नेता के नाम का ऐलान करेंगे। शाम 4 बजे बिहार विधानमंडल के सेंट्रल हॉल में एनडीए विधायक दल की मीटिंग होगी। इस बैठक में एनडीए के विधायक नीतीश की जगह लेने वाले नए नेता यानी नए मुख्यमंत्री को चुनेंगे।

बुधवार को होगा शपथ ग्रहण: जमा खान

नीतीश के करीबी मंत्री जमा खान ने पटना में कहा कि

लगभग सारी प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। हमारे नेता का जो निर्णय होगा बिहार के अंदर वही होगा। मंगलवारको कैबिनेट की बैठक है। साथ ही बुधवार को उम्मीद है कि शपथ ग्रहण होगा।

सुप्रीम कोर्ट फर्जी मतदान पर सख्त

बायोमीट्रिक सिस्टम से मतदान पर केंद्र-ईसी से मांगा जवाब

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मतदान से पहले मतदाताओं की बायोमेट्रिक और फेस रिकग्निशन पहचान लागू करने की मांग वाली जनहित याचिका पर केंद्र सरकार और चुनाव आयोग को नोटिस जारी किया। यह याचिका भाजपा नेता अश्विनी कुमार उपाध्याय ने दायर की है। सीजेआसई् र्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने मामले पर चुनाव आयोग और केंद्र से जवाब मांगा। अदालत ने यह भी कहा कि ऐसी व्यवस्था लागू करने के लिए नियमों में बदलाव की जरूरत होगी और इससे सरकारी खजाने पर बड़ा वित्तीय बोझ भी पड़ सकता है। उपाध्याय ने कहा कि इस व्यवस्था को लागू करने के लिए राज्यों का सहयोग भी जरूरी होगा।

चुनाव प्रक्रिया की पवित्रता और निष्पक्षता प्रभावित हो रही

याचिका में कहा गया है कि रिश्वत, अनुचित प्रभाव, फर्जी पहचान , डुप्लीकेट वोटिंग और घोस्ट वोटिंग जैसी समस्याएं अब भी चुनाव प्रक्रिया की पवित्रता और निष्पक्षता को प्रभावित कर रही हैं, जिससे नागरिकों को व्यापक नुकसान होता है। अब सुप्रीम कोर्ट इस मामले में केंद्र, चुनाव आयोग और संबंधित राज्यों के जवाब मिलने के बाद आगे की सुनवाई करेगा।

पीठ ने बजट और सहयोग पर ईसी का पक्ष मांगा

पीठ ने कहा कि पहले चुनाव आयोग इस पर अपना रुख स्पष्ट करे। अगर राज्य सहयोग नहीं करते या वित्त मंत्रालय बजट मंजूर नहीं करता, तब अदालत का रुख किया जा सकता है। बाद में अदालत इस मामले की सुनवाई के लिए तैयार हो गई। आगामी चुनावों में इस व्यवस्था को लागू नहीं किया जा सकता, लेकिन भविष्य के चुनावों के लिए विचार किया जा सकता है।

'सूची के बाहर' नहीं कर पाएंगे मतदान

कोर्ट ने कहा कि बंगाल में चुनावों के नतीजों पर तब तक कोई दखल नहीं होगी, जब तक की हार-जीत का अंतर एसआईआर के दौरान बाहर किए गए लोगों की संख्या से कम न हो। मतदाता दो संस्थाओं के बीच पिस रहे हैं। कोर्ट ने सोमवार को साफ-साफ कहा कि जिन लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए जाने के खिलाफ अपील लंबित है, उन्हें आगामी पश्चिम बंगाल चुनाव में मतदान करने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

केजरीवाल ने जज को ही सुना डाला

जज को लेकर मेरे मन में कई आशंकाएं हैं, खुद दलीलें दी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली हाई कोर्ट में सोमवार को एक बार फिर पूर्व सीएम अरविंद

केजरीवाल एक तेज तर्रार वकील की तरह अपनी दलीलें रखते नजर आए। जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा से कथित शराब घोटाले से जुड़े केस से अलग हो जाने की मांग करते हुए आपके मुखिया ने कई दलीलें पेश कीं। केजरीवाल बेहद तीखे नजर आए और उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि उन्हें जज को लेकर मन में आशंकाएं हैं।

जस्टिस स्वर्ण कांता बोलीं

मुझे घूरिए मत...

केजरीवाल ने कथित शराब घोटाला मामले में खुद दलीलें दीं।

जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा की पीठ के समक्ष केजरीवाल ने कोर्ट में गड़बड़ी के आरोप लगाए। जस्टिस शर्मा को यह तक कह डाला कि अगर वे किसी खास आइडियोलॉजी के प्रोग्राम में जा रही हैं तो मेरे मन में डर पैदा होता है। इस पर जज शर्मा ने कहा- मुझे घूरिए मत।

बेटे आनंद ने निभाईं रस्में, अंतिम दर्शन को लगा रहा लोगों का तांता

आशा ताई पंचतत्व में विलीन, अंतिम विदाई में उमड़ा सैलाब

सीएम फडणवीस समेत कई दिग्गज भी पहुंचे

एजेंसी ▶▶ दादर

दिग्गज गायिका आशा भोसले के अंतिम दर्शन के लिए उनके आवास पर तमाम फिल्मी कलाकारों और राजनेताओं का आना-जाना लगा रहा। गायिका को राजकीय सम्मान दिया गया। इसके बाद आशा ताई अपने अंतिम सफर पर निकलीं। सफेद और पीले रंग के फूलों से उनका मोक्ष रथ सजाया गया। दादर के शिवाजी पार्क में उनका अंतिम संस्कार किया गया। एआर रहमान से लेकर सचिन तेंदुलकर, तब्बू, राकेश रोशन, राकेश रोशन, सिंगर्स सुदेश भोसले, जावेद अली और नितिन मुकेश समेत नील नितिन मुकेश पहुंचे। उनके पार्थिव शरीर को तिरंगे में लपेटा गया। बेटे आनंद भोसले ने आशा भोसले को मुखाग्नि दी और इस दौरान वो टूट गए।

पोस्टर और फूलों से सजा शिवाजी पार्क

सीएण फडणवीस ने परिवार को ढांढस बंधाया

ताई के अंतिम संस्कार के बाद महाराष्ट्र सीएम देवेंद्र फडणवीस

उनकी पोती और परिवार से मिले। राज ठाकरे ने भी उनके परिवार से मुलाकात की। गायक शान, अभिनेता विवेक ओबेरॉय, निर्देशक रमेश सिप्पी और अभिनेत्री पद्मिनी कोल्हापुरे ने आशा ताई को श्रद्धांजलि दी।

मुंबई पुलिस ने दिया गार्ड ऑफ ऑनर

गायिका आशा भोसले को मुंबई पुलिस ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया।

तेंदुलकर नहीं रोक सके अपने आंसू

ताई के देहांत पर विश्व के महानतम क्रिकेटर्स में शुमार सचिन तेंदुलकर फूट-फूटकर रोने लगे। सचिन की बीवी अंजलि भी मौजूद थीं। सचिन ने भावुक संदेश में बताया कि वे गायिका को उनके गीतों के माध्यम से हमेशा याद रखेंगे।

20–30% कम दर पर भी नहीं मिल रहे खरीदार, करोड़ों के राजस्व नुकसान की आशंका

24 शराब दुकानों के टेंडर अधर में, ठेकेदारों ने बनाई दूरी

हरिभूमि जबलपुर।

जिले में शराब दुकानों के टेंडर को लेकर आबकारी विभाग की तैयारियां फिलहाल धरी की धरी नजर आ रही हैं। हालात यह हैं कि 24 आबकारी दुकानों के लिए अब तक टेंडर नहीं हो सके हैं, जबकि प्रक्रिया कई दौर से गुजर चुकी है।सूत्रों के अनुसार चौंकाने वाली बात यह है कि विभाग द्वारा दरों में 20 से 30 प्रतिशत तक कमी किए जाने के बावजूद भी ठेकेदार इन दुकानों को लेने के लिए आगे नहीं आ रहे हैं। इस स्थिति ने न सिर्फ विभागीय कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं, बल्कि सरकार को मिलने वाले राजस्व पर भी बड़ा संकट मंडराने लगा है। जानकारों का कहना है कि अगर यही हाल रहा तो आने वाले महीनों में करोड़ों रुपये के राजस्व नुकसान की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता।

नीति और जमीनी हकीकत में अंतर

आबकारी विभाग हर साल नई नीति के तहत शराब दुकानों का निर्धारण और नीलामी करता है। इस बार भी बड़े राजस्व लक्ष्य के साथ टेंडर प्रक्रिया शुरू की गई, लेकिन जमीनी स्तर पर ठेकेदारों की बेरुखी ने पूरी योजना पर पानी फेर दिया। सूत्रों के मुताबिक कई दुकानों के लिए बार-बार टेंडर निकाले गए, लेकिन अपेक्षित प्रतिसाद नहीं मिला।

ठेकेदारों की दूरी के पीछे कारण

ठेकेदारों का कहना है कि वर्तमान में शराब बिक्री में अपेक्षित वृद्धि नहीं हो रही है, वहीं लागत और नियमों का दबाव लगातार बढ़ रहा है। सुरक्षा, अवैध शराब की चुनौती और प्रशासनिक सख्ती भी बड़े कारण माने जा रहे हैं। ऐसे में कम दर पर भी दुकान उठाना घाटे का सौदा साबित हो सकता है।

अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल

पूरे मामले में आबकारी अधिकारियों की कार्यप्रणाली भी सवालों के घेरे में है। स्थानीय स्तर पर यह चर्चा जोरों पर है कि दुकानों के निर्धारण, रिजर्व प्राइस और लोकेशन चयन में पर्याप्त अध्ययन नहीं किया गया, जिसके चलते ठेकेदारों ने दूरी बना ली।

राजस्व लक्ष्य पर असर तय

जबलपुर जैसे बड़े जिले से हर साल सरकार को भारी राजस्व मिलता है, लेकिन इस बार टेंडर प्रक्रिया की सुस्ती से लक्ष्य हासिल करना मुश्किल नजर आ रहा है। यदि जल्द समाधान नहीं निकाला गया, तो वित्तीय वर्ष की शुरुआत में ही राजस्व संग्रह पर बड़ा झटका लग सकता है।

जल्द निर्णय की दरकार

अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि विभाग इन बची हुई दुकानों के लिए क्या नई रणनीति अपनाता है। दरों में और कमी, दुकानों का पुनर्गठन या अन्य विकल्पों पर विचार किया जा सकता है, लेकिन फिलहाल स्थिति यही दर्शा रही है कि आबकारी व्यवस्था गंभीर संकट के दौर से गुजर रही है।

क्या जबलपुर में भी होगी कार्यवाही

गौरतलब है कि शराब दुकानों को विक्रय निष्पादित करने का पूरा दमोरदार जिला आबकारी अधिकारी के पास होता है, अगर समय पर यह प्रक्रिया पूरी नहीं होती है तो उसका दोषारोपण जिला आबकारी अधिकारी पर होता है, यही कारण है कि आयुक्त आबकारी ने गुना, अशोकनगर, व बैतूल के अधिकारियों को निलंबित कर दिया था। हालांकि 13 दिन बीतने के बाद भी यहां पर भी शराब दुकानों का निष्पादन नहीं हो पाया है, ऐसे में कयास लगाये जा रहे हैं कि जबलपुर में भी बड़ी कार्यवाही हो सकती है।

नशे में धुत टैंकर चालक ने सड़क किनारे खड़े वाहन को मारी जोरदार टक्कर, चालक घायल

उड़नदस्ता टीम मौके पर पहुँची, घायल चालक को उड़नदस्ता टीम ने मेडिकल पहुंचाया

जबलपुर। नेशनल हाईवे नागपुर रोड पर सड़क किनारे खड़े एक वाहन को नशे की हालत में आ रहे डीजल टैंकर (क्रमांक MP19ZF8598) के चालक ने जोरदार टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में खड़ा वाहन क्षतिग्रस्त हो गया तथा चालक घायल हो गया।

घटना की सूचना मिलते ही आरटीओ की उड़नदस्ता टीम तत्काल मौके पर पहुंची। टीम ने तत्परता दिखाते हुए घायल चालक को वाहन से बाहर निकालकर मेडिकल अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका उपचार जारी है। प्रशासन द्वारा मामले की जांच की जा रही है एवं संबंधित चालक के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

अवैध स्क्रैप माफिया पर क्राइम ब्रांच-अधारताल पुलिस की संयुक्त कार्रवाई, बिना वैध दस्तावेज वाहनों को काटकर किया जा रहा था कारोबार

गैराज में कट रही गाड़ियों का भंडाफोड़

हरिभूमि, जबलपुर।

शहर में अवैध वाहन स्क्रैपिंग के गोरखधंधे पर क्राइम ब्रांच और अधारताल पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए बड़ा खुलासा किया है। खजरी खिरिया स्थित एक गैराज में बिना वैध अनुमति और दस्तावेजों के वाहनों को काटकर स्क्रैप में तब्दील किया जा रहा था। पुलिस ने मौके से भारी मात्रा में कटे हुए वाहनों के पुर्जे जब्त कर दो आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

क्राइम ब्रांच को मुखबिर से सूचना मिली थी कि शेख आरिफ के गैराज में अवैध रूप से वाहन काटे जा रहे हैं। सूचना पर संयुक्त टीम ने दबिश दी, जहां एक वाहन डीएल 1 एलआर 9698 में स्क्रैप लोड मिला। पूछताछ में गैराज संचालक 37 वर्षीय शेख आरिफ निवासी बेलबाग ने स्वीकार किया कि उसने कई वाहनों एमपी 20 सीए 6862, एमपी 20 एफए 6828 और एमपी 20 एफ 6243 को काटकर स्क्रैप में बदल दिया है। मौके पर एक अन्य कार एमपी 20 सीसी 7962 इंडिका विस्टा आधी कटी हुई हालत में भी मिली।

नहीं दिखा पाए कागजात

जांच के दौरान आरोपी वैध दस्तावेज, स्क्रैपिंग परमिट, गुमास्ता लाइसेंस, आरटीओ में रजिस्ट्रेशन सरेंडर के दस्तावेज या वाहन मालिकों की सहमति से जुड़े कागजात प्रस्तुत नहीं कर सके। इससे स्पष्ट हुआ कि पूरे नेटवर्क द्वारा नियमों को दरकिनार कर अवैध लाभ कमाया जा रहा था।

वारदातों में प्रयुक्त होने की संभावना

पुलिस ने आशंका जताई है कि इन वाहनों का इस्तेमाल पूर्व में किसी आपराधिक गतिविधि में भी हुआ हो सकता है। फिलहाल जब्त स्क्रैप और वाहनों के पुर्जों के आधार पर धारा 106 बीएनएसएस के तहत कार्रवाई करते हुए शेख आरिफ और अरबाज (26) निवासी छोटी ओमती के खिलाफ धारा 318(1), 61(2) बीएनएस एवं म.प्र. मोटर कराधान अधिनियम की धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

इनकी रही सराहनीय भूमिका

इस कार्रवाई में टीआई अधारताल प्रवीण कुमरे एवं क्राइम ब्रांच थाना प्रभारी शैलेष मिश्रा के निर्देशन में एएसआई कैलाश मिश्रा, प्रशांत सोलंकी, प्रधान आरक्षक अटल जंघेला, वीरेन्द्र सिंह, आरक्षक अजीत, विनय, सत्येन्द्र विसेन तथा अधारताल थाना के एएसआई अशोक पाण्डे, प्रधान आरक्षक प्रेमलाल विश्वकर्मा, सुग्रीव तिवारी, आरक्षक अंकुर मिश्रा, मानवेन्द्र सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सिर्फ 10 रूपये की गड़बड़ी के आरोप में बर्खास्त कर्मी को मिला न्याय

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने सिर्फ 10 रूपये की गड़बड़ी के मामले में बर्खास्त रेलवे कर्मचारी नारायण नायर की बर्खास्तगी को निरस्त कर दिया है।कोर्ट ने साफ कहा आरोप संभावनाओं के आधार पर भी साबित नहीं होते। ट्रिब्यूनल के फैसले को बरकरार रखते हुए हाई कोर्ट ने रेलवे की याचिका निरस्त कर दी। साथ ही यह भी कहा कि अगर कोई छोटी चूक थी तो उसके लिए नौकरी से बर्खास्त करना कठोर और असंगत सजा थी। दरअसल, चार जनवरी, 2002 को जब श्रीधाम रेलवे स्टेशन के टिकट काउंटर पर नायर ड्यूटी पर थे, अचानक विजिलेंस की टीम शिकायतकर्ता रेल यात्री के साथ पहुंच गई। उसने आरोप लगाया था कि नायर को 31 रूपये वापस करने थे, लेकिन उन्होंने सिर्फ 21 रूपये ही लौटाए और 10 रुपये बचा लिए। नायर बार-बार एक ही बात कहते रहे भीड़ थी, गलती हो सकती है। इसके बावजूद बिना सुनवाई के ही बर्खास्त कर दिया गया। विजिलेंस टीम ने यह भी कहा कि उनके पास 450 रूपये अतिरिक्त मिले। नायर ने बताया कि यह उनकी निजी रकम थी, जो उन्होंने अपनी बीमार पत्नी की दवा के लिए रखी थी। लेकिन यह सफाई भी दरकिनार कर दी गई। इसी तरह एक और आरोप जुड़ गया कि काउंटर पर टिकटों का एक बंडल मिला। नायर ने कहा कि वह जमीन पर पड़ा था, उन्हें उसकी जानकारी नहीं थी। फिर भी इसे भी उनके खिलाफ सबूत बना दिया। दरअसल, गड़बड़ी सिर्फ आरोपों में नहीं थी, आंकड़ों में भी थी। पहले कहा गया कि 778 रुपये अतिरिक्त मिले। बाद में जांच में यही रकम घटकर सिर्फ सात रूपये रह गई। 2026 में हाई कोर्ट ने पूरे केस की परतें खोल दीं। जो तथ्य सामने आया, वह प्रक्रिया की विफलता की हकीकत थी। कोर्ट ने पाया कि 10 रूपये की गड़बड़ी के आरोप के समर्थन में कोई स्वतंत्र गवाह नहीं था। सिर्फ यात्री का बयान था जो खुद विजिलेंस टीम का हिस्सा था। किसी भी अन्य यात्री ने कभी शिकायत नहीं की थी। सबसे चौंकाने वाली बात जांच अधिकारी ही अभियोजन पक्ष की भूमिका भी निभा रहा था। नियम तोड़े गए। प्रक्रियाएं नजरअंदाज की गईं। प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों को दरकिनार कर दिया गया।

यूएस ट्रेड डील किसानों और लघु उद्योगों की कमर तोड़ेगी: चिब

युवक कांग्रेसियों पर पुलिस ने चलाई वाटर केनन

जबलपुर। अमेरिका के साथ किसान विरोधी ट्रेड डील व महंगाई व बेरोजगारी के मुद्दों को लेकर मप्र युवक कांग्रेस द्वारा जबलपुर में सोमवार को बड़ा प्रदर्शन किया गया। सिविक सेंटर में आयोजित आमसभा को संबोधित करते हुए युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब ने केंद्र सरकार व मप्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ ट्रेड डील चार माह से लंबित थी। एपस्टिन फाईल का मामला सामने आने पर यह डील की गई। इससे देश के लघु उद्योगों और किसानों की कमर टूटेगी। सभा को प्रदेश युवा कांग्रेस के अध्यक्ष यश घनघोरिया सहित स्थानीय नेताओं ने भी संबोधित किया। इसके बाद बड़ी संख्या में कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट का घेराव करने निकले, जिन्हे पुलिस ने वॉटर कैनन चलाकर रोक दिया। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब के नेतृत्व में युवक कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने ट्रेड का विरोध करते हुए जमकर प्रदर्शन व नारेबाजी की। कार्यकर्ताओं के साथ विरोध प्रदर्शन कर रहे उदय भानु चिब ने कहा कि प्रस्तावित यूएस ट्रेड डील से किसानों व मजदूरों को भारी नुकसान झेलना पड़ेगा। उन्होंने इसे देशहित के खिलाफ बताते हुए विरोध जताया। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर आंदोलन केवल मध्यप्रदेश तक सीमित नहीं रहेगा। देशभर में विरोध प्रदर्शन किए जाएंगे। चिब ने महंगाई, गैस सिलेंडर की कीमतों और केंद्र सरकार की विदेश नीति को लेकर भी सवाल उठाए। प्रदर्शन में प्रदेश अध्यक्ष यश घनघोरिया सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। प्रदर्शन को देखते हुए प्रशासन ने कलेक्ट्रेट और प्रमुख मार्गों पर बैरिकेडिंग की। रैली को नियंत्रित करने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। इसके बाद भी जब कार्यकर्ताओं ने आगे बढने की कोशिश की तो पुलिस ने वॉटर कैनन का उपयोग किया। पानी की बौछारें पड़ते ही अफरातफरी मच गई, कार्यकर्ता तितर बितर हो गए थे। राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन भी सौंपा गया। प्रदर्शन में स्थानीय कार्यकर्ताओं सहित पदाधिकारी मौजूद रहे।

एमडी ने दिए समयबद्ध लक्ष्य पूर्ण करने के निर्देश

कटनी वृत्त के विद्युत कार्यों की समीक्षा

जबलपुर। पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक अजय गुप्ता द्वारा कटनी वृत्त कार्यालय सभागार में महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में संचा-संधा वृत्त, शहर संभाग, दक्षिण संभाग, प्रवर्तन संभाग एवं एसटीएम-एसटीसी संभाग कटनी के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान राजस्व संग्रहण, समाधान योजना, आरडीएसएस योजना, वर्क प्लान 2025-26, फेल ट्रांसफार्मर, विद्युत आपूर्ति, मेंटेनेंस, बकाया वसूली एवं स्मार्ट मीटर जैसे विषयों पर चर्चा हुई। प्रबंध संचालक ने कम राजस्व संग्रहण एवं समाधान योजना की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए। उन्होंने सभी कार्यपालन एवं अधीक्षण अभियंताओं को नियमित फील्ड विजिट कर योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर देने के निर्देश दिए।

बैठक के पश्चात उन्होंने आरडीएसएस योजना के तहत निर्माणाधीन 33/11 केवी खिरहनी उपकेंद्र का निरीक्षण भी किया। निरीक्षण के दौरान मेसर्स यूनिवर्सल के प्रतिनिधियों को गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने तथा सभी लंबित कार्य 30 अप्रैल 2026 तक पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर कंपनी मुख्यालय से मुख्य महाप्रबंधक (कार्य) संजय भागवतकर, मुख्य अभियंता (जबलपुर) एस.के. गिरिया, मुख्य महाप्रबंधक (संचा-संधा) संजय निगम, महाप्रबंधक (आरडीएसएस) नीरज कुचया एवं अधीक्षण अभियंता कटनी डी.एन. चौकीकर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

शहर को नंबर-1 बनाने पार्षदों के साथ मैदान में उतरे निगम अध्यक्ष

जबलपुर। संस्कारधानी को स्वच्छ सर्वेक्षण में शीर्ष स्थान पर पहुँचाने के लिए नगर निगम ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। इसी कड़ी में स्वच्छता अभियान को केवल सरकारी कार्यक्रम न रखते हुए इसे एक जन-आंदोलन बनाने के उद्देश्य से नगर निगम अध्यक्ष, पार्षदों और स्थानीय नागरिकों के साथ स्वयं मैदान में उतरे।

अभियान को रोचक और प्रभावी बनाने के लिए वार्डों में स्वच्छता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य वार्डों के बीच एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा पैदा करना है ताकि हर गली और मोहल्ला चकाचक नजर आए। निगम अध्यक्ष ने सभी सम्माननीयजनों, वरिष्ठ नागरिकों और युवाओं को स्वच्छता की शपथ दिलाई। उन्होंने आह्वान किया कि "कचरा न फैलाना और न फैलने देना" ही जबलपुर का नया संकल्प है। इस अभियान में केवल सफाई मित्र ही नहीं, बल्कि सैकड़ों की संख्या में स्थानीय लोग स्वेच्छा से शामिल हुए। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक ने झाड़ उठाकर श्रमदान किया। वार्ड पार्षदों ने अपने-अपने क्षेत्रों में नेतृत्व संभालते हुए जनता को डस्टबिन के उपयोग और कचरा पृथकीकरण गीला और सूखा कचरा के प्रति जागरूक किया। इस अवसर पर निगम अध्यक्ष रिंकू विज ने कहा, जबलपुर हम सबका घर है और इसे स्वच्छ रखना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।

मुआवजे की पुनर्गणना कर भुगतान देने का आदेश स्थगित

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने एकलपीठ के उस आदेश पर रोक लगा दी जिसमें जबलपुर विकास प्राधिकरण को कहा गया था कि मुआवजे की पुनर्गणना करके अनावेदक विजय जैन को भुगतान किया जाए। एकलपीठ के आदेश के विरुद्ध जेडीए ने अपील की है। चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा व जस्टिस विनय सराफ की डिवीजन बेंच ने अनावेदक को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। जेडीए की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता नमन नागरथ ने दलील दी कि ग्राम महाराजपुर तहसील गोरखपुर खसरा नंबर 75 की जमीन का टाइटल विवाद कोर्ट में लंबित है। टाइटल विवाद के निराकरण तक मुआवजा नहीं दिया जा सकता। इसी मामले में शाहरुख जाफरी ने हस्तक्षेप आवेदन प्रस्तुत कर कहा कि उक्त भूमि के मूल मलिक उनके पूर्वज जरूर हसन और हैदर अली थे। उन्होंने 75/5 का विक्रय किसी को भी नहीं किया था।

तेज रफ्तार पर पुलिस का प्रहार...

इंटरसेप्टर की नजर से नहीं बच पाए 141 चालक

▸ दुर्घटना संभावित हाईवे पॉइंट्स पर विशेष अभियान, 1.41 लाख जुर्माना व लाइसेंस निलंबन

हरिभूमि, जबलपुर।

हाईवे पर बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं को थामने के लिए जबलपुर पुलिस ने सख्त रुख अपनाते हुए तेज रफ्तार वाहनों के खिलाफ व्यापक अभियान चलाया है। इंटरसेप्टर व्हीकल की मदद से की गई इस कार्रवाई में 141 वाहन चालकों को ओवरस्पीडिंग करते हुए पकड़ा गया, जिनके खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 112/183 के तहत कार्रवाई करते हुए कुल 1 लाख 41 हजार रुपये का समन शुल्क वसूला गया। साथ ही सभी चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित करने की प्रक्रिया भी शुरू की गई है।

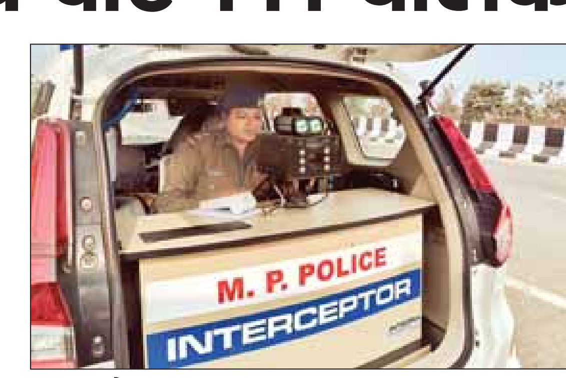

हाईवे और प्रमुख मार्गों को किया चिन्हित

पुलिस कप्तान संपत उपाध्याय के निर्देश पर सड़क सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए यह अभियान चलाया जा रहा है। एएसपी यातायात अंजना तिवारी के निर्देशन में उन हाईवे और प्रमुख मार्गों को चिन्हित किया गया, जहां तेज रफ्तार के कारण सर्वाधिक दुर्घटनाएं सामने आई थीं। इन संवेदनशील स्थानों पर इंटरसेप्टर व्हीकल की तैनाती कर लगातार निगरानी रखी गई।

आधुनिक कैमरों से 24 घंटे निगरानी

विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि इंटरसेप्टर व्हीकल अत्याधुनिक तकनीक से लैस है, जिसमें हाई पावर कैमरे लगे हैं। ये कैमरे दिन हो या रात, बारिश हो या कोहरा हर परिस्थिति में तेज गति से चलने वाले वाहनों की सटीक पहचान करने में सक्षम हैं। इससे न केवल कार्रवाई की पारदर्शिता बढ़ी है, बल्कि नियम तोड़ने वालों में भी खौफ का माहौल बना है।

ओवरस्पीडिंग बना सबसे बड़ा कारण

यातायात पुलिस का कहना है कि ओवरस्पीडिंग सड़क दुर्घटनाओं का सबसे बड़ा कारण है, जिसे नियंत्रित करना बेहद जरूरी है। इस अभियान का उद्देश्य केवल जुर्माना वसूलना नहीं, बल्कि लोगों में जिम्मेदार ड्राइविंग की आदत विकसित करना है।

लगातार जारी रहेगा अभियान

कप्तान ने कहा कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। नियमों की अनदेखी करने वालों के पर सख्ती बरती जाएगी, ताकि सड़क हादसों में कमी लाकर आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

मानवीयता — *लावारिस शवों के संस्कार की जिम्मेदारी उठाकर निभा रहे मानवता का धर्म, तिलवारा घाट पर हुआ अंतिम संस्कार*

जब अपनों ने छोड़ा साथ, 'मोक्ष' बना सहारा, आशीष ने दी अंतिम विदाई

हरिभूमि, जबलपुर।

जिंदगी की भीड़ में छूट गए लोगों को मृत्यु के बाद भी सम्मान नसीब हो यह संकल्प लेकर 'मोक्ष' संस्था के संस्थापक आशीष ठाकुर लगातार मानवता की मिसाल पेश कर रहे हैं। एक बार फिर उन्होंने अपनी टीम के साथ दो लावारिस शवों के अंतिम संस्कार की जिम्मेदारी उठाकर समाज को संवेदनशीलता का संदेश दिया। सोमवार को तिलवारा घाट, नर्मदा तट पर एक अज्ञात 25 वर्षीय युवक का विधि-विधान से अंतिम संस्कार किया गया। यह युवक थाना गढ़ा क्षेत्र अंतर्गत भोपाल बायपास के पास लावारिस और बीमार हालत में मिला था। मानसिक रूप से अस्वस्थ इस युवक को 'मोक्ष' टीम ने सहारा देते हुए आश्रय मेडिकल में भर्ती कराया, जहां एक सप्ताह तक जिंदगी से जूझने के बाद उसने दम तोड़ दिया। परिजनों का कोई सुराग न मिलने पर आशीष ठाकुर ने स्वयं आगे आकर अंतिम संस्कार की पूरी जिम्मेदारी निभाई।

इनकी रही सराहनीय भूमिका

पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद युवक को तिलवारा घाट ले जाया गया, जहां पूरे सम्मान और धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ उसका अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान योगेश कोरी, वीरू बरमन, प्रशांत श्रीवास सहित 'मोक्ष' टीम के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

सबको मिलना चाहिए सम्मान

आशीष ठाकुर का कहना है कि "मृत्यु के बाद हर व्यक्ति को सम्मान मिलना चाहिए, चाहे वह किसी भी परिस्थिति में क्यों न हो।" उनका यह प्रयास उन लोगों के लिए अंतिम सहारा बन रहा है, जिनका इस दुनिया में कोई नहीं बचता।

आज भी होगा एक और संस्कार

संस्था को एक अन्य लगभग 60 वर्षीय अज्ञात पुरुष के शव की सूचना भी मिली है, जिसका अंतिम संस्कार भी टीम द्वारा किया जाएगा। यह घटनाक्रम न केवल 'मोक्ष' की मानवीय पहल को रेखांकित करता है, बल्कि उन व्यवस्थागत खामियों की ओर भी इशारा करता है, जहां बेसहारा लोग जीवन के अंतिम पड़ाव पर उपेक्षा का शिकार हो जाते हैं।

पूर्णवाद ग्रन्थ के चौथे संस्करण का हुआ लोकार्पण

जबलपुर। भारतीय दर्शन और मानवता को नई दिशा देने वाले "पूर्णवाद" ग्रंथ के प्रकाशन के उपलक्ष्य में "पूर्णवाद ग्रंथ प्रकाशन दिवस समारोह 2026" का आयोजन जबलपुर के दत्त मंदिर परिसर में किया गया।पूर्णवाद ग्रन्थ का ये चौथे संस्करण का लोकार्पण था।इस अवसर पर भारतीय चिंतन परंपरा को पुनर्जीवित करने और समाज में सकारात्मक विचारों के प्रसार का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का मुख्य विषय "किया जीवन प्रकाशमान, मानवता को मिल गई एक नई पहचान" रखा गया, जिसके माध्यम से पूर्णवाद दर्शन की महत्ता और उसके जीवनमूल्यों को रेखांकित किया गया। गुणेश वी. पारनेरकर ने बताया कि लंबे समय के अंतराल के बाद पूर्णवाद की विचारधारा पुनः समाज में प्रवाहित हो रही है, जो मानव जीवन को नई दृष्टि और दिशा प्रदान करती है। उल्लेखनीय है कि पूर्णवाद दर्शन के प्रवर्तक डॉ. रामचंद्र प्रल्हाद पारनेरकर द्वारा इस ग्रंथ की रचना की गई थी। इसका प्रथम प्रकाशन वर्ष 1982 में काशी (वाराणसी) में हुआ था। इस महत्वपूर्ण कार्य के पीछे डॉ. विष्णु रामचंद्र पारनेरकर की प्रेरणा रही। अब लगभग 44 वर्षों के बाद इस ग्रंथ का नवीन संस्करण प्रकाशित किया जा रहा है, जो वर्तमान समय में अत्यंत प्रासंगिक माना जा रहा है। समारोह के दौरान ग्रंथ का औपचारिक विमोचन किया गया तथा पूर्णवाद दर्शन पर आधारित प्रेरक व्याख्यान भी आयोजित किए गए। कार्यक्रम में डॉ. एस. पनीरसेल्वम, डॉ. अंबिका दत्त शर्मा, डॉ. विश्वास पाटिल, डॉ. प्रदीप कुमार चतुर्वेदी, डॉ. टी.पी. देशपांडे और आनंद मुठाल सहित विभिन्न क्षेत्रों के विद्वान उपस्थित रहे और अपने विचार साझा किए।

आयोजकों के अनुसार इस आयोजन का उद्देश्य भारतीय दर्शन के मूल तत्वों को जन-जन तक पहुँचाना, मानवता को नई दिशा देना और समाज में सकारात्मक परिवर्तन के लिए प्रेरित करना है।कार्यक्रम के प्रारंभ में अनुष्का सोनी, अंशिका सोनी ने सरोद और मनु कौशल द्वारा तबले पर पर जुगलबंदी की गई। डॉक्टर विपिन ब्यौहार,विशाल सिंह एवं अनुरोध पटेरिया को सम्मानित किया गया।

ओबीसी अधिकारों को लेकर उग्र प्रदर्शन राष्ट्रपति-प्रधानमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

जबलपुर। संयुक्त पिछड़ा वर्ग मोर्चा द्वारा आज सामाजिक क्रांति के महानायक महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती एवं संयुक्त पिछड़ा वर्ग मोर्चा जबलपुर के स्थापना दिवस के अवसर पर जोरदार प्रदर्शन करते हुए महामहिम राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री के नाम पाँच सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा गया। मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने घंटाघर चौक पर बड़ी संख्या में एकत्रित होकर जोरदार नारेबाजी की और सरकार से पिछड़ा वर्ग के अधिकारों को सुनिश्चित करने की मांग की।**मुख्य मांगें (जनहित से जुड़ी बड़ी मांगें)**-"जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी" को नीति में लागू किया जाए, जनगणना में **OBC** के लिए अलग कॉलम जोड़ा जाए, जनसंख्या के अनुपात में शिक्षा, रोजगार व प्रशासन में **OBC** को प्रतिनिधित्व दिया जाए, महिला आरक्षण में **OBC** महिलाओं को आरक्षण के भीतर आरक्षण मिले, **EVM** हटाकर बैलेट पेपर से चुनाव कराए जाएं। मोर्चा ने चेतावनी दी कि यदि इन मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो आगामी समय में आंदोलन और तेज किया जाएगा।**जोरदार प्रदर्शन, सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल-** आज दोपहर 02 बजे घंटाघर चौक पर आयोजित इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। सभी ने एकजुट होकर सरकार के खिलाफ आवाज बुलंद की और सामाजिक न्याय की मांग की।इस प्रदर्शन में संयोजक रामरतन यादव, बैजनाथ कुशवाहा, घनश्याम यादव, देवेश चौधरी, नोखेलाल प्रजा, रामराज सरपंच, एडवोकेट नरेश चक्रवर्ती, परमानंद साहू, नेम सिंह मरकाम, गया प्रसाद कुशवाहा, राजकुमार यादव, संजय प्रजापति, वृंदावन वर्मा, धर्मेंद्र कुशवाहा, जोगिंदर प्रजापति, रज्जन यादव, इंद्र कुमार कुलस्ते, राजेंद्र पिल्ले, राजेंद्र केवट, सलीम मंसूरी, इस्तकार अहमद, मुन्ना, रंजीत सोनी, एकता साहू, दीपांशु साहू, धनराज सिंह पुसाम, उमेश यादव, शारदा यादव, टीकाराम कोस्टा, प्रमोद सेन, मुन्ना सेन, राजेश प्रजापति, सम्यक बौद्ध, सुंदर बाबा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भेड़ाघाट मार्ग पर सड़क निर्माण में पक्षपात के आरोप, विभागीय लापरवाही से लोग परेशान

भेड़ाघाट। भेड़ाघाट चौराहा से धुआंधार जलप्रपात तक बन रही सड़क में पक्षपात और घटिया निर्माण के आरोप सामने आए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले तीन-चार महीनों से सड़क और नाली निर्माण कार्य निम्न गुणवत्ता से किया जा रहा है, जिससे जगह-जगह खुदाई और बड़े गड्ढों के कारण जाम और दुर्घटनाओं की स्थिति बनी हुई है। आरोप है कि लोक निर्माण विभाग के अधिकारी और इंजीनियर इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं, जिससे सड़क निर्माण कार्य भगवान भरोसे चल रहा है। सड़क पर डाले गए बोल्डर के कारण दोपहिया वाहन चालक फिसलकर गिर रहे हैं और आए दिन हादसे हो रहे हैं। इससे विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल भेड़ाघाट की छवि भी प्रभावित हो रही है। स्थानीय नागरिकों के अनुसार, करीब छह वर्ष पहले सड़क का सुधार कार्य हुआ था, लेकिन उसके बाद नियमित मेंटेनेंस नहीं किया गया। वर्तमान में खस्ता हाल सड़क से न केवल पर्यटकों बल्कि आसपास के रहवासियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं सड़क पर उड़ रही धूल से लोगों में श्वास संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। पंचवटी मार्ग और आसपास रहने वाले लोगों का कहना है कि धूल के कारण दुकानों और घरों में रहना मुश्किल हो गया है।

इसके अलावा सरस्वती घाट मोड़ पर खोदे गए गहरे गड्ढे को लेकर भी लोगों में आक्रोश है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह गड्ढा किसी बड़े हादसे को न्योता दे रहा है, लेकिन विभाग अब तक उदासीन बना हुआ है। नागरिकों ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से शीघ्र हस्तक्षेप कर सड़क निर्माण कार्य की गुणवत्ता सुधारने और समस्याओं का समाधान करने की मांग की है।

पंचायती राज के जनक बलवंत राय मेहता को नमन जबलपुर में मनाया गया परिषद् का 68वां स्थापना दिवस

राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक जदौन मुख्य अतिथि, मुख्य राष्ट्रीय महामंत्री शीतला शंकर 'विजय' मिश्र विशिष्ट अतिथि रहे

प्रदेश अध्यक्ष अशोक सिंह सेंगर की अध्यक्षता एवं जिला अध्यक्ष वर्षा शिव पटेल के संयोजन में हुआ भव्य आयोजन, नवनियुक्त पदाधिकारियों को मिले प्रमाण-पत्र

जबलपुर। अखिल भारतीय पंचायत परिषद्, नई दिल्ली का 68वां स्थापना दिवस रविवार को मध्यप्रदेश की संस्कार राजधानी, जबाली ऋषि की तपोभूमि एवं माँ नर्मदा के तट पर स्थित त्रिपुर सुंदरी धाम, जबलपुर में अत्यंत भव्यता एवं गरिमा के साथ आयोजित किया गया। प्रदेश अध्यक्ष अशोक सिंह सेंगर की अध्यक्षता एवं जिला अध्यक्ष वर्षा शिव पटेल के सफल संयोजन में सम्पन्न हुए इस प्रतिष्ठित आयोजन का सौभाग्य मध्यप्रदेश को लगातार दूसरे वर्ष प्राप्त हुआ है। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष यह राष्ट्रीय आयोजन इंदौर में सम्पन्न हुआ था।

कार्यक्रम का शुभारंभ पंचायती राज के जनक स्वर्गीय बलवंत राय मेहता के चित्र पर माल्यार्पण एवं नमन के साथ हुआ। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि बलवंत राय मेहता समिति की अनुशंसाओं के आधार पर ही भारत में त्रि-स्तरीय पंचायती राज प्रणाली की नींव रखी गई। ग्रामीण भारत के सशक्तिकरण और लोकतंत्र की जड़ों को ग्राम स्तर तक मजबूत करने में उनकी दूरदर्शिता एवं नेतृत्व सदैव प्रेरणादायी रहेगा।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण प्रदेश कार्यकारिणी के नवनियुक्त पदाधिकारियों का प्रमाण-पत्र वितरण समारोह रहा। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक जदौन, विशिष्ट अतिथि मुख्य राष्ट्रीय महामंत्री एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी शीतला शंकर 'विजय' मिश्र तथा प्रदेश अध्यक्ष अशोक सिंह सेंगर द्वारा सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर उनके उज्जवल कार्यकाल हेतु शुभकामनाएँ दी गईं।

यह गरिमामय कार्यक्रम तेवर-भेड़ाघाट रोड स्थित वैभव होटल, अंधमुक बाईपास चौराहे के पास सम्पन्न हुआ। प्रदेश अध्यक्ष अशोक सिंह सेंगर के मार्गदर्शन एवं आयोजक जिला अध्यक्ष वर्षा शिव पटेल के नेतृत्व में कार्यक्रम को सफल बनाने में मध्यप्रदेश राज्य पंचायत परिषद् के समस्त पदाधिकारियों, जबलपुर जिला इकाई के पदाधिकारियों तथा सभी ब्लाक अध्यक्षों की सक्रिय एवं सराहनीय भागीदारी रही। कार्यक्रम के समापन पर सभी ने एक स्वर में पंचायती राज के आदर्शों को जन-जन तक पहुँचाने एवं 'जय पंचायती राज, जय ग्राम स्वराज' के संकल्प को और अधिक सशक्त करने का आह्वान किया।

शासकीय महाविद्यालय में नारी शक्ति वंदन सम्मेलन का हुआ लाइव प्रसारण

मझौली। आयुक्त उच्च शिक्षा भोपाल के पत्र क्रमांक 265/49/आउशि/योजना/2026 दिनांक 10 अप्रैल 2026 के परिपालन में 13 अप्रैल 2026 को विज्ञान भवन में आयोजित नारी शक्ति वंदन सम्मेलन में नरेंद्र मोदी के संबोधन का लाइव प्रसारण शासकीय महाविद्यालय मझौली में किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक स्टाफ के साथ छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस अवसर पर महिला नेतृत्व एवं सशक्तिकरण विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया, जिसमें विशिष्ट अतिथि डॉ. पूजा चतुर्वेदी (डायटिशियन) ने छात्राओं को महिला स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी। वहीं क्षेत्रीय उद्यमी श्रीमती राखी सिंह (ब्यूटीशियन) ने स्वरोजगार में सफलता के अनुभव साझा किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य डॉ. भजनलाल परधान ने कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है। शिक्षित महिला न केवल अपने जीवन को बेहतर बनाती है, बल्कि परिवार और समाज के विकास में भी अहम भूमिका निभाती है। कार्यक्रम में डॉ. भरतेश भारिल्ल, डॉ. शालिनी यादव, ललित परस्ते, डॉ. अभिलाषा दुबे, डॉ. रेणुका लारिया राज, डॉ. राजभान साहू, डॉ. समृद्धि परांजपे एवं निलेश कुमार तेली का विशेष योगदान रहा। अंत में सहायक प्राध्यापक सुश्री रागिनी मार्को ने आभार व्यक्त किया।

स्थानीय खेल समाचार

इंजीनियर इलेवन ने ट्रिप शेड एकादश को 23 रन से हराया, रोहित का ऑलराउंड प्रदर्शन

जबलपुर। रेलवे अंतर विभागीय क्रिकेट प्रतियोगिता में इंजीनियर इलेवन ने ट्रिप शेड एकादश को 23 रनों से पराजित कर अगले दौर में प्रवेश किया। मुकाबला रेलवे स्टेडियम में खेला गया, जहां दर्शकों को रोमांचक मैच देखने को मिला।पश्चिम मध्य रेलवे यूनियन के बैनर तले आयोजित इस प्रतियोगिता में पहले बल्लेबाजी करते हुए इंजीनियर इलेवन ने निर्धारित ओवरों में मजबूत स्कोर खड़ा किया। टीम की ओर से रोहित ने शानदार बल्लेबाजी के साथ-साथ प्रभावी गेंदबाजी कर जीत में अहम भूमिका निभाई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी ट्रिप शेड एकादश की टीम ने अच्छी शुरुआत की। अमित और प्रवीण ने संघर्षपूर्ण पारी खेलते हुए टीम को जीत के करीब पहुंचाने का प्रयास किया, लेकिन नियमित अंतराल पर विकेट गिरने से टीम लक्ष्य से 23 रन पीछे रह गई। मैच के दौरान दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने खेल भावना और अनुशासन का उत्कृष्ट परिचय दिया। प्रतियोगिता का यह मुकाबला खिलाड़ियों और दर्शकों के लिए उत्साहवर्धक रहा तथा आगामी मैचों के लिए नई ऊर्जा प्रदान कर गया।

टीम बृजमोहन की खिताबी जीत, अभिलेख को दी शिकस्त

जबलपुर। मानसून बास्केटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में बृजमोहन शर्मा टीम ने अभिलेख पॉल की टीम को 41-33 अंकों से हराकर लगातार दूसरी बार खिताब अपने नाम किया।

जबलपुर बास्केटबॉल अकादमी द्वारा खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सेठीनगर, रामपुर स्थित युवा भवन के इनडोर कोर्ट में आयोजित इस टूर्नामेंट के सूत्रधार अंतरराष्ट्रीय कोच कुलदीप सिंह बरार ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य नवोदित खिलाड़ियों की प्रतिभा को निखारना है। खिलाड़ियों को बराबर अवसर देने के लिए प्रत्येक प्रतिभागी को एक क्वार्टर खेलना अनिवार्य रखा गया। टूर्नामेंट में बृजमोहन शर्मा, लिली चौधरी, अभिलेख पॉल, जूही दयाल और सुप्रीम कौर टीमें शामिल रहीं। लीग कम नॉकआउट पद्धति में बृजमोहन और अभिलेख टीम अजेय रहते हुए फाइनल में पहुंचीं। फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। निर्धारित समय में दोनों टीमें 32-32 की बराबरी पर रहीं, जिसके बाद अतिरिक्त समय में बृजमोहन टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 41-33 से जीत दर्ज की। बृजमोहन टीम के अश्वनी ने 12, वेद ने 11 और सोनाक्षी ने 5 अंक बनाए, जबकि अभिलेख टीम के अवि ने 14, एंजिल ने 6 और केनिशा ने 4 अंक अर्जित किए। समापन समारोह में मुख्य अतिथि श्रीराम तिवारी की उपस्थिति में विजेता एवं उपविजेता टीमों को ट्रॉफी और व्यक्तिगत पुरस्कार प्रदान किए गए।

आयुध निर्माणी खमरिया को दो राष्ट्रीय पुरस्कार नवाचार व आधुनिकीकरण में उत्कृष्ट प्रदर्शन

हरिभूमि, जबलपुर। आयुध निर्माणी खमरिया ने एक बार फिर उत्कृष्ट कार्यक्षमता का परिचय देते हुए दो राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित पुरस्कार हासिल किए हैं। ये सम्मान म्यूनिशन्स इंडिया लिमिटेड, पुणे द्वारा आयोजित एपेक्स लेवल ट्रेनिंग प्रोग्राम एवं बिजनेस मीट 2025-26 के दौरान प्रेसीडेंशियल मीट में मसूरी में प्रदान किए गए।

निर्माणी को इनोवेशन एंड प्रोडक्ट डेवलपमेंट अवार्ड (अनुसंधान एवं विकास में उत्कृष्ट योगदान) तथा मॉडर्नाइजेशन एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट अवार्ड (आधुनिकीकरण एवं अवसंरचना विकास) से सम्मानित किया गया। यह उपलब्धि संस्थान के अधिकारियों और कर्मचारियों के नवाचार, तकनीकी दक्षता, टीमवर्क और आधुनिक तकनीकों के प्रभावी क्रियान्वयन का परिणाम है। इस अवसर पर संजय हजारी ने सम्मान प्रदान करते हुए निर्माणी की गुणवत्ता के प्रति प्रतिबद्धता और उत्पादन क्षमता में सुधार के प्रयासों की सराहना की। वहीं मुख्य महाप्रबंधक शैलेश वगेरवाल ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देते हुए इसे सामूहिक प्रयास और उत्कृष्ट कार्य संस्कृति का परिणाम बताया। यह उपलब्धि आयुध निर्माणी खमरिया की नवाचार क्षमता, सुदृढ़ अवसंरचना, अनुसंधान एवं विकास तथा आधुनिकीकरण के क्षेत्र में निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन को दर्शाती है।

मप्र पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता का समापन, जबलपुर रहा अव्वल

जबलपुर। शहर में आयोजित राज्य स्तरीय पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता का तीन दिवसीय आयोजन उत्साह और ऊर्जा के साथ संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में प्रदेशभर से करीब 300 खिलाड़ियों ने भाग लेकर अपनी ताकत और तकनीक का प्रदर्शन किया। क्रीड़ा भारती के संरक्षक डॉ. अनुराग सोनी ने बताया कि प्रतियोगिता में जबलपुर, इंदौर, ग्वालियर, भोपाल, रीवा और सतना सहित विभिन्न जिलों के खिलाड़ी शामिल हुए। सब-जूनियर टीम वर्ग में जबलपुर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान हासिल किया। इंदौर दूसरे और ग्वालियर तीसरे स्थान पर रहे। वहीं जूनियर टीम चैंपियनशिप में उज्जैन की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि रीवा दूसरे और इंदौर तीसरे स्थान पर रहा। व्यक्तिगत स्पर्धाओं में इंदौर के कार्तिक जैन पुरुष वर्ग के बेस्ट लिफ्टर बने। ग्वालियर के जतिन सिंह दूसरे और जबलपुर के करण पटेल तीसरे स्थान पर रहे। जूनियर वर्ग में उज्जैन के ग्रीस नारायण ने पहला स्थान हासिल किया, जबकि अभिषेक शर्मा दूसरे और भोपाल के आदित्य राज वर्मा तीसरे स्थान पर रहे। समापन अवसर पर आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में विभिन्न अतिथियों ने विजेताओं को सम्मानित किया। अतिथियों ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करने के साथ अनुशासन, आत्मविश्वास और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देती हैं। पूरे आयोजन के दौरान खिलाड़ियों और दर्शकों में खासा उत्साह देखने को मिला और प्रतियोगिता सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

जबलपुर के सौरभ सिंह राजपूत को हाकी इंडिया के दो प्रतिष्ठित अवार्ड

जबलपुर। हॉकी इंडिया द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित हॉकी इंडिया प्रेसिडेंट अवार्ड्स समारोह में जबलपुर के सौरभ सिंह राजपूत को बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। उन्हें बेस्ट अंपायर और बेस्ट अंपायर मैनेजर के सम्मान से नवाजा गया।यह सम्मान उनकी उत्कृष्ट कार्यशैली, निष्पक्ष निर्णय क्षमता और खेल के प्रति समर्पण को देखते हुए प्रदान किया गया। सौरभ, पूर्व जिला खेल अधिकारी संतोष राजपूत के सुपुत्र हैं और उन्होंने अपने करियर में कई महत्वपूर्ण मुकाबलों में अंपायरिंग करते हुए उच्च स्तर की पेशेवरता का परिचय दिया है। इस उपलब्धि से न केवल उनका व्यक्तिगत गौरव बढ़ा है, बल्कि जबलपुर सहित पूरे क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल है। खेल जगत के अनेक गणमान्य लोगों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है। यह सम्मान नई पीढ़ी के अंपायरों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगा। समारोह में मनसुख मांडविया, दिलीप तिर्की (अध्यक्ष, हॉकी इंडिया) एवं भोलानाथ सिंह ने सौरभ को सम्मानित किया।

निधन

श्री अमित कुमार यादव- कंचनपुर भट्टा मोहल्ला अधारताल निवासी श्री सत्य नारायण यादव के पुत्र श्री अमित कुमार यादव (32) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री महेश रैकवार- भोला नगर राधाकृष्णन वार्ड निवासी श्री महेश रैकवार (56) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्री नारायण प्रसाद उपाध्याय- ग्राम कचनारी मोहरई हटा दमोह निवासी श्री नारायण प्रसाद उपाध्याय (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती शशिकला राजपूत- लालमाटी कछियाना द्वारका नगर निवासी श्री गुलाब सिंह राजपूत की धर्मपत्नी श्रीमती शशिकला राजपूत (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्री लखन लाल- एमईएस कॉलोनी करोंदी सीओडी मोड़ निवासी श्री लखन लाल (71) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती मूंगा बाई- शंकरशाह नगर रामपुर निवासी श्री फुंटू राम की धर्मपत्नी श्रीमती मूंगा बाई (78) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री महेंद्र जायसवाल- कछपुरा मणेश मंडपम के पीछे निवासी श्री महेंद्र जायसवाल का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती चेतना कुरील- धनवंतरी नगर निवासी श्री शारदा प्रसाद कुरील की धर्मपत्नी श्रीमती चेतना कुरील (56) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती सुंदर बाई सोनी- शुक्ला नगर गढ़ा निवासी श्री मनीराम सोनी की धर्मपत्नी श्रीमती सुंदर बाई सोनी का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री अयोध्या प्रसाद झारिया- ग्राम जमुनिया बरेला निवासी श्री अयोध्या प्रसाद झारिया (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती सुशीला श्रीवास्तव- दादा ठनठनपाल आश्रम सोनपुर खमरिया निवासी श्री कृपा शंकर श्रीवास्तव की धर्मपत्नी श्रीमती सुशीला श्रीवास्तव (98) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि
निजी/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अब साइज 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.
सिंगल साइज:- १x५ से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
सिंगल साइज:- १x५ से.मी. रंगीन 400/-
सिंगल साइज १x१० से.मी. रंगीन 1100/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:- 9303308294, 9407362160

खबर संक्षेप

एनएसई को मिली कोयला एक्सचेंज के लिए मंजूरी

नई दिल्ली। एनएसई को प्रस्तावित कोयला एक्सचेंज के लिए 'नेशनल कोल एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड' नाम आरक्षित करने की कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय (एमसीए) से मंजूरी मिल गई है। यह कदम फरवरी में एनएसई के निदेशक मंडल द्वारा इस पहल के लिए पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी स्थापित करने की मंजूरी के बाद उठाया गया है।

भारत-ब्रिटेन में एफटीए मई के दूसरे सप्ताह में होगा लागू

नई दिल्ली। भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) मई के दूसरे सप्ताह से लागू होने की उम्मीद है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। भारत और ब्रिटेन ने 24 जुलाई, 2025 को वृहद आर्थिक और व्यापार करार (सीईटीए) पर हस्ताक्षर किए थे, जिसके तहत 99 प्रतिशत भारतीय निर्यात शून्य शुल्क पर ब्रिटेन के बाजार में जाएगा।

सिटियस ट्रांसनेट ट्रस्ट का आईपीओ 17 को खुलेगा

CITIUS TransNet Predict. Deliver. Sustain

नई दिल्ली। सिटियस ट्रांसनेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट ने अपने 1,105 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 99 से 100 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। ट्रस्ट ने सोमवार को बयान में कहा कि यह निर्गम 17 अप्रैल को खुलेगा और 21 अप्रैल को बंद होगा।

स्विच मोबिलिटी ने 100 ई-बसें मॉरीशस को दी

Switch
Switch Mobility Private Limited

नई दिल्ली। हिंदुजा समूह की इलेक्ट्रिक वाणिज्यिक वाहन बनाने वाली कंपनी स्विच मोबिलिटी ने मॉरीशस सरकार को 100 इलेक्ट्रिक बस की डिलिवरी पूरी कर ली है। कंपनी ने सोमवार को यह जानकारी दी। कंपनी ने बयान में कहा कि यह आपूर्ति दोनों देशों की सरकारों के बीच हुए समझौते के तहत की गई है।

शेल ने भारत को एलएनजी की आपूर्ति पहले से बढ़ाई

नई दिल्ली। वैश्विक ऊर्जा दिग्गज शेल पीएलसी ने पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण उत्पन्न आपूर्ति बाधाओं के बीच भारत को प्राकृतिक गैस की आपूर्ति तेज कर दी है। कंपनी ने अपने वैश्विक पोर्टफोलियो का लाभ उठाते हुए उर्वरक क्षेत्र के प्रमुख ठेकों सहित हाजिर और वायदा मांग में बड़ी हिस्सेदारी हासिल की है।

शेरोन मिंत्रा की प्रमुख नियुक्त नंदिता सिन्हा ने पद छोड़ा

नई दिल्ली। फ्लिपकार्ट ग्रुप ने सोमवार को शेरोन पेस को तुरंत प्रभाव से मिंत्रा का प्रमुख नियुक्त करने की घोषणा की। वह नंदिता सिन्हा की जगह लेंगी, जिन्होंने कंपनी छोड़ने का फैसला किया है। एक बयान में कहा गया है कि पेस ने पिछले कई साल में मिंत्रा और फ्लिपकार्ट की फैशन टीमों के साथ मिलकर काम किया है और उन्हें व्यवसाय की अच्छी समझ है। साथ ही, वह फ्लिपकार्ट ग्रुप के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) कल्याण कृष्णमूर्ति को रिपोर्ट करेंगी। बयान में कहा गया, फ्लिपकार्ट ग्रुप ने आज मिंत्रा में नेतृत्व में बदलाव की घोषणा की। शेरोन पेस मिंत्रा की प्रमुख होंगी और कल्याण कृष्णमूर्ति को रिपोर्ट करेंगी, यह तुरंत प्रभाव से लागू होगा।

कैफे-तीन मानदंड अप्रैल 2027 से होगा लागू, नहीं बढ़ेगी तिथि

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

- वाहन विनिर्माताओं को कड़े मानदंड का पालन करना होगा

भारी उद्योग मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव हनीफ कुरैशी ने सोमवार को कहा कि अगले वर्ष एक अप्रैल से वाहन विनिर्माताओं को ईंधन दक्षता के कड़े मानदंडों का पालन करना होगा। इसका कारण कॉरपोरेट औसत ईंधन दक्षता (कैफे तीन) मानकों के कार्यान्वयन की समय सीमा बढ़ाये जाने की संभावना नहीं है। कुरैशी ने कहा कि एक अप्रैल, 2027 के बाद कार्यान्वयन की समय सीमा बढ़ाने की आवश्यकता संभवतः नहीं होगी।

उद्योग मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव कुरैशी ने कहा

आम सहमति बनाने का होगा प्रयास

इस बैठक में बिजली, भारी उद्योग और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग सहित विभिन्न मंत्रालयों के सचिवों के शामिल होने की संभावना है। इस बैठक का मकसद कॉरपोरेट औसत ईंधन दक्षता नियमों को लागू करने से पहले आम सहमति प्राप्त करना है। उन्होंने बताया कि अन्य नियमों के अलावा, कैफे-तीन के मसौदा मानदंडों में अधिक लचीली अनुपालन रूपरेखा का प्रस्ताव किया गया है।

टाटा, महिंद्रा, हुंडई व किआ ने किया विरोध

मारुति सुजुकी और टोयोटा किर्लोस्कर जैसी कंपनियां छोटी कारों को छूट देने की वकालत कर रही हैं, वहीं टाटा मोटर्स, महिंद्रा, हुंडई और किआ जैसी कंपनियां इसका विरोध कर रही हैं। सरकार ने कैफे तीन के मसौदा मानदंडों पर विचार-विमर्श करने के लिए 16 अप्रैल को एक उच्च स्तरीय बैठक बुलाई है।

क्रेडिट खरीदकर कमी की भरपाई कर सकते हैं

सूत्रों ने बताया कि मसौदा मानदंडों में यह भी प्रस्ताव है कि मूल उपकरण निर्माता ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) से 'क्रेडिट' खरीदकर किसी भी प्रकार की कमी की भरपाई कर सकते हैं।

वाहन विनिर्माताओं के बीच मतभेद बने हुए

सरकार कैफे तीन मानदंडों पर वाहन उद्योग से जुड़े पक्षों के संपर्क में है और नियमित रूप से उनकी प्रतिक्रिया प्राप्त कर उन्हें पूरी जानकारी दे रही है। कैफे तीन मानदंड एक अप्रैल, 2027 से 31 मार्च, 2032 तक लागू किये जाने का प्रस्ताव है। नियमों को लेकर वाहन विनिर्माताओं के बीच मतभेद बने हुए हैं।

छोटे कार विनिर्माता कर रहे समर्थन

छोटे कार विनिर्माता वजन और किफायत के आधार पर कॉरपोरेट औसत ईंधन दक्षता मानदंडों में छूट की मांग कर रहे हैं, जबकि बड़े मूल उपकरण विनिर्माता अलग-अलग व्यवहार का विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि इससे सुरक्षा सुविधाओं से समझौता होगा।

भूचाल से सेंसेक्स खुलते ही 1600 अंक तक लुढ़का

अमेरिका-ईरान वार्ता विफल होने से सेंसेक्स 703 अंक टूटा, निफ्टी भी नुकसान में बंद

एजेंसी ▸▸ मुंबई

संघर्ष जारी रहने की चिंता में कच्चे तेल के दाम बढ़े

पिछले सप्ताह बाजार को युद्धविराम से सीमित समर्थन मिल

कच्चा तेल बढ़कर 102.6 डॉलर प्रति बैरल हो गया

स्थानीय शेयर बाजारों में सोमवार को गिरावट आई और बीएसई सेंसेक्स 703 अंक लुढ़क गया जबकि एनएसई निफ्टी 208 अंक के नुकसान में रहा। अमेरिका और ईरान के बीच समझौते के लिए बातचीत विफल होने के साथ संघर्ष लंबे समय तक जारी रहने की चिंता में कच्चे तेल के दाम में तेजी के बीच बाजार में गिरावट आई।

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 702.68 अंक यानी 0.91 प्रतिशत टूटकर 76,847.57 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 1,681.93 अंक लुढ़क कर 75,868.32 अंक पर आ गया था। एनएसई निफ्टी भी 207.95 अंक यानी 0.86 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,842.65 अंक पर बंद हुआ।

गिरावट पर खरीदारी देखने मिल रही

जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, बाजारों को पिछले सप्ताह के युद्धविराम समझौते से सीमित समर्थन मिल रहा है। चुनिंदा लिवाली के साथ-साथ गिरावट पर खरीदारी देखने को मिल रही है। अमेरिका-ईरान वार्ता के विफल होने के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य में अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी की घोषणा पर शुरुआती नकारात्मक प्रतिक्रिया के बावजूद यह देखने को मिल रहा है।

वार्ता विफल होने से कच्चे तेल में उछाल

हालांकि, वार्ता विफल होने से कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गयी है।" नायर ने कहा कि कच्चे तेल की ऊंची कीमतें मुद्रास्फीति, मुद्रा स्थिरता और वृहद आर्थिक संतुलन को लेकर चिंताएं बढ़ा रही हैं, जिससे कुल मिलाकर बाजार धारणा पर दबाव पड़ रहा है।

वैश्विक तनाव बढ़ने से बाजार लुढ़के

रेलिगेयर ब्रोकिंग लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजित मिश्रा ने कहा, ''अमेरिका-ईरान वार्ता विफल होने के बाद बढ़ते वैश्विक तनाव के कारण शेयर बाजार में गिरावट देखी गई। इससे कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आया और वैश्विक बाजार पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा।''

एनटीपीसी व एक्सिस बैंक रहे लाभ में

सेंसेक्स की कंपनियों में मारुति, इंटरग्लोब एविएशन, बजाज फाइनेंस, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और एचडीएफसी बैंक प्रमुख रूप से नुकसान में रहीं। दूसरी तरफ, लाभ में रहने वाली शेयरों में आईसीआईसीआई बैंक, एनटीपीसी और एक्सिस बैंक शामिल हैं।

युद्धविराम का भविष्य हुआ अनिश्चित

अमेरिका और ईरान के बीच पाकिस्तान में हुई ऐतिहासिक 21 घंटे की वार्ता का कोई नतीजा नहीं निकला। इससे दो सप्ताह के युद्धविराम का भविष्य अनिश्चित हो गया है। इसके साथ वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 7.73 प्रतिशत बढ़कर 102.6 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

एशिया के बाजार में रही गिरावट

एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की 225 और हांगकांग का हैंग सेंग गिरावट के साथ बंद हुए, जबकि चीन का शंघाई एसएसई कम्पोजिट मामूली बढ़त में रहा। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में गिरावट का रुख था। अमेरिकी बाजार शुक्रवार को मिले-जुले रुख के साथ बंद हुए थे।

सूचीबद्ध 2573 शेयर रहे नुकसान में

बीएसई में सूचीबद्ध शेयरों में से 2,573 में गिरावट आई जबकि 1,790 लाभ में रहे। वहीं 201 के भाव अपरिवर्तित रहे।शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 672.09 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। सेंसेक्स शुक्रवार को 918.60 अंक बढ़कर 77,550.25 अंक पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 275.50 अंक चढ़कर 24,050.60 अंक पर रहा था।

वाहन कलपुर्जा उद्योग में नहीं एलपीजी की कोई कमी

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

वाहन कलपुर्जा उद्योग में एलपीजी की कोई गंभीर कमी सामने नहीं आई है और पर्याप्त आपूर्ति बनाए रखने के लिए उद्योग संगठनों के साथ लगातार संपर्क किया जा रहा है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

भारी उद्योग मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव हनीफ कुरैशी ने पश्चिम एशिया के हालिया घटनाक्रम पर आयोजित अंतर-मंत्रालयी बैठक में कहा कि आपूर्ति श्रृंखला से जुड़े मुद्दों को लेकर मंत्रालय वाहन उद्योग के संपर्क में है और हालात से निपटने के लिए जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं।

सरकार लगातार उद्योग संगठनों के साथ संपर्क में

कुरैशी ने कहा कि सरकार भारतीय वाहन कलपुर्जा विनिर्माता संघ (एसीएमए) और अन्य उद्योग संगठनों के साथ मिलकर यह सुनिश्चित कर रही है कि गैस की पर्याप्त आपूर्ति बनी रहे और किसी तरह की बाधा न आए। कुरैशी ने कहा, ''वाहन कलपुर्जा निर्माण में एलपीजी का उपयोग होता है और इसको लेकर हम उद्योग संगठनों के संपर्क में हैं। अभी तक किसी गंभीर कमी की सूचना नहीं है।'

मार्च में 15 से 16 फीसदी की हुई वृद्धि

अतिरिक्त सचिव ने बताया कि मार्च महीने में वाहन उत्पादन में करीब 15 से 16 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। सरकार ने उद्योग को जहां संभव हो, वहां स्वच्छ ईंधन जैसे पाइप से मुहैया कराई जाने वाली प्राकृतिक गैस (पीएनजी) और इलेक्ट्रिक भट्टियों के उपयोग की सलाह भी दी है।

खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ने से मार्च में बढ़ी खुदरा महंगाई

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

- खुदरा मुद्रास्फीति मामूली बढ़कर 3 .4 प्रतिशत हो गई
- पश्चिम एशिया में जारी संकट से बढ़े खाद्य पदार्थों की कीमतें

खुदरा मुद्रास्फीति मार्च में मामूली बढ़कर 3.4 प्रतिशत हो गई। फरवरी में यह 3.21 प्रतिशत के स्तर पर थी। पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच कुछ खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि इसकी मुख्य वजह रही। सरकार की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली।

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि की दर मार्च में 3.87 प्रतिशत रही जो पिछले महीने के 3.47 प्रतिशत से अधिक है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़े नई श्रृंखला यानी 2024 को आधार वर्ष मानकर जारी किए हैं। खुदरा महंगाई हालांकि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के चार प्रतिशत के औसत लक्ष्य से नीचे बनी हुई है।

एनएसओ के आंकड़ों के अनुसार, सोने-चांदी के आभूषण, नारियल, टमाटर और फूलगोभी की कीमतों में मार्च महीने में भारी बढ़ोतरी हुई। वहीं प्याज, आलू, लहसुन, अरहर दाल और चने की कीमतों की महंगाई दर घटी। ''बिजली, गैस और अन्य ईंधन'' श्रेणी में खुदरा मुद्रास्फीति मार्च में 1.65 प्रतिशत रही जबकि पिछले फरवरी में यह 1.52 प्रतिशत थी।

केंद्रीय बैंक ने रेपो दर को स्थिर रखा

मिंडा ने कहा कि केंद्रीय बैंक ने रेपो दर को स्थिर बनाए रखकर आर्थिक गतिविधियों को भी समर्थन दिया है। रेटिंग एजेंसी इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि मार्च में सीपीआई आधारित मुद्रास्फीति फरवरी की तुलना में थोड़ी बढ़कर 3.4 प्रतिशत हो गई जो पश्चिम एशियाई संकट के शुरुआती हल्के प्रभाव का संकेत देती है।

ओला की नई स्कूटर पेश, कीमत 1,30,000 रुपए...

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक दोपहिया विनिर्माता ओला इलेक्ट्रिक ने सोमवार को 5.2 किलोवाट-घंटा बैटरी वाले नए मॉडल 'एस1 एक्स प्लस' को 1,29,999 रुपये की शुरुआती कीमत पर पेश किया। कंपनी ने एक बयान में कहा कि नए मॉडल में कंपनी की स्वदेशी रूप से विकसित '4680 भारत सेल' का इस्तेमाल किया गया है। स्कूटर में 11 किलोवाट की मिड-ड्राइव मोटर और इंटिग्रेटेड मोटर कंट्रोल यूनिट भी दी गई है। बयान, यह स्कूटर एक बार रिचार्ज होने पर 320 किलोमीटर तक की दूरी तय कर सकता है। इसकी अधिकतम रफ्तार 125 किलोमीटर प्रति घंटे रखी गई है। यह मॉडल ओला इलेक्ट्रिक के जेन-3 एस1 पोर्टफोलियो का हिस्सा है। कंपनी पहले से रोडस्टर श्रृंखला की इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिलें भी पेश कर रही है।

चांदी 1,800 रुपए टूटी और सोना 300 रुपए कमजोर

- चांदी घटकर 2 .45 लाख रुपए प्रति किलो रह गई
- सोना भी टूटकर 1.55

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

कमजोर वैश्विक संकेतों के बीच सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में चांदी की कीमतें 1,800 रुपये घटकर 2.45 लाख रुपये प्रति किलोग्राम रह गईं, जबकि सोना घटकर 1.55 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। अखिल भारतीय सराफा संघ के अनुसार, चांदी शुक्रवार के 2,47,000 रुपये प्रति किलोग्राम के बंद स्तर से 1,800 रुपये या लगभग एक प्रतिशत घटकर 2,45,200 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) रह गई। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना भी 300 रुपये घटकर 1,55,000 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) रह गया। पिछले बाजार सत्र में सोने की कीमत 1,55,300 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज में वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा, ''सप्ताहांत में अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम पर बातचीत बेनतीजा रहने के बाद सोमवार को बहुमूल्य धातु के दाम नीचे खुले।

पिरोजशा होंगे गोदरेज इंडस्ट्रीज ग्रुप के चेयरपर्सन, अगस्त में संभालेंगे पद

- ग्रुप ने नेतृत्व परिवर्तन की घोषणा की

एजेंसी ▸▸ मुंबई

गोदरेज इंडस्ट्रीज ग्रुप ने सोमवार को नेतृत्व परिवर्तन की घोषणा की। इसके तहत पिरोजशा गोदरेज इस वर्ष अगस्त में नादिर गोदरेज से समूह के चेयरमैन का पदभार ग्रहण करेंगे। कंपनी ने एक बयान में कहा कि नादिर गोदरेज नियोजित पीढ़ीगत उत्तराधिकार के तहत मानद अध्यक्ष का पदभार ग्रहण करेंगे। समूह में नेतृत्व स्तर पर अन्य बदलाव भी किये गये हैं। पिरोजशा ने कहा, ''यह क्षण जिम्मेदारी और सौभाग्य दोनों का है। हमें पीढ़ियों से चली आ रही एक उल्लेखनीय विरासत मिली है और अब हमारा कार्य उन मूल्यों के प्रति निष्ठावान रहते हुए महत्वाकांक्षा के साथ इसे आगे बढ़ाना है जो हमें परिभाषित करते हैं। बयान में कहा गया है कि नादिर अगस्त, 2026 में 75 वर्ष के होने के बाद सेवानिवृत्त होंगे।

गोदरेज एग्रोवेट के निर्माण पर होगा ध्यान : बुर्जिस

बुर्जिस ने एस्टेक लाइफसाइंसेज के प्रबंध निदेशक पद से तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे दिया है और वह इसके निदेशक मंडल में गैर-कार्यकारी निदेशक के रूप में अपनी सेवाएं देते रहेंगे। बुर्जिस ने कहा, ''हमारा ध्यान एक मजबूत गोदरेज एग्रोवेट के निर्माण पर होगा, जो सतत विकास को गति प्रदान करते हुए हमारे सभी व्यवसायों में क्रियान्वयन को और बेहतर बनाएगा।''

मार्च में खाद्य तेल आयात 12 प्रतिशत बढ़ा : एसईए

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

- सालाना आधार पर 11.73 टन हो गया
- कच्चे पामतेल के आयात में आई वृद्धि

कच्चे पाम तेल के ज़्यादा खेप की वजह से मार्च में भारत का खाद्य तेल का आयात सालाना आधार पर 12 प्रतिशत बढ़कर 11.73 लाख टन हो गया।उद्योग निकाय एसईए ने यह जानकारी दी है।

एसईए के अनुसार, आने वाले महीनों में वैश्विक कीमतों में तेज़ी और पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच ज़्यादा माल ढुलाई की लागत की वजह से आयात कम हो सकता है। सोमवार को जारी एक बयान में, सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया (एसईए) ने कहा कि खाद्य तेलों का आयात मार्च में बढ़कर 11,73,168 टन हो गया, जो एक साल पहले इसी समय में 10,45,281 टन था।एसईए आंकड़ों के अनुसार, पिछले महीने कच्चे पामतेल का आयात बढ़कर 6,73,965 टन हो गया, जो मार्च, 2025 में 3,43,949 टन था।

अखाद्य तेल का आयात 27,742 टन से घटकर 13,401 टन रह गया। वनस्पति तेल (खाद्य और अखाद्य दोनों मिलाकर) का आयात पिछले महीने 11 प्रतिशत बढ़कर 11,86,569 टन हो गया, जो मार्च, 2025 में 10,73,023 टन था। भारत पामतेल इंडोनेशिया और मलेशिया से आयात करता है, जबकि सोयाबीन तेल अर्जेंटीना और ब्राज़ील से आता है। देश अपनी आधी से ज़्यादा घरेलू मांग आयात से पूरी करता है। विपणन वर्ष 2025-26 के पहले पांच महीनों के दौरान, कुल वनस्पति तेल का आयात आठ प्रतिशत बढ़कर 65,72,131 टन हो गया, जो पिछले साल इसी समय में 60,96,923 टन था। खाद्य तेल का विपणन साल नवंबर से अक्टूबर तक चलता है। आगे चलकर, जब तक वैश्विक कीमतें कम नहीं होतीं या मुद्रा की हालत में सुधार नहीं होता, तब तक अल्पावधि में आयात कम रहने की संभावना है।

जोखिम को कम करने विविधीकरण पर ध्यान

एसोसिएशन ने कहा कि लंबे समय में, भारत भू-राजनीतिक जोखिम को कम करने के लिए घरेलू तिलहन उत्पादन और स्रोतों के विवधीकरण पर ज़्यादा ध्यान केन्द्रित करने के साथ आयात को संतुलित करना जारी रख सकता है। एसईए ने बताया कि मार्च, 2026 में खाद्य तेल का आयात पिछले महीने के 12.92 लाख टन से 10 प्रतिशत घटकर 11.73 लाख टन रह गया।

डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन ने व्याख्यानमाला में कहा

बिना सुरक्षा उपाय एआई कमजोरियों को बढ़ाएगा

एजेंसी ▸▸ मुंबई

- वित्तीय क्षेत्र की मौजूदा कमजोरियां बढ़ सकती है

भारतीय रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन जे ने कहा है कि सुरक्षा उपायों के बिना कृत्रिम मेधा (एआई) को अपनाने से वित्तीय क्षेत्र में मौजूदा कमजोरियां बढ़ सकती हैं और नई समस्याएं पैदा हो सकती हैं। तंजावुर स्थित एसएसएसटीआरए विश्वविद्यालय में वी नारायणन स्मृति व्याख्यानमाला में उन्होंने कहा कि कृत्रिम मेधा वित्तीय संस्थानों के ग्राहकों को सेवा देने, दस्तावेजों को प्रसंस्कृत करने, कर्ज का आकलन करने, जोखिमों की निगरानी करने और निरीक्षण को मजबूत करने के तरीकों को नया रूप दे रही है।

पांच प्रमुख चिंताओं को किया उजागर

स्वामीनाथन ने कहा, ''इसलिए, वित्त में एआई के बारे में बातचीत संतुलित होनी चाहिए। हमें न तो प्रौद्योगिकी प्रचार के बहकावे में आना चाहिए और न ही रक्षात्मक रुख अपनाना चाहिए। डिप्टी गवर्नर ने इस संबंध में पांच प्रमुख चिंताओं को उजागर किया, जिनमें 'पूर्वाग्रह और अनुचित परिणाम', 'अस्पष्टता', 'डेटा गोपनीयता और दुरुपयोग', 'मॉडल जोखिम' और 'साइबर जोखिम' शामिल हैं।

उधारकर्ताओं की पहचान करने में मिलेगी मदद :

स्वामीनाथन ने कहा, ''इससे उन संभावित उधारकर्ताओं की पहचान करने में मदद मिल सकती है जो ऐसा नहीं होने पर वंचित रह सकते हैं।

एआई से ग्राहक संपर्क सरल होगा

पूर्व डिप्टी गवर्नर ने कहा कि एआई-सक्षम प्रणालियां ग्राहक संपर्क को सरल, अधिक सहज और प्रतिक्रियाशील बना सकती हैं। यह ऋण वितरण में सुधार करने में भी मदद कर सकती है। स्वामीनाथन ने कहा, ''जिम्मेदारी से उपयोग किए जाने पर एआई लेनदेन व्यवहार, भुगतान प्रवाह और व्यावसायिक गतिविधियों में व्यापक प्रतिरूप से अंतर्दृष्टि प्राप्त करके पारंपरिक तरीकों का पूरक हो सकता है।''

हर शक्तिशाली प्रौद्योगिकी दोधारी तलवार होती है

पूर्व गवर्नर ने कहा, ''इसलिए, इसकी क्षमता वास्तविक है। लेकिन, जैसा कि इतिहास ने सिद्ध किया है, हर शक्तिशाली प्रौद्योगिकी दोधारी तलवार होती है।' स्वामीनाथन ने कहा कि यदि एआई को पर्याप्त सुरक्षा उपायों के बिना अपनाया जाता है, तो यह मौजूदा कमजोरियों को बढ़ा सकता है और पूरी तरह से नई प्रकार की समस्यांए पैदा कर सकता है।

एआई से वित अधिक बुद्धिमान हो जाएगा

स्वामीनाथन ने शनिवार को दिए अपने व्याख्यान में कहा, ''इस बदलाव की गति उल्लेखनीय है। हमारे सामने असली सवाल यह नहीं है कि एआई के उपयोग से वित्त अधिक बुद्धिमान हो जाएगा, बल्कि यह है कि क्या यह निष्पक्ष, जवाबदेह, समावेशी और मानवीय बना रहेगा।''

चिंतन

कम पानी वाली फसलों को दी जाए प्राथमिकता

मौसम के बदलते मिजाज ने एक बार फिर दकृषि व्यवस्था के सामने कठिन सवाल खड़े कर दिए हैं। निजी एजेंसी स्काईमैट वेदर के बाद अब सरकारी संस्था भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने भी इस साल मानसून के सामान्य से कम रहने की आशंका जताई है। स्काईमैट जहां 6% और आईएमडी 8% तक कम बारिश का अनुमान दिया है। यह केवल आंकड़ों का खेल नहीं है, इसके पीछे छिपी है ग्रामीण भारत की आजीविका, खाद्य सुरक्षा और महंगाई की संभावित मार। तीन साल बाद पहली बार ऐसी स्थिति बन रही है जब बारिश औसत से कम रह सकती है। इसका सीधा असर हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र जैसे कृषि प्रधान राज्यों पर पड़ेगा जहां खेती केवल व्यवसाय नहीं, बल्कि जीवन का आधार है। पिछले वर्ष 2025 में देश ने सामान्य से अधिक वर्षा देखी, लेकिन वह भी राहत नहीं दे सकी। कई क्षेत्रों में अत्यधिक बारिश ने फसलों को बर्बाद कर दिया, खेतों में जलभराव से फसलें गल गईं। अगली फसल के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा। किसानों को भारी नुकसान झेलना पड़ा। यानी समस्या केवल 'कम' या 'ज्यादा' बारिश की नहीं, बल्कि 'असंतुलित' बारिश की है। कुल मिलाकर आने वाला समय खाड़ी युद्ध के बीच आर्थिक और सामाजिक तौर पर चुनौती पेश करने वाला होगा। इस बार कम बारिश के हालात देखते हुए सरकार को पहले से ही तैयार रहना होगा और किसानों को कम पानी वाली उन्नत फसलों को बढ़ावा देने के लिए जागरूक करना होगा। इसके लिए अभी से प्रयास करने होंगे, ताकि समय रहते किसानों को प्रेरित और जागरूक किया जा सके। सरकार फसलों के विविधिकरण के लिए भी अनुदान बढ़ाए और किसानों को उन्नत बीज सस्ते दामों पर उपलब्ध करवाकर राहत प्रदान करे। यही वह समय है जब कृषि नीति में निर्णायक बदलाव की जरूरत है। कम पानी में बेहतर उत्पादन देने वाली फसलों जैसे बाजरा, ज्वार, दालें और तिलहन को प्राथमिकता देनी होगी। किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए सीधे आर्थिक प्रोत्साहन जैसे अधिक अनुदान, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी और उन्नत बीजों की सुलभ उपलब्धता देनी होगी। जब तक किसान को यह भरोसा नहीं होगा कि कम पानी वाली फसलें भी उसे समान या बेहतर आय देंगी, तब तक बदलाव संभव नहीं। हरियाणा और पंजाब जैसे राज्यों में धान के स्थान पर वैकल्पिक फसलों को बढ़ावा देना अब विकल्प नहीं, अनिवार्यता बन चुका है। यह बदलाव जितनी जल्दी होगा, उतना ही देश के जल संसाधनों और कृषि अर्थव्यवस्था के लिए बेहतर होगा। मनरेगा जैसी योजनाओं का भी इस संदर्भ में बेहतर उपयोग किया जा सकता है। गांवों में तालाब, चेक डैम और वर्षा जल संचयन संरचनाओं का निर्माण कर सिंचाई क्षमता को बढ़ाया जा सकता है। इससे न केवल खेती को सहारा मिलेगा, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल संकट से भी राहत मिलेगी। इसके अलावा, आधुनिक तकनीकों जैसे ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई को बड़े पैमाने पर अपनाने की जरूरत है। 'हर बूंद से अधिक फसल' का नारा तभी सार्थक होगा, जब इसे जमीनी स्तर पर लागू किया जाए। कमजोर मानसून का असर केवल खेतों तक सीमित नहीं रहता। यह ग्रामीण मांग को प्रभावित करता है, जिससे पूरे देश की अर्थव्यवस्था पर असर पड़ता है। खाद्य उत्पादन घटने पर महंगाई बढ़ती है, जिसका बोझ हर नागरिक को उठाना पड़ता है। इसलिए यह मुद्दा केवल किसानों का नहीं, बल्कि पूरे देश का है। कम पानी वाली फसलों को प्राथमिकता देना विकल्प नहीं, बल्कि भविष्य की जरूरत है।

जयंती विशेष
शिवप्रकाश

बाबा साहेब : दो युग-एक दृष्टि

> बाबा साहेब आंबेडकर ने 20 जुलाई 1942 को नागपुर में दलित महिला अधिवेशन को संबोधित करते हुए कहा था, "किसी समाज की प्रगति का अनुमान इस बात से लगाया जाता है कि उस समाज में महिलाओं की प्रगति कितनी है।" 1927 में तथाकथित अस्पृश्यसमाज की महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा था कि जिस प्रकार गृहस्थी की समस्याएं पति-पत्नी मिलकर सुलझाते हैं, वैसे ही समाज की समस्याएं भी स्त्री-पुरुषों को मिलकर सुलझानी चाहिए। आप पुरुषों की जन्मदाता हैं। भूमिहीन कृषकों को भूमि दिलाने के लिए किए गए बाबा साहेब के आंदोलन में शांति बाई दाणी, गीता बाई गायकवाड़ तथा मीनल के योगदान को भुलाना भी असंभव है।

भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती को उत्साह के साथ मना रहा है। बाबा साहेब का जन्म 14 अप्रैल 1891 को हुआ था। अस्पृश्यता के विरोध में आन्दोलन, संविधान निर्माता, श्रम नीति कर निर्माण, विधि व्यवस्था एवं नारी शक्ति के सशक्तिकरण में उनके योगदान को सदैव स्मरण किया जाएगा। लोकतंत्र एवं संविधान के प्रति वह सदैव समर्पित थे। अपने देश की समस्त समस्याओं का समाधान लोकतांत्रिक पद्धति से संविधान द्वारा ही खोजने का आग्रह उन्होंने किया था। स्वतंत्रता, समानता एवं बंधुता के वह सदैव पक्षधर थे । 25 दिसंबर 1952 में बोलते हुए उन्होंने कहा था कि "आज के युग में संपत्ति ही आजादी का अधिकार है। जब तक महिलाओं को संपत्ति में वारिस नहीं माना जाता, तब तक उनकी गुलामी खत्म होने वाली नहीं है।" जिस समय देश बाबा साहेब की जयंती मना रहा है उसी के निकटवर्ती समय में महिलाओं के सशक्तिकरण एवं लोकतंत्र में 33% भागीदारी के लिए संसद विशेष सत्र बुलाकर "नारी शक्ति वंदन अधिनियम" के प्रस्ताव को पारित करने की ओर अपने ऐतिहासिक कदम बढ़ा रही है । ऐसा लगता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत रत्न बाबा साहेब डॉ भीमराव आंबेडकर जीएवं उन सदृश महापुरुषों के सपनों एवं संकल्पों को ही पूर्ण कर रहे हैं ।

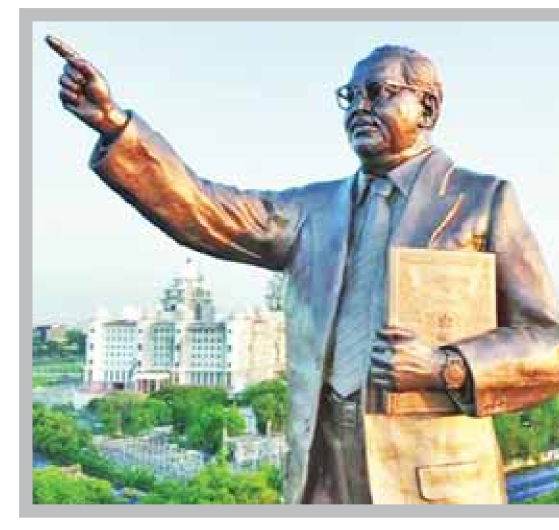

भारतीय चिंतन में स्त्री-पुरुष को अलग-अलग देखना यह दृष्टि नहीं रही है। दोनों में एक ही तत्व है । केवल भौतिक शरीर रचना में अंतर दिखाई देता है । इस दृष्टि को समाज में स्थायी बनाने के लिए हमारे ऋषि मुनियों ने स्त्री को आदिशक्ति, अर्धनारीशवर आदि के माध्यम से स्थापित किया था। स्त्री के प्रति सम्मान का भाव "यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः" जैसे अनेक वेदमन्त्रो में उदभाषित होता है। वेद में वर्णित अनेक ऋषिकाओं जैसे मैत्रीयी, अपाला, लोपामुद्रा, गार्गी, अदिति आदिने शिक्षा में अपना योगदान दिया। सुशासन एवं समाज सुधार की प्रतीक अनेक महिला बनीं । स्वतंत्रता के आंदोलन में भी अपना योगदान देकर भारतीय महिलाओं ने अपना जीवन उत्सर्ग किया। जिससमय पश्चिमी जगत में स्त्री को वोट का अधिकार एवं समानता का अधिकार दें अथवा न दें, इस विषय पर विवाद चल रहा था, उस समय हमारे संविधान निर्माताओं ने पुरुषों के समान ही महिलाओं को समान मैत्रेयी अधिकार देकर अपने प्राचीन भारतीय दृष्टिकोण का पालन ही किया था। बाबा साहेब आंबेडकर ने 20 जुलाई 1942 को नागपुर में दलित महिला अधिवेशन को संबोधित करते हुए कहा था कि, "किसी समाज की प्रगति का अनुमान इस बात से लगाया जाता है कि उस समाज में महिलाओं की प्रगति कितनी है।" 1927 में तथाकथित अस्पृश्यसमाज की महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा था कि जिस प्रकार गृहस्थी की समस्याएं पति-पत्नी मिलकर सुलझाते हैं, वैसे ही समाज की समस्याएं भी स्त्री-पुरुषों को मिलकर सुलझानी चाहिए। आप पुरुषों की जन्मदाता हैं।" बाबा साहेब द्वारा भूमिहीन कृषकों को भूमि दिलाए जाने के लिए आंदोलन में शांति बाई दाणी, गीता बाई गायकवाड़ तथा मीनल के योगदान को भुलाना असंभव है। विवाह की आयु 18 वर्ष, एक विवाह को वैधता, गोद लेने का अधिकार जैसे कानून बनवाना, महिला सशक्तिकरण में बाबा साहेब का महती योगदान है। गर्भवती महिलाओं को प्रसूति अवकाश यह बाबा साहेब की ही देन है। संविधान के अनुच्छेद 14 से 16 में स्त्री-पुरुषों की समानता का अधिकार, नौकरियों में स्त्रियों को समान अधिकार एवं समान वेतन दिलाने में बाबा साहेब की महत्वपूर्ण भूमिका है। हिंदू कोड बिल, जिसमें महिलाओं को तलाक का अधिकार,बहुविवाह से संरक्षण, संपत्ति में पुत्री का पुत्र के समान अधिकार मिलनाजिस पर तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू से उनकी असहमति सभी को ज्ञात है जो उनके मंत्रिमंडल से त्यागपत्र का भी एक कारण बनी थी। केवल हिंदू महिला ही नहीं बाबासाहेब ने मुस्लिम महिलाओं के अधिकारों की भी पुरज़ोर वकालत की थी। बाबा साहेब ने 1928 में ही कहा था कि "राष्ट्रहित में है कि माता को प्रसव-पूर्व एवं पश्चात आराम मिलना चाहिए। भारत का पहला मातृत्व लाभ विधेयक उन्होंने ही प्रस्तुत किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने "नारी तू नारायणी" के संकल्प के साथ 2014 से ही महिला सशक्तीकरण के लिए अनेक प्रयास किए। समाज में जागरण के साथ-साथ लिंगानुपात में वृद्धि, समाज में सम्मान, आर्थिक सशक्तिकरण, महिला नेतृत्व आदि की दिशा में वह प्रयास सराहनीय है। मातृशक्ति की कठिनाइयों को समझकर 11 करोड़ शौचालयों का निर्माण जिसका उन्होंने इज्जतघर कहा वह ऐतिहासिक पहल थी। घर तक जल पहुँचाना, प्रधानमंत्री आवास योजना में महिला को मालिकाना हक, बेटी बचाओ -बेटी पढ़ाओ अभियान ने न केवल लिंगानुपात में परिवर्तन किया बल्कि बेटी बोझ है की मानसिकता से भी मुक्ति दिलाई है। स्टार्टअप्स, मुद्रा योजना, जनधन खातों में 55% महिला भागीदारी, स्टैंड अप इंडिया, स्वयं सहायता समूह, जिसमें 10 करोड़ से अधिक महिलाओं की सहभागिता है, लखपति दीदी जैसी अनेक योजनाओं से आर्थिक क्षेत्र में महिलाओं को सशक्त बनाया है। गणतंत्र दिवस की परेड का नेतृत्व, सेना में अवसर,नमो ड्रोन दीदी, ऑपरेशन सिंदूर की प्रेस ब्रीफिंग महिलाओं द्वारा आदि ने महिलाओं के प्रति सम्मान को बहुगुणित किया है। तीन तलाक से मुक्ति के कानून ने मुस्लिम समाज की महिलाओं में विश्वास जगाने का कार्य किया है ।

नारी केवल मतदान तक सीमित न रहते हुए निर्णय प्रक्रिया में उसका योगदान हो, इस उद्देश्य से 16,17 एवं 18 अप्रैल में संसद एक ऐतिहासिक निर्णय ले रही है । लंबे समय से लंबित यह कानून मोदी सरकार ने 2023 में पास किया था। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 8 अप्रैल 2026 को संविधान संशोधन विधेयक को स्वीकृति प्रदान की है। लोकतंत्र में 33% भागीदारी के लिये संसद की स्वीकृति के बाद यह स्त्री को सशक्तबनाने में सहायक होगा। जिसका परिणाम होगा कि 50% देश की जनसंख्या में सहभागी महिला शक्ति देश के विकास में अपना योगदान दे सकेंगी। भारत रत्न बाबा साहेब आंबेडकर ने 100 वर्ष पूर्व स्त्री के सम्मान का जो सपना देखा था, जिसको संविधान एवं संसद के माध्यम से उन्होंने पूर्ण करने का प्रयास भी किया था, आज 100 वर्षों के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उसको पूर्ण कर रहे हैं। समस्त विपक्षी दल उनके आह्वान अनुसार "नारी शक्ति वंदन" अधिनियम को पारित करने में सहायक बनें, बाबा साहेब के जन्म दिवस पर यह उनको सच्ची श्रद्धांजलि होगी

(लेखक भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

सुरों की अमर सरगम
सुनील कुमार महला

आशा का अविस्मरणीय अनूठा व यादगार सफर

मशहूर पार्श्व गायिका आशा भोसले का 12 अप्रैल 2026 को 92 वर्ष की आयु में 'कार्डियक अरेस्ट' के कारण मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में निधन हो गया। चेस्ट इंफेक्शन और अत्यधिक थकान के कारण उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई थी। उनके निधन के साथ ही हिंदी सिनेमा का एक स्वर्णिम और सुरम्य अध्याय समाप्त हो गया। 8 सितम्बर 1933 को सांगली (महाराष्ट्र) में जन्मी आशा, महान शास्त्रीय गायक दीनानाथ मंगेशकर की पुत्री और लता मंगेशकर की छोटी बहन थीं। उनके परिवार में उषा मंगेशकर, मीना खाडिकर और हृदयनाथ मंगेशकर जैसे प्रतिभाशाली सदस्य भी संगीत साधना से जुड़े रहे। पिता के असमय निधन के बाद उन्होंने बहुत कम उम्र में ही परिवार की जिम्मेदारियां संभालीं और परिस्थितियोंवश गायन को अपनाया-इसी कारण वे स्वयं को 'एक्सीडेंटल सिंगर' भी कहा करती थीं। उनके निजी जीवन में कई उतार-चढ़ाव आए। उनका पहला विवाह गणपत राव भोसले से हुआ, जो सफल नहीं रहा। बाद में उन्होंने 1980 में प्रसिद्ध संगीतकार आर. डी. बर्मन (पंचम दा) से विवाह किया। यह तथ्य उल्लेखनीय है कि पंचम दा उनसे लगभग छह वर्ष छोटे थे। वे पहली बार आशा से ऑटोग्राफ लेने आए थे और बाद में विवाह का प्रस्ताव रखा। प्रारंभ में आशा ने इसे अस्वीकार किया, किंतु अंततः यह संबंध जीवन और संगीत-दोनों में अमर सिद्ध हुआ। इस जोड़ी ने हिंदी फिल्म संगीत को अनेक कालजयी गीत दिए। उल्लेखनीय है कि आशा भोसले को फिल्म उमराव जान (1981) की ग़ज़लों के लिए अपना पहला राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्राप्त हुआ, जिससे यह सिद्ध हो गया कि वे केवल चंचल या कैबरे गीतों तक सीमित नहीं थीं, बल्कि गंभीर और शास्त्रीय विधाओं में भी उतनी ही समर्थ थीं। इतना ही नहीं, वर्ष 2000 में उन्हें प्रतिष्ठित दादा साहेब फाल्के पुरस्कार और वर्ष 2008 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। उन्होंने एस. डी. बर्मन, ए. आर. रहमान और किशोर कुमार जैसे महान कलाकारों के साथ अनगिनत लोकप्रिय गीत दिए। 62 वर्ष की आयु में फिल्म रंगीला के 'तन्हा तन्हा' और 'रंगीला रे' जैसे गीतों ने यह सिद्ध कर दिया कि उनकी आवाज़ में युवाओं जैसी ऊर्जा आजीवन बनी रही। 'आओ हुजूर तुमको' (फिल्म किस्मत) जैसे गीतों में उनका सहज, बिना रिहर्सल का भाव-संयोजन आज भी मिसाल माना जाता है। गायन के अतिरिक्त उन्होंने अभिनय (एक्टिंग) में भी रुचि दिखाई और 2013 में फिल्म माई से मुख्य अभिनेत्री के रूप में पदार्पण किया। वे उत्कृष्ट पाक-शैली की शौकीन थीं; उनका कहना था कि यदि वे गायिका न होतीं, तो एक बेहतरीन कुक बनतीं। कहते हैं कि उनके हाथ का 'कढ़ाई गोश्त' और 'मछली' किशोर कुमार और आर. डी. बर्मन जैसे दिग्गजों के बीच बेहद लोकप्रिय था। उनके नाम से 'आशा'ज' रेस्टोरेंट श्रृंखला दुबई, कुवैत, बहरीन और यूनाइटेड किंगडम में प्रसिद्ध रही, जो उनकी व्यावसायिक समझ का भी प्रमाण है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उन्होंने अपनी विशिष्ट पहचान बनाई। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ब्रेट ली के साथ उन्होंने-'यू आर द वन फोर मी' गीत गाया। वर्ष 2005 में-' यू हैव स्टोलन माई हर्ट' एल्बम क्रोनोस क्वार्टेट के साथ रिकॉर्ड किया, जो ग्रैमी पुरस्कारों के लिए नामांकित हुआ। यहां यह उल्लेखनीय है कि वे ग्रैमी के लिए नामांकित होने वाली अग्रणी भारतीय गायिकाओं में शामिल रहीं। उन्होंने अंग्रेज़ी, रूसी, मलय और चेक जैसी विदेशी भाषाओं में भी गीत गाए, जिनमें उनका उच्चारण अत्यंत सटीक था। साथ ही, वे मिमिक्री कला में भी निपुण थीं। उनका व्यक्तिगत जीवन भी गहरे दुखों से गुज़रा। वर्ष 2012 में उनकी बेटी वर्षा और 2015 में पुत्र हेमंत का निधन हुआ, जिसने उन्हें भीतर तक झकझोर दिया। इसके बावजूद उन्होंने कभी अपने चेहरे की मुस्कान और संगीत के प्रति समर्पण को कम नहीं होने दिया। 80 वर्ष की आयु के बाद भी वे मंच पर सक्रिय रहीं, जो उनके अदम्य उत्साह और जीवटता का प्रमाण है। उनका सिग्नेचर लुक-सफेद साड़ी और मोतियों का हार-उनकी सादगी, गरिमा और विशिष्ट पहचान का प्रतीक बन गया। निस्संदेह, आशा भोसले का जीवन केवल एक महान गायिका की जीवनी नहीं, बल्कि संघर्ष, साहस, प्रयोगधर्मिता और आत्मविश्वास की प्रेरक गाथा है। उन्होंने यह सिद्ध किया कि वे किसी की परछाईं नहीं, बल्कि अपनी अलग पहचान गढ़ने वाली अद्वितीय कलाकार थीं। 'पिया तू अब तो आजा' जैसे चंचल गीतों से लेकर शास्त्रीय ग़ज़लों तक, उनकी आवाज़ ने हर भाव को अमर बना दिया। उनकी सुरमयी विरासत सदैव संगीत प्रेमियों के हृदय में गूंजती रहेगी और आने वाली पीढ़ियों को हमेशा प्रेरित व प्रोत्साहित करती रहेगी।

(लेखिका स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

धन तो कमा लिया, पर क्या आप सफल हैं?

संकलित
दर्शन

सफलता क्या है? वह मुस्कान जो कभी समाप्त न हो, सफलता की निशानी है। ऐसा आत्मविश्वास, जिसे कोई भी हिला न सके वह सफलता का संकेत है। जीवन में निडरता भी सफलता का संकेत है। एक सफल व्यक्ति कभी चोरी नहीं करेगा, क्योंकि वह जानता है कि वह कहीं भी जाए, समृद्धि प्राप्त कर सकता है। जब यह विश्वास होता है कि "मैं कहीं भी समृद्धि प्राप्त कर सकता हूँ", तो वह चोरी, कर-चोरी, भ्रष्टाचार आदि कोई भी ऐसा काम नहीं करेगा जिसका परिणाम अंततः कारागृह हो। खुशी और सफलता एक दूसरे से जुड़ी होनी चाहिए- किसी व्यक्ति को देखिए। क्या वह जीवंत है? क्या उसके अंदर पर्याप्त प्राण (ऊर्जा) है? या वह इतना थका-हारा और टूटा हुआ दिखता है कि किसी काम का नहीं लगता? हो सकता है आपके पास बहुत धन हो, लेकिन आपको मधुमेह (डायबिटीज) है, कोलेस्ट्रॉल है, अनिद्रा है, उच्च रक्तचाप है तब आप सुख-सुविधाओं का आनंद भी नहीं ले पाते। हम अपनी आधी सेहत धन कमाने में खर्च कर देते हैं, और फिर आधा धन सेहत वापस पाने में लगा देते हैं। यह अर्थव्यवस्था का बुद्धिमत्तापूर्ण तरीका नहीं है। खुशी और सफलता एक-दूसरे से जुड़ी होनी चाहिए।प्रतिकूल परिस्थितियों में व्यक्तित्व की परीक्षा : जब कभी व्यक्ति, स्थान या परिस्थितियाँ आपके विपरीत होती हैं, तब मनुष्य अक्सर उनसे प्रभावित होकर स्वयं भी दबाव में आ जाता है। व्यक्तियों परिस्थितियों से घिरकर हम कभी-कभी भीतर से बोझिल महसूस करने लगते हैं।

-श्री श्री रविशंकर

सुख-दुख आते रहेंगे, भक्ति नहीं छोड़नी चाहिए

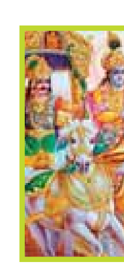

संकलित
प्रेरणा

महाभारत युद्ध खत्म हो गया था। कौरव सेना खत्म हो गई थी और युधिष्ठिर राजा बन गए थे। जब पांडवों के जीवन में सब ठीक हो गया, तब श्रीकृष्ण ने सोचा कि अब मुझे द्वारिका जाना चाहिए। श्रीकृष्ण ने अपनी इच्छा पांडवों को बताई, सभी भगवान को रोकना चाहते थे, लेकिन वे नहीं रुके। श्रीकृष्ण रथ पर बैठ आगे बढ़े तो सामने कुंती खड़ी थीं। रिश्ते में कुंती श्रीकृष्ण की बुआ थीं। अपनी बुआ को देखकर श्रीकृष्ण रथ से उतरे तो कुंती ने उन्हें प्रणाम किया। ये देखकर श्रीकृष्ण बोले कि आप मेरी बुआ हैं, मेरी माता की तरह हैं। मैं आपको प्रणाम करता हूं, लेकिन आज आप मुझे क्यों प्रणाम कर रही हैं? कुंती ने कहा कि कृष्ण, तुम मेरे भतीजे हो, लेकिन मैं ये भी जानती हूं कि तुम भगवान भी हो। मुझे अपना भक्त बनने दो। श्रीकृष्ण ने कहा कि ठीक है। सभी लोग भगवान से कुछ न कुछ मांगते ही हैं, आप भी कुछ मुझसे जो चाहें, वह वरदान मांग सकती हैं। कुंती ने कहा कि मुझे वरदान में दुख दे दो। वरदान में दुख की बात सुनकर श्रीकृष्ण बोले कि आप दुख क्यों चाहती हैं? आपका तो पूरा जीवन ही दुखों में बीता है। कुंती ने कहा कि दुख में तुम बहुत याद आते हो, जीवन में दुख रहेगा तो मैं तुम्हारी भक्ति करती रहूंगी। सुख के दिनों में तो मन भक्ति में लगता नहीं है। मैं हर पल तुम्हारा ही ध्यान करना चाहती हूं, इसलिए दुख मांग रही हूं। श्रीकृष्ण बोले कि ठीक है, जैसी आपकी इच्छा।

अंतर्मन

आज की पाती

शहीदों की याद दिलाता बैसाखी

बैसाखी का पर्व मुख्य तौर पर हिंदुओं और सिखों द्वारा मनाया जाने वाला त्योहार है। इसी दिन 13 अप्रैल 1699 को सिखों के दसवें गुरु श्री गुरु गोविंद सिंह जी ने खालसा पंथ की स्थापना की थी। इसलिए इस त्योहार को उत्साह-हर्षोल्लास से मनाया जाता है। इसके अलावा इसी दिन जलियांवाला बाग हत्याकांड अंग्रेजों की नापाक हरकत को भी याद करवाता है। 13 अप्रैल, 1919 बैसाखी वाले दिन अंग्रेजों ने पंजाब के जलियांवाला बाग में जिस नापाक हरकत को अंजाम देते हुए कई भारतीयों पर गोलियां चलाकर निहत्थे लोगों को मौत की नींद सुलाया था, उसको याद कर अब भी हर किसी की रुह तक कांप जाती है। अंग्रेजों ने अमृतसर में 13 अप्रैल 1919 को जलियांवाला बाग में अपने कायरतापूर्ण काम को अंजाम दिया था। यह अवसर हमें शहीदों की याद दिलाता है।

-रोहित शर्मा, सोनीपत

ट्रेंड

बलिदानियों को श्रद्धांजलि

जलियांवाला बाग नरसंहार के सभी अमर बलिदानियों को मेरी आदरपूर्ण श्रद्धांजलि। विदेशी हुकूमत की बर्बरता के खिलाफ उनके अदम्य साहस और स्वाभिमान की गाथा देश की हर पीढ़ी को प्रेरित करती रहेगी। मैं सभी को नमन करता हूं।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

कविगुरु के सपनों का बंगाल

भाजपा सरकार बंगाल के गरीबों से कटमनी लेने वाली टीएमसी सिंडिकेट को उल्टा लटकाकर सीधा करने का काम करेगी। हिंदुओं के साथ हुई हिंसा और अत्याचार की जांच करेगी। टीएमसी ने 'सोनार बांग्ला' को सिंडिकेट राज बना दिया, भाजपा कविगुरु के सपनों का बंगाल बनाएगी। **-अमित शाह**, केंद्रीय गृहमंत्री

ठंडे बस्ते में जाति जनगणना

सरकार अनुच्छेद 334-ए में संशोधन की बात कर रही है। तर्क दे रही है कि जाति जनगणना के नतीजे आने में समय लगेगा, लेकिन बिहार व तेलंगाना ने 6 माह से कम समय में जाति सर्वे पूरा किया है। स्पष्ट है कि सरकार जनगणना को ठंडे बस्ते में डालना चाहती है। **-जयराम रमेश**, कांग्रेस महासचिव

चीन की शरारती कोशिश

भारत अपने क्षेत्र के हिस्सों को दिए गए फर्जी नामों को खारिज करता है। चीन की ओर से ऐसे नाम तय करना शरारती कोशिश है। झूठे दावे जमीन की हकीकत नहीं बदल सकते। अरुणाचल भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा था, है और रहेगा।

-रंधीर जायसवाल, प्रवक्ता, विदेश मंत्रालय

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

करंट अफेयर

पाक के खैबर पख्तूनख्वा में पोलियो टीम पर हमला

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पोलियो टीकाकरण दल की सुरक्षा के लिए तैनात एक सुरक्षा दल पर अज्ञात आतंकवादियों की गोलीबारी में पुलिस के एक कांस्टेबल की मौत हो गई और चार अन्य कर्मी घायल हो गए। यह जानकारी अधिकारियों ने सोमवार को दी। यह घटना हंगू जिले के थाल थानाक्षेत्र में चपरी वजीरान इलाके में प्रांत में पोलियो रोधी अभियान के पहले दिन घटी। लि पुलिस द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, हमलावरों ने पुलिस दल पर गोलीबारी की, जिसमें एक कांस्टेबल की मौत हो गई और थाल के अतिरिक्त थाना प्रभारी सहित चार अन्य घायल हो गए। घायल पुलिसकर्मियों में से तीन हंगू स्थित पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय से संबद्ध हैं। कोहाट के उप महानिरीक्षक (डीआईजी) इरफान तारिक ने बताया कि पुलिस दल ने जवाबी कार्रवाई की और गोलीबारी में दो आतंकवादी मारे गए। उन्होंने कहा कि हालांकि, हमलावर अपने साथियों के शव घटनास्थल से ले गए। घायल सुरक्षाकर्मियों को इलाज के लिए पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है, वहीं सुरक्षा बलों ने इलाके को घेर लिया और हमलावरों को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान शुरू किया।

ऑफ बीट

बैठने के बजाय खड़े होकर काम करना फायदेमंद?

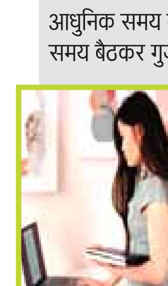

आधुनिक समय में हममें से अधिकतर लोग जागते हुए अपना अधिकांश समय बैठकर गुजारते हैं। हाल में एक अनुसंधान में लंबे समय तक बैठने के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभावों को रेखांकित किया गया है। कई कार्यस्थलों पर 'सिट-स्टैंड' डेस्क सिस्टम को अपनाया गया है, जिस पर आप लंबे समय तक बैठने के नुकसान से बचने के लिए डेस्क को बटन या लीवर दबाकर ऊंचा कर सकते हैं और खड़े होकर काम कर सकते हैं। लेकिन खड़ा होना बेहतर कैसे है? और क्या बहुत अधिक खड़े होने के भी नुकसान हैं? बहुत अधिक बैठने और खड़े होने के जोखिमों के बारे में अनुसंधान क्या कहता है, और क्या 'सिट-स्टैंड' डेस्क में निवेश करना ठीक है। बहुत अधिक बैठने के क्या नुकसान हैं? जो लोग बहुत अधिक बैठते हैं उनमें टाइप 2 मधुमेह, हृदय रोग और कुछ प्रकार के कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के विकसित होने और उनका जीवन कम होने की आशंका बढ़ जाती है। लंबे समय तक बैठे रहने से मांसपेशियों, हड्डियों में, खासकर गर्दन और पीठ में दर्द संबंधी शिकायत बढ़ जाती है। उन लोगों को अधिक बैठने से और भी ज्यादा नुकसान हो सकता है जो बहुत कम व्यायाम करते हैं या एक मानक स्तर तक शारीरिक गतिविधियां नहीं करते।

आचार्य शंकर प्राकट्योत्सव- 'एकात्म पर्व' 17 अप्रैल से, आचार्य की गुरु एवं सन्यास भूमि ओंकारेश्वर में धूमधाम से मनाया जाएगा

मुख्यमंत्री सहित द्वारिका शंकराचार्य सदानंद सरस्वती, स्वामी अवधेशानंद गिरि होंगे शामिल

हरिभूमि न्यूज. भोपाल

आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास, संस्कृति विभाग की ओर से आदि गुरु शंकराचार्य के प्राकट्योत्सव वैशाख शुक्ल पंचमी के उपलक्ष्य में 'एकात्म पर्व' का पंच दिवसीय भव्य आयोजन 17 से 21 अप्रैल तक ओंकारेश्वर के मांधाता पर्वत पर 'एकात्म धाम' में आयोजित किया जा रहा है। इस पंच दिवसीय मांगलिक अनुष्ठान में भारत की दिव्य संन्यास परंपरा के शीर्ष संतों, आर्ष चिंतकों और विशिष्टजनों की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी।

कार्यक्रम का शुभारंभ 17 अप्रैल को द्वारका पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती के पावन सानिध्य तथा संस्कृति और पर्यटन मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी, विवेकानंद केंद्र की उपाध्यक्ष पद्मश्री निवेदिता भिड़े, स्वामी शारदानंद सरस्वती की उपस्थिति में होगा, वहीं समापन अवसर पर 21 अप्रैल को शंकरावतरणम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, जूनापीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि और चिन्मय मिशन के स्वामी तेजोमयानंद सरस्वती, दक्षिणामूर्ति मठ, के प्रमुख स्वामी पुण्यानंद गिरि प्रमुख रूप से सम्मिलित होंगे।

अद्वैतामृतम - विमर्श सभा में विभिन्न विषयों पर होगा संवाद

इस सत्र के तहत अद्वैत वेदांत की समकालीन परंपराओं पर विस्तृत चर्चा होगी, जिसमें 17 अप्रैल को अद्वैत एवं जेन-जी जैसे महत्वपूर्ण एवं समसामयिक विषय पर स्वामी स्वात्मानंद सरस्वती, स्वामिनी ब्रह्मप्रज्ञानंद सरस्वती, सतावधानी ललितादित्य और विशाल चौरसिया युवाओं के नजरिए से अद्वैत की व्याख्या करेंगे। उड़िया बाबा पर मां पूर्णप्रज्ञा, स्वामी प्रणवानंद सरस्वती और आचार्य मिथिलेशनन्दिनी शरण (अयोध्या) इस परंपरा के दार्शनिक पहलुओं पर चर्चा करेंगे।

'एक ओंकार' के अंतर्संबंधों पर विमर्श करेंगे

18 अप्रैल को रामकृष्ण मिशन पर स्वामी जपसिद्धानंद, स्वामी वेदतत्त्वानंद पुरी और स्वामी सर्वभद्रानंद (बेलूर मठ) अद्वैत के सेवा भाव पर प्रकाश डालेंगे, वहीं सिख संप्रदाय पर आयोजित सत्र में निर्मल अखाड़ा के स्वामी दर्शन सिंह और प्रो. जगबीर सिंह अद्वैत और 'एक ओंकार' के अंतर्संबंधों पर विमर्श करेंगे। अद्वैत एवं पर्यावरण विषय पर स्वामी चिदानंद सरस्वती (परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश) और डॉ. बालकृष्ण पिसुपति (यूएनईपी) अद्वैत दृष्टि से प्रकृति संरक्षण पर बात करेंगे। इसी दिन रमण आश्रम पर आयोजित सत्र में डॉ. वेंकट एस. रमणन, प्रो.भूपेंद्र गोदारा और स्वामिनी सद्विद्यानंद सरस्वती महर्षि रमण के आत्म-विचार पर संवाद करेंगे।

आधुनिक प्रासंगिकता- संवाद और कार्यशाला

महोत्सव में अद्वैत दर्शन को नई पीढ़ी, आधुनिक तकनीक से जोड़ने के लिए विशेष सत्र रखे गए हैं, जिसमें 19 अप्रैल को अद्वैत एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आयोजित सत्र में स्वामी परम शिवानंद, डॉ. प्रत्युष कुमार, कल्याण मुत्तुराजन और प्रो. राहुल गर्ग एआई और चेतना के विषयों पर चर्चा करेंगे। अद्वैत एवं वैश्विक शांति विषय पर स्वामी परमात्मानंद सरस्वती, प्रो.प्रियंकर उपाध्याय एवं नीमा मजूमदार संवाद करेंगे। इसी दिन सत्त्व, रज, तम मानव स्वभाव के गुणों पर आधारित विशेष सत्र में स्वामी वेदतत्त्वानंद पुरी एवं विशाल चौरसिया संवाद करेंगे।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में देश के प्रमुख कलाकार देंगे प्रस्तुति

- 17 अप्रैल- जयतीर्थ मेवुंडी का शास्त्रीय गायन और शुभदा वराडकर की ओड़िसी प्रस्तुति 'एकम'।
- 18 अप्रैल- जसलीन कौर की गुरु वाणी और डॉ. पद्मजा सुरेश का भरतनाट्यम 'शक्ति'।
- 19 अप्रैल- पार्वती बाउल का 'मोनेर मानुष' और रमा वैद्यनाथन का भरतनाट्यम 'नमामि देवी'।
- 20 अप्रैल- लता सिंह मुंशी का भरतनाट्यम और एस. ऐश्वर्या - सौंदर्या का कर्नाटक संगीत 'शिवोऽहम'।
- 21 अप्रैल- अभय घाट पर पद्मश्री हेमंत चौहान की 'निर्गुण वाणी' और मणिपुर नृत्य की प्रस्तुति।
- 700 से अधिक युवा 'शंकरदूत' के रूप में लेंगे दीक्षा

केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने उन्नत कृषि महोत्सव के दूसरे दिन किसानों से किया संवाद

हर ब्लॉक में बनेंगे बीज ग्राम, बेहतर बीज से 20 प्रतिशत तक बढ़ाया जाएगा उत्पादन

हरिभूमि ब्यूज ▶▶ भोपाल

केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रायसेन में आयोजित उन्नत कृषि महोत्सव के दूसरे दिन किसानों को एक बड़ी सौगात देते हुए सीहोर, रायसेन, विदिशा और देवास इन चार जिलों का समग्र कृषि रोडमैप जारी किया। साथ ही इस अवसर पर उन्होंने आधुनिक कृषि को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इंटीग्रेटेड फार्मिंग मॉडल का निरीक्षण भी किया। वहीं केन्द्रीय मंत्री ने महोत्सव में फसल बीमा योजना और इंटीग्रेटेड फॉर्मिंग पर आयोजित विशेष सत्र के दौरान किसानों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों के साथ उनके समाधान पर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि कृषि को लाभकारी बनाने के लिए नई तकनीकों, विविध फसलों और एकीकृत खेती पद्धतियों को अपनाना बेहद आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि, किसान पारंपरिक खेती के साथ-साथ पशुपालन, बागवानी, मधुमक्खी पालन और जैविक खेती को भी अपनाएं, ताकि कम लागत में अधिक लाभ प्राप्त हो सके। सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम छोर पर बैठे किसान तक पहुंचे, इसके लिए हर स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं।

केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज ने उन्नत कृषि महोत्सव पर किसानों को दी बड़ी सौगातें।

चार जिलों सीहोर, देवास, विदिशा और रायसेन का कृषि रोडमैप किया जारी

विदिशा, रायसेन, सीहोर और देवास का कृषि रोडमैप

केन्द्रीय कृषि मंत्री चौहान ने कहा कि उन्नत कृषि महोत्सव का यह आयोजन केवल औपचारिक कार्यक्रम नहीं बल्कि देश की कृषि व्यवस्था में सुधार लाने का एक गंभीर प्रयास है। उन्होंने कहा कि आज विदिशा, रायसेन, सीहोर और देवास जिलों के लिए कृषि विकास का रोडमैप तैयार किया गया है। आगे मध्यप्रदेश के सभी जिलों के लिए इसी प्रकार की योजना बनाई जाएगी। इन योजनाओं को केवल कागजों तक सीमित नहीं रखा जाएगा बल्कि उन्हें जमीन पर लागू किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अब जरूरत इस बात की है कि किसान अपनी मिट्टी, जलवायु, पानी की उपलब्धता और संसाधनों के आधार पर वैज्ञानिक तरीके से खेती करें।

कृषि रोडमैप में जल प्रबंधन, फसल विविधीकरण और वैल्यू एडिशन पर फोकस

इन चार जिलों की जलवायु, मिट्टी और तापमान को ध्यान में रखते हुए एक समग्र कृषि रोडमैप तैयार किया गया है। इसका उद्देश्य खेती को अधिक लाभकारी बनाना, जल के कुशल उपयोग को बढ़ावा देना और उपलब्ध संसाधनों के बेहतर इस्तेमाल से उत्पादन बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि इस योजना का फोकस जलवायु-सहिष्णु खेती, उत्पादकता में वृद्धि, किसानों की आय बढ़ाना, जल संरक्षण, फसल विविधीकरण और बाजार से बेहतर जुड़ाव सुनिश्चित करना है।

वैज्ञानिक खेती के लिए साइल मोबाइल एप लॉन्च, हर ब्लॉक में बनेगा बीज ग्राम

शिवराज ने कहा कि उत्पादन बढ़ाने के लिए अच्छा बीज सबसे महत्वपूर्ण आधार है। विभिन्न फसलों, फल और सब्जियों के साथ-साथ नई संभावनाओं वाली खेती जैसे ड्रैगन फ्रूट, एवोकाडो और ब्लूबेरी को भी रोडमैप में शामिल किया गया है। चौहान ने कहा कि यदि प्रत्येक ब्लॉक में लगभग 10 गांवों को बीज ग्राम बनाकर किसानों को वहीं से अच्छे बीज उपलब्ध कराए जाएं, तो इससे उत्पादन में करीब 20 प्रतिशत तक वृद्धि संभव है। उन्होंने कहा कि बीज ग्राम विकसित करने के लिए केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का उपयोग किया जाएगा। 'बीज और रोपण सामग्री उप-मिशन' के तहत आवश्यक वित्तीय सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी।

किसानों के कर्ज संकट पर सरकार को घेरा

समय-सीमा बढ़ाने की मांग, लोन लेने का कर्ज चुकाने में फंस जाएंगे अन्नदाता

हरिभूमि ब्यूज ▶▶ भोपाल

पीसीसी अध्यक्ष पटवारी ने सीएम को लिखा पत्र, किसानों की स्थिति को लेकर जताई

जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर प्रदेश के किसानों की कर्ज स्थिति को लेकर गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश के 55 जिलों के करीब 6.20 लाख किसान तय समय-सीमा में फसल ऋण नहीं चुका पाए हैं और डिफॉल्टर घोषित होने का खतरा मंडरा रहा है। पटवारी के मुताबिक किसानों पर लगभग 450 करोड़ रुपये का बकाया है, जिसमें 80 प्रतिशत छोटे और सीमांत किसान शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि यदि किसानों को डिफॉल्टर घोषित किया गया, तो वे भविष्य में ऋण लेने से वंचित हो जाएंगे और बढ़ते ब्याज के कारण कर्ज के दुष्चक्र में फंस जाएंगे। पत्र में राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि इस संकट के पीछे प्राकृतिक कारणों से अधिक नीतिगत विफलताएं जिम्मेदार हैं। समर्थन मूल्य पर फसल खरीदी में करीब 20 दिन की देरी के कारण किसानों को समय पर भुगतान नहीं मिल सका, जिससे वे ऋण चुकाने में असमर्थ रहे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सरकार इस गंभीर मुद्दे पर केवल बैठकों तक सीमित है। पिछले वर्ष भी ऋण चुकाने की समय-सीमा बढ़ाने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया।

पटवारी ने रखीं ये प्रमुख पांच मांगें

फसल ऋण (केसीसी) चुकाने की समय-सीमा बढ़ाने, विलंब पर ब्याज और पेनल्टी माफ करने, समर्थन मूल्य पर खरीदी और भुगतान को समयबद्ध बनाने, फसल चक्र के अनुरूप ऋण पुनर्भुगतान व्यवस्था लागू करने और छोटे किसानों के लिए विशेष राहत पैकेज घोषित करने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समय रहते कदम नहीं उठाए गए, तो यह आर्थिक संकट सामाजिक संकट में बदल सकता है। साथ ही उन्होंने सरकार से किसानों के हित में तत्काल ठोस निर्णय लेने की अपील की है।

नाम बदलकर शहर भर में करती थीं गांजा सप्लाई

गांजा तस्करी के आरोप में दो सगी बहनें गिरफ्तार

हरिभूमि ब्यूज ▶▶ बिलासपुर

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने गांजा तस्करी करते हुए दो बहनों को गिरफ्तार किया है। दोनों बहनें अपना नाम बदल-बदलकर शहर के अलग-अलग हिस्सों में गांजे की सप्लाई करती थीं। यह कार्रवाई सरकंडा पुलिस और एसीसीयू की टीम ने मिलकर की है। दोनों के पास से करीब 15 लाख रुपये की सामग्री जब्त की गई है। पुलिस को दोनों के पास से 5.98 लाख नकद, 6 किलो गांजा, स्कूटी और कार बरामद किया गया है। सूचना के बाद पुलिस ने इन्हें रंगे हाथों पकड़ने की योजना बनाई।

दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश कर भेजा जेल

मामले की जानकारी देते हुए सीएसपी निमितेश सिंह ने बताया गिरफ्तार महिलाओं की पहचान मानकी केंवट उर्फ विनिता जोशी और सुदामा केंवट उर्फ रानी यादव के रूप में हुई है। ये दोनों मस्तूरी थाना क्षेत्र के जयराम नगर की रहने वाली हैं। फिलहाल ये सरकंडा थाना क्षेत्र में रहकर गांजे का कारोबार कर रही थीं। पूछताछ में इन्होंने खुलासा किया है कि ये दोनों सगी बहनें हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया है। वहीं, अब उनके नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटाई जा रही है। छत्तीसगढ़ में इन दिनों नशीले पदार्थ के खिलाफ पुलिस सख्त अभियान चला रही है।

स्वास्थ्य विभाग, बीएसपी प्रबंधन प्रभावित क्षेत्रों में अलर्ट

भिलाई के टाउनशिप सेक्टर-7 में बढ़ रहा पीलिया का प्रकोप

हरिभूमि ब्यूज ▶▶ भिलाई

टाउनशिप सेक्टर-7 में पीलिया का प्रकोप लगातार बढ़ रहा है। मरीजों की संख्या में वृद्धि दर्ज की गई है। इसे देखते हुए स्वास्थ्य विभाग और बीएसपी प्रबंधन प्रभावित क्षेत्रों में पूरी तरह से अलर्ट हैं। रविवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने प्रभावित क्षेत्रों में जांच की। इस दौरान सात नए पीलिया के मरीज मिले। वार्ड-67, सेक्टर-7 की सड़क 37 ए में मरीज मिलने के बाद विभाग ने अपनी निगरानी बढ़ा दी है। टीम ने कुल 65 घरों का सर्वे किया। इस सर्वे के दौरान ही नए मरीजों की पहचान हुई और उनके खून के नमूने जांच के लिए लिए गए।

प्रभावित क्षेत्र में सामने आए कुल 31 मरीज

अब तक प्रभावित क्षेत्र में कुल 31 मरीज सामने आ चुके हैं। इनमें से एक मरीज ठीक होकर अस्पताल से घर लौट चुका है। फिलहाल चार मरीज अस्पताल में भर्ती हैं। इनमें तीन शंकराचार्य हॉस्पिटल में और एक पल्स हॉस्पिटल में उपचाररत है। प्रभावित क्षेत्र में स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है और लगातार निगरानी जारी है। पीलिया के मरीज मिलने के बाद बीएसपी प्रबंधन भी सक्रिय हो गया है। करीब 50 साल पुरानी पाइपलाइन को बदलने का काम तेजी से किया जा रहा है। नाले के अंदर से गुजरने वाली इन पाइपलाइनों को अब सड़क के ऊपर से गड्ढा खोदकर लाया जा रहा है। यह कदम संक्रमण के स्रोत को खत्म करने के लिए उठाया गया है। जिला स्तर से भी स्वास्थ्य विभाग की टीम लगातार स्थिति की निगरानी कर रही है। स्वास्थ्य विभाग ने पीलिया को लेकर एक एडवाइजरी जारी की है। इसमें लोगों से लक्षण दिखने पर तत्काल जांच करवाने के निर्देश दिए गए हैं। विभाग ने बताया कि पीलिया के लक्षणों में भूख कम लगना, पेशाब का पीला होना, उल्टी और थकान शामिल हैं।

कोतवाली थाना क्षेत्र का मामला, बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी का आरोप

मेट्रोमोनियल साइट के नाम पर ठगी करने वाला गिरोह चढ़ा पुलिस के हत्थे

हरिभूमि ब्यूज ▶▶ रायगढ़

जिला मुख्यालय में पुलिस ने वैवाहिक वेबसाइट के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह को पकड़ा है। यह कार्रवाई निधि परिवहन सुविधा केंद्र में छापामार करते हुए की गई। मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है। शहर के दरोगापारा क्षेत्र में स्थित निधि परिवहन सुविधा केंद्र में ठगी की शिकायतें मिली थीं। रायगढ़ पुलिस को वैवाहिक वेबसाइट के नाम पर बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी की जानकारी मिली थी। सोमवार को पुलिस ने यहां छापामार कार्रवाई की। इस दौरान एक दर्जन से अधिक युवतियां मिलीं। ये युवतियां दूरभाष केंद्र के माध्यम से लोगों से ठगी कर रही थीं।

सरकारी विभागों की फर्जी सील भी बरामद

पुलिस ने यहां से कई सरकारी विभागों के फर्जी सील भी बरामद किए हैं। छापामार कार्रवाई के दौरान पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह भी मौके पर मौजूद थे। पुलिस ने संदेह के आधार पर शांति देवी सोसाइटी ऑफ एजुकेशन में भी छापा मारा। वहां के लोगों से भी पूछताछ की जा रही है। पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह ने बताया कि निधि लोक सेवा केंद्र के नाम पर वैवाहिक वेबसाइट चलाई जा रही थी। इस साइट में लोगों को शादी का झांसा देकर फंसाया जाता था। ग्राहकों को लगातार व्यस्त रखकर छोटी-छोटी रकम ली जाती थी। इस तरह लगातार पैसे ऐंठे जाते थे। पुलिस को इस तरह की ठगी की शिकायतें लगातार मिल रही थीं। निधि लोक सेवा केंद्र के संचालक कपिल गर्ग को हिरासत में लिया गया है। नगर पुलिस अधीक्षक मयंक मिश्रा के नेतृत्व में यह कार्रवाई हुई। पुलिस उनसे गहनता से पूछताछ कर रही है ताकि पूरे नेटवर्क का खुलासा हो सके।

सुरक्षा बलों ने घटनास्थल से पांच लाख की इनामी महिला नक्सली का शव और एक हथियार किया बरामद

कांकेर जिले में महिला नक्सली रूपी का एनकाउंटर, इनपुट मिलने के बाद नक्सल रोधी अभियान पर थे जवान

हरिभूमि ब्यूज ▶▶ कांकेर

छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में सुरक्षाबलों ने महिला नक्सली रूपी का एनकाउंटर किया है। 31 मार्च को सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ को सशस्त्र माओवादी मुक्त घोषित किए जाने के 12

दिन बाद यह एनकाउंटर हुआ है। मुठभेड़ सोमवार सुबह छोटे बेठिया पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले एक जंगल में हुआ। सुरक्षाबल के जनाव इनपुट मिलने के बाद नक्सल रोधी अभियान पर निकले थे। घटनास्थल से एक महिला नक्सली का शव और एक हथियार बरामद किया गया है। अधिकारी ने बताया कि महिला नक्सली की पहचान रूपी रेड्डी के रूप में हुई है, वह माओवादियों की परतापुर क्षेत्र समिति की सदस्य थी। उसके सिर पर पांच लाख रुपये का इनाम घोषित था। रूपी खूंखार नक्सली विजय रेड्डी की पत्नी थी। उसने जवानों के सामने सरेंडर करने से इंकार कर दिया था। रूपी रेड्डी नक्सली संगठन में एसीएम (एरिया कमेटी मेंबर) के पद पर थी।

नक्सली गतिविधियों में लगातार थी एक्टिव

पुलिस के मुताबिक, रूपी रेड्डी से लगातार सरेंडर के लिए संपर्क किया जा रहा था लेकिन उसने इंकार कर दिया था। सरेंडर करने से इंकार करने के बाद वह नक्सली गतिविधियों में एक्टिव थी। पुलिस का दावा है कि बस्तर में बड़े कैडर के कई नक्सलियों के मारे जाने या सरेंडर के बाद रूपी रेड्डी ही प्रमुख सक्रिय कैडर थी। अब उसके एनकाउंटर के बाद बस्तर में कोई भी एक्टिव नक्सली मेंबर नहीं बचा है। हाल ही में रूपी रेड्डी के बॉडीगार्ड ने सरेंडर किया था। जिसके बाद रूपी रेड्डी के लोकेशन के बारे में सुरक्षाबलों को इनपुट मिला था। इसी इनपुट के बाद टीम ने अलग-अलग इलाकों में सर्चिंग अभियान चलाया था। सोमवार सुबह करीब 4 बजे सुरक्षाबलों की टीम छोटेबेठिया थाना क्षेत्र के माचपल्ली के जंगल में सर्चिंग कर रही थी। इसी दौरान नक्सलियों ने फायरिंग की। जवानों ने भी मोर्चा संभाला। दोनों तरफ से काफी देर तक फायरिंग हुई। फायरिंग बंद होने के बाद सर्चिंग के दौरान जवानों ने रूपी रेड्डी की लाश मिली।

महिला नक्सली रूपी रेड्डी नक्सलियों को सरेंडर करने से रोकती थी। वो नक्सली संगठन में एसीएम की पोस्ट पर थी। जवानों ने सोमवार सुबह इनपुट मिलने पर एनकाउंटर किया और रूपी रेड्डी के सिर पर 5 लाख रुपये का इनाम घोषित था। नक्सली कमांडर रूपी स्टेट कमेटी मेंबर (एससीएम) विजय रेड्डी की पत्नी थी। उसके पति की गिनती खूंखार नक्सलियों में होती थी। सुरक्षाबल के जवानों ने विजय रेड्डी को राजनांदगांव और मोहला-मानपुर-चौकी जिले में हुई मुठभेड़ में मार गिराया था। पति के मारे जाने के बाद रूपी उत्तर बस्तर कांकेर एक्टिव थी। इस जोन में सरेंडर करने वाले नक्सलियों को वह रोकती थी। वह नक्सलियों को आत्मसमर्पण करने के खिलाफ थी।

सुरक्षा बलों को मिली सफलता: भारी मात्रा में विस्फोटक और बम बनाने का सामान बरामद

रायपुर। वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ लड़ाई में सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है। छत्तीसगढ़-ओडिशा सीमा पर धेकुनपानी के घने जंगल से भारी मात्रा में विस्फोटक और बम बनाने का सामान बरामद किया गया है। इससे क्षेत्र में एक संभावित बड़े आतंकी हमले की साजिश को सफलतापूर्वक विफल कर दिया गया है। ओडिशा के नुआपाड़ा जिले में कोमना पुलिस शिविर से संचालित केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की एक टीम ने यह कार्रवाई की। नक्सली गतिविधियों की विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर संयुक्त तलाशी अभियान चलाया गया। यह अभियान धेकुनपानी जंगल के ऊबड़-खाबड़ इलाके को लक्षित कर रहा था। यह जंगल सुनाबेड़ा वन्यजीव अभयारण्य के निकट स्थित है, जिसका उपयोग नक्सली पहले भी करते रहे हैं। जंगल के भीतर सावधानीपूर्वक तलाशी के दौरान 70 जिलेटिन स्टिक बरामद हुईं। ये जिलेटिन स्टिक आईईडी विस्फोटों के लिए नक्सलियों द्वारा अक्सर उपयोग की जाती हैं। इसके साथ ही तीन स्टील कंटेनर और चार इलेक्ट्रॉनिक तारों के बंडल भी मिले।

बड़ी वारदात की थी साजिश

अधिकारियों का मानना है कि इन सामग्रियों का उपयोग सुरक्षा बल के वाहनों को निशाना बनाने या बड़े पैमाने पर आईईडी हमला करने के लिए किया जाना था। इस समय पर हुई बरामदगी ने आतंक फैलाने और नक्सल विरोधी अभियानों को बाधित करने की एक बड़ी साजिश को रोका है। सुरक्षा विशेषज्ञों ने बताया कि सुनाबेड़ा अभयारण्य और उसके आसपास के जंगल माओवादियों द्वारा लंबे समय से छिपने के स्थानों के रूप में उपयोग किए जाते रहे हैं। हालांकि, इस क्षेत्र को हाल ही में काफी हद तक माओवादी मुक्त घोषित किया गया था।

प्रभु श्रीराम के समरस दर्शन में डूब गई संस्कारधानी

नौ दिवसीय कथा का समापन राघवजी के राज्याभिषेक के साथ हुआ

जबलपुर। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की जन्म स्तुति भए प्रकट कृपाला में आने वाली पंक्ति 'यह सुख परम अनूपा..' को रामदृष्टा स्वामी श्री रामभद्राचार्य जी ने साकार कर दिया। नौ दिवसीय रामकथा की पावन रसधारा ने शहरवासियों को तो पावन किया ही, आयोजक संस्था समरसता सेवा संगठन के समरसता संबंधी विचार की मंत्रध्वनि की दुंदुभी बजा दी। ये पहला अवसर था जब रामकथा में सर्व जाति समाज के 42 प्रतिनिधियों ने रामरस की समरस गंगा बहा समरसता की अलख जगाई। नवाह कथा के समापन दिवस पर हर कोई ये समझ गया कि महाराजजी ने कथा की विषय चौपाई 'राम जनम जग मंगल हेतू' क्यों रखी। इस कथा ने ये जीवन सूत्र दिया कि रामनाम की प्रेम धारा ही समाज में समरसता का संचार कर सकती है।

नर्मदा की गोद में राघव सेवा

मां रेवा के भटोली स्थित कालीघाट तट में अलभोर पहुंचे हजारों श्रद्धालु उस समय धन्य-धन्य हो गए, जब उन्होंन जगद्गुरु रामभद्राचार्य जी को राघव सेवा करते देखा। महाराज जी अपने परिकरों के साथ सुबह पांच बजे नर्मदा तट पहुंचे और उन्होंने वैदिक विधान के अनुरूप नर्मदा स्नान किया। स्नानोपरांत उन्होंने वशिष्ठानंदन राघव जी और कौशल्यानंदन राघव जी का भाव विहल होकर अभिषेक और पूजन अर्चन किया। सर्वप्रथम उन्होंने विघ्न विनाशक भगवान गणेश, और फिर महादेव-शालिगराम की पूजन की। तद्ोपरांत स्नेहित अश्रुधार के बीच अपने राघव जी की पूजा-अर्चना की। जिसने भी महाराजजी का श्रीरामजी के प्रति वात्सल्य भाव देखा वो विहल हो गया।

माताओं नजर न लगा देना

महाराजश्री ने भटोली पहुंची माताओं को अपने ठाकुरजी के दर्शन कराते हुए कहा कि देखो हमारे राघवजी कितने सुंदर हैं। उन्होंने कहा कि जबलपुर की माताओ नजर न लगा देना। जबलपुर की माताएं नजर बहुत लगातीं हैं। उन्होंने पूरे मनोभाव से प्रभु श्रीराम के श्री विग्रहों का रामानंदी परंपरा के तहत सेवा की। काली घट राममंत्रों से गूंज उठा। राम चरणानुरागी स्वामी जी ने कहा कि उन्हें पता है कि नर्मदाजी राघवजी की सेवा देखना चाहतीं हैं। वे रामजी की भगिनी हैं, और रामजी उनके भ्राता। ऐसे में नर्मदाजी के तट पर राघव ही की सेवा करके धन्य अनुभव कर रहा हूं।

प्रथम तिलक वशिष्ठ मुनि कीन्हा

महाराजश्री ने नवाह कथा के समापन दिवस पर पोथी पूजन किया। इससे पूर्व मंच पर राम राज्या भिषेक का महोत्सव मनाया गया। प्रथम तिलक वशिष्ट मुनि कीन्हा..चौपाई के साथ उपस्थित जन समुदाय अपने आराध्य के राज्यारोहण पर भाव विहल था। मंच पर भगवान का तिलक वंदन किया गया। प्रभु श्रीराम की नयनाभिराम झांकी सबका मन मोह रही थी। पूरे पंडाल में मानो उत्तर कांड की खुशी का संचार हो गया था। कथा उपरांत इशिता विश्वकर्मा और मनीष अग्रवाल के भजनों ने समां बांध दिया।

युद्धलीला से गृह आगमन की कथा

समापन दिवस महाराजजी ने युद्ध लीला से लेकर प्रभु के वनवास से लौटने की कथा सुनाई। रावण का अहंकार, माता सीता की अग्नि परीक्षा, लंका दहन, लक्ष्मण शक्ति सहित कई कथाओं का महाराजजी ने मनभावन गायन किया। सुंदर कांड की लेकर महिमा महाराजश्री ने विलक्षण व्याख्या की। भाव विहल भरत जी का प्रभु से मिलने का वर्णन भाव पूर्ण बन गया। महाराज जी ने कथा के माध्यम से शहरवासियों को आदर्श जीवन जीने के कई महत्वपूर्ण सूत्र दिए।

सभी दें शुभकामनाएं

जगविख्यात मानस मर्मज्ञ, रामदृष्टा, पद्मविभूषण, जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी श्री रामभद्राचार्य जी महाराज ने उपस्थित श्रद्धालुओं से कहा कि आप सभी शुभकामनाएं दें, कि वे अपना कठिन अनुष्ठान पूरा करने के बाद पुनः मुस्कुराता हुआ पुनः रामनाम की महिमा गाने आप सभी के सम्मुख आऊं। समरसता सेवा संगठन के संदीप जैन, अखिल मिश्रा ने नर्मदा तट पहुंचने पर महाराजश्री का स्वागत कर उन्हें वंदन किया। महाराजजी के आदेश पर सभी को प्रभु का प्रसाद और फलाहारी अप्लाहार की व्यवस्था कराई गई।

- राम जनम जग मंगल हेतु चौपाई हुई साकार
- संस्कारधानी का मंगल कर गए रामभद्राचार्यजी
- समरसता सेवा संगठन ने रच दिया इतिहास
- राममय हुए सर्व जाति-वर्ग के आम और खास
- नर्मदामाई ने भी रामजी को माना भाई
- रामकथा के समापन पर भाव विभोर हुए महाराजश्री

समरसता सेवा संगठन की सर्वत्र प्रशंसा

रामकथा के दिव्य और भव्य आयोजन को लेकर समरसता सेवा संगठन की सबने प्रशंसा की। समरसता मूल्यों के लिए काम कर रही संस्था के अध्यक्ष संदीप जैन का सभा ने करतल ध्वनि से स्वागत किया। सभी समाजों-जातियों के लोगों के बीच समरसता के भाव बना रहे, इसकी कामना आयोजकों ने की। उल्लेखनीय है कि हर समाजों के शीर्ष मनीषियों की जयंती पर विचार गोष्ठी, तत्समाजिक बंधुओं का सम्मान करते हुए संगठन ने उनकी बात सिर्फ उनके स्वजातीय नहीं बल्कि पूरा समाज माने और जाने, इस भाव से सब सबको जानें सब सबको मानें को विचार मान ध्येय वाक्य रखा। कजलियां-रंग पंचमी जैसे सामाजिक सद्भाव के कार्यक्रम आयोजित कर सबको एक सूत्र में पिरोने का प्रयास किया गया। इसी कड़ी में शहर में आयोजित रामानंदाचार्य परंपरा की रामकथा में सबको यजमान बना कर सबको रामजी की सेना बनाया।

संतो का मिला सानिध्य

श्रीराम कथा में पूज्य संत जगद्गुरु स्वामी नरसिंहदेवाचार्य जी, स्वामी गिरीशानंद जी सरस्वती, साध्वी कृष्णा निशा तिवारी के साथ पूज्य संतो का सानिध्य मिला।

समरसता सेवा संगठन के आगामी त्रिवर्षीय कार्यकाल हेतु अध्यक्ष श्री पवन पांडे एवं सचिव श्री मनोज सेठ बने -*

पूज्यपाद जगद्गुरु रामभद्राचार्य जी की पावन उपस्थिति में समरसता सेवा संगठन के अध्यक्ष श्री संदीप जैन ने संगठन के नए अध्यक्ष हेतु श्री पवन पांडे वरिष्ठ पत्रकार, एवं नए सचिव हेतु श्री मनोज सेठ के नाम की घोषणा की। नवीन अध्यक्ष एवं सचिव की घोषणा का सभी सदस्यों एवं उपस्थित श्रोताओं ने करतल ध्वनि करते हुए स्वागत किया।

जगद्गुरु स्वामी आजीवन संरक्षक एवं संदीप जैन आजीवन संस्थापक अध्यक्ष रहेंगे

नई घोषणा के उपरांत जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य जी ने मंच से नए पदाधिकारियों को आशीर्वाद देते हुए कहा समरसता सेवा संगठन के नए अध्यक्ष एवं नए सचिव बन गए है, इस संगठन का शुभारम्भ मैंने ही किया था इसीलिए अपने अधिकार से यह घोषणा करता हुँ कि संदीप जैन इस संगठन के आजीवन संस्थापक अध्यक्ष रहेंगे और मै स्वयं आजीवन इस संगठन का संरक्षक रहूँगा। समरसता सेवा संगठन के अध्यक्ष श्री संदीप जैन ने अपने उद्बोधन में समरसता सेवा संगठन की तीन वर्षों की यात्रा पर संक्षिप्त प्रकाश डाला साथ ही उन्होंने इन तीन वर्षों संगठन को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने के लिए संगठन के सदस्यों के साथ ही सर्व समाज के प्रति भी कृतज्ञता व्यक्त की।

इशिता विश्वकर्मा के भजनों से मंत्र मुग्ध हुए श्रोता

श्रीराम कथा के अंतिम दिवस पर सारेगामापा विजेता जबलपुर की गौरव बेटी सुश्री इशिता विश्वकर्मा ने भगवान राम के भजनो की प्रस्तुति दी। उनके ठुमक चलत रामचंद्र, बाजत पैजानिया सुनकर न सिर्फ श्रोता अपितु जगद्गुरु भी मंत्र मुग्ध हो गए। जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य जी ने भी अपनी वाणी से इस भजन को गाया।

मेहरा डेहरिया समाज का मिलन समारोह संपन्न विधायक नागेश ने की एक लाख की घोषणा

जबलपुर। मेहरा (डेहरिया) समाज का विशाल पारिवारिक मिलन समारोह एवं युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन 12 अप्रेल को मानस भवन, राइट टाउन, जबलपुर, मध्य प्रदेश में संपन्न हुआ। आयोजित प्रांतीय मिलन समारोह में गोटेगांव विधायक महेंद्र नागेश ने समाज के उत्थान के लिए एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। मेहरा (डेहरिया) समाज समिति, आयोजकों ने बताया कि यह कार्यक्रम समाज की एकता को सुदृढ़ करने और वैवाहिक संबंधों के लिए एक मंच प्रदान करने के उद्देश्य से किया गया था। साथ ही समाज के युवक-युवतियां बड़ी संख्या में सम्मिलित हुए, सामाजिक विषयों पर चर्चा की गई, वहीं प्रदेश और जिला समितियों के निर्णयों पर चर्चा गई एवं महिला शक्ति के नेतृत्व में आरक्षण और भागीदारी देने पर विचार विमर्श किया गया। इस मौके पर मेहरा (डेहरिया) समाज समिति, संस्कारधानी, जबलपुर के पदाधिकारी बड़ी संख्या में सम्मिलित हुए, समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष बृजेश भट्ट, प्रांतीय कार्यकारी अध्यक्ष जागेश्वर सुरजये, एनपी झरिया, मीडिया प्रभारी हरि मेहरा आदि उपस्थित रहे।

किसानों के अधिकारों की लड़ाई तेज, युवक कांग्रेस का कलेक्ट्रेट घेराव, प्रशासन से तीखी झड़प

जबलपुर। प्रस्तावित अमेरिका-भारत ट्रेड डील के विरोध में तथा किसानों के अधिकारों की रक्षा और बढ़ती महंगाई के विरुद्ध आज जबलपुर में युवक कांग्रेस द्वारा व्यापक शक्ति प्रदर्शन किया गया। हजारों कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर कलेक्ट्रेट का घेराव किया और सरकार की नीतियों के विरोध में जोरदार नारेबाजी की। इस आंदोलन की गूंज पूरे शहर में सुनाई दी। कार्यक्रम की शुरुआत सिविक सेंटर में आयोजित एक विशाल सभा से हुई, जिसमें युवक कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदयभानु चिब, प्रदेश अध्यक्ष यश लखन घनघोरिया, प्रदेश प्रभारी शिवि सिंह चौहान तथा राष्ट्रीय महासचिव मिलेन्द्र सिंह यादव मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उनके नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने किसानों के हितों की रक्षा का संकल्प लिया। सभा के उपरांत रैली के रूप में सभी कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट पहुंचे, जहां उन्होंने राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगों से प्रशासन को अवगत कराया। स्थिति उस समय तनावपूर्ण हो गई जब प्रदर्शनकारियों को रोकने हेतु पुलिस द्वारा घंटाघर क्षेत्र में बेरिकेडिंग की गई। इस दौरान बल प्रयोग एवं पानी की बौछारें भी की गईं, किंतु कार्यकर्ता पीछे हटने की बजाय अपनी मांगों को लेकर डटे रहे और अपनी आवाज बुलंद करते रहे।युवक कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की त्रुटिपूर्ण नीतियों तथा प्रस्तावित अमेरिका-भारत ट्रेड डील के कारण किसान आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में किसानों की फसलों को उचित मूल्य नहीं मिल रहा है, न ही उन्हें समुचित मुआवजा एवं बोनस प्रदान किया जा रहा है। इसके परिणामस्वरूप किसान अत्यंत कठिन परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं। साथ ही, महंगाई, बेरोजगारी तथा गैस, पेट्रोल एवं डीजल की बढ़ती कीमतों ने आमजन एवं किसान के जीवन को भी प्रभावित किया है। युवक कांग्रेस ने ज्ञापन के माध्यम से सरकार को चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो आंदोलन को और व्यापक एवं उग्र रूप दिया जाएगा।

घेराव में राष्ट्रीय अध्यक्ष युवक कांग्रेस उदयभानु चिब, राष्ट्रीय महासचिव शिवि सिंह चौहान, मप्र प्रभारी युवक कांग्रेस मितेन्द्र सिंह यादव, राष्ट्रीय महासचिव रूपेश भदौरिया, यश लखन घनघोरिया युवक कांग्रेस मप्र अध्यक्ष, सत्येन्द्र कुकरेले जिला अध्यक्ष शहर जबलपुर, शुभम श्रीवास्तव जिला अध्यक्ष ग्रामीण जबलपुर, पारस जैन, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष, उवैस अंसी, जतिन राज, रत्नेश अवस्थी, शशांक दुबे, राजेश यादव, अमरीश मिश्रा, मुख्य संगठन नेता पूर्व कैबिनेट मंत्री विधायक लखन घनघोरिया, पूर्व कैबिनेट मंत्री तरुण भनोत, नगर अध्यक्ष सौरभ शर्मा, ग्रामीण अध्यक्ष संजय यादव, दिनेश यादव, मुन्नू पंडा सहित शहर के समस्त कांग्रेस लीडर उपस्थित रहे।

"नारी शक्ति वंदन" पखवाड़ा के अंतर्गत व्याख्यान आयोजित

नारी केवल शक्ति नहीं, बल्कि सृजन, संस्कार और समाज की आधारशिला है : डॉ. निशा तिवारी

जबलपुर। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस, शासकीय महाकोशल स्वशासी अग्रणी महाविद्यालय, जबलपुर द्वारा "नारी शक्ति वंदन" पखवाड़ा के अंतर्गत 13/04/2026 को व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. निशा तिवारी, 81 वर्षीय प्रख्यात लेखिका एवं आलोचक ने अपने उद्बोधन में नारी के साहित्यिक योगदान और उसके संघर्षों को रेखांकित किया। उन्होंने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने और अपनी प्रतिभा को पहचानने के लिए प्रेरित किया। नारी केवल शक्ति नहीं, बल्कि सृजन, संस्कार और समाज की आधारशिला है।

कार्यक्रम में वक्ता के रूप में उपस्थित डॉ. राजलक्ष्मी त्रिपाठी, जिला नोडल अधिकारी, स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना ने छात्राओं को कौशल विकास की विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में वक्ता डॉ. चित्रा प्रभात, प्राध्यापक राजनीति शास्त्र ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुये कहा कि सरकार द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं। विशेष रूप से नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं को राजनीतिक क्षेत्र में समान भागीदारी देने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

कार्यक्रम संयोजक प्रो. अरुण शुक्ल ने नारी सशक्तिकरण के सामाजिक, शैक्षिक और सांस्कृतिक आयामों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति समाज की आधारशिला है और उसके सम्मान एवं सशक्तिकरण से ही राष्ट्र का समग्र विकास संभव है।

इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक प्रो. अरुण शुक्ल द्वारा डॉ. निशा तिवारी, डॉ. राजलक्ष्मी त्रिपाठी, डॉ. चित्रा प्रभात को पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में डॉ. सुदामा प्रसाद धूमकेती, डॉ. बी.डी. कोष्टी, डॉ. रवि सिंह, डॉ. महेन्द्र कुशवाहा, डॉ. तरुणेन्द्र साकेत के साथ महाविद्यालय के लगभग 43 विद्यार्थी उपस्थित रहे।

नितिन मिश्रा पर कानूनी कार्यवाही करने पुलिस अधीक्षक को सौंपा ज्ञापन

जबलपुर। लोधी महासभा जबलपुर ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर आरोपी नितिन मिश्रा पर सख्त कानूनी कार्यवाही कर उसके द्वारा शासकीय भूमि पर बने अवैध भवन को ध्वस्त किए जाने की मांग की है। आवेदकों ने बताया कि 09 अप्रेल 2026 को रात्रि 08 बजे ग्राम परतला थाना बरेला जिला जबलपुर के अंतर्गत एक लगुन कार्यक्रम में आरोपी नितिन मिश्रा अपने चार अन्य साथियों के साथ रिवाल्वर के साथ लगुन का सामान, रुपया आदि लूटने के इरादे से पहुंचा। काले रंग की स्कार्पियो से पहुंचे लोगों ने फायरिंग की, जिसमें से एक गोली कमलेश पटैल उर्फ पंकज के सीने में लगी जो अब मरणासन्न अवस्था में मेट्रो अस्पताल में इलाजरत है। घटना के बाद से आरोपी नितिन मिश्रा, विनोद पटैल, धीरज पटेल, कपिल महाराज फरार हैं, जो खुलेआम घूम रहे हैं। बतया गया नितिन मिश्रा आदतन अपराधी है, जो बंगलादेशी घुसपैठियों को संरक्षण देता है, वहीं 50 से अधिक लोगों को शासकीय भूमि में अवैध कब्जा कराये हुए है एवं स्वयं का मकान भी शासकीय भूमि पर बनाया हुआ है, जिस पर कार्यवाही करते हुए अपराधियों पर सख्त कार्यवाही की जाए। साथ ही वारदात में उपयुक्त स्कार्पियो गाड़ी राजसात की जाए।

हज यात्रियों के लिए तर्बियती कैंप आज

जबलपुर। जमाअत रज़ा-ए-मुस्तफा जबलपुर की ओर से हज पर जाने वाले यात्रियों के लिए तर्बियती (प्रशिक्षण) कैंप का आयोजन मंगलवार 14 अप्रैल को आयोजित है। यह कैंप नमाज-ए-मग़रिब के बाद ईदगाह कलां, रानीताल में आयोजित होगा। कैंप में हज यात्रा से जुड़ी जरूरी जानकारियां, अरकान-ए-हज और विभिन्न प्रक्रियाओं का विस्तार से प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि हज यात्री अपनी यात्रा को सही तरीके से अंजाम दे सकें।कार्यक्रम के अंत में नमाज-ए-इशा के बाद भोजन की व्यवस्था भी रखी गई है। जमाअत रज़ा-ए-मुस्तफा के संयोजक मुफ्ती सैय्यद अब्दुल रहमान ने सभी हज यात्रियों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर इस प्रशिक्षण का लाभ उठाने की गुजारिश की है।

सेन महाराज की 726वीं जयंती आज

जबलपुर। संत शिरोमणि सेन महाराज की 726वीं जयंती का शुभारंभ वर्षों पुरानी परम्परा के अनुसार बड़े महावीर स्थित शिव मंदिर प्रांगण में विराजमान सेन महाराज की मूर्ति का पूजन अर्चन षोडोपचार विधि से वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ 14 अप्रैल को प्रातः 9:00 बजे से किया जायेगा। इस अवसर पर समाज के सभी स्वजातीय वरिष्ठ समाज सेवी अनिल उसरेटे, सीताराम सेन, रामदास सेन, राजू सेन, राजेन्द्र सेन, अजय सेन मिंटू, आरडब्ल्यू नापित, उमेश सेन, आदि।

डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में "यश गौरव सम्मान" का आयोजन आज

जबलपुर। संकल्प शिक्षा एवं जनकल्याण समिति द्वारा डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के पावन अवसर पर यश ग्रुप ऑफ स्कूल्स, अधारताल एवं गोहलपुर, जबलपुर द्वारा समाज सेवा में उत्कृष्ट योगदान देने वाले क्षेत्र के समस्त पार्षदगण, आशा कार्यकर्ता एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को सम्मानित करने हेतु "यश गौरव सम्मान" कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।यह कार्यक्रम दिनांक 14 अप्रैल, प्रातः 10:00 बजे आयोजित किया जाएगा, जो संस्था संचालक डॉ. विजयकांत तिवारी एवं सोनल तिवारी के मार्गदर्शन में संपन्न होगा। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के उन कर्मठ और समर्पित व्यक्तियों को सम्मानित करना है, जिन्होंने अपने कार्यों के माध्यम से समाज के विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं जनकल्याण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आशा कार्यकर्ता एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने विशेष रूप से जनस्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास के क्षेत्र में सराहनीय कार्य किया है, वहीं पार्षदगण ने क्षेत्रीय विकास में सदैव एक मजबूत कड़ी बनकर उल्लेखनीय योगदान दिया है।कार्यक्रम के माध्यम से इन सभी के कार्यों को पहचान और सम्मान प्रदान करते हुए समाज में सकारात्मक प्रेरणा का संचार किया जाएगा। डॉ. विजयकांत तिवारी द्वारा बताया गया कि हमेशा सामाजिक कार्यों में अग्रणी संस्था यश ग्रुप ऑफ स्कूल्स द्वारा आयोजित यह पहल समाज में, शिक्षा, सेवा, समर्पण एवं उत्कृष्ट कार्यों के प्रति सम्मान की भावना को और अधिक सुदृढ़ कर सकेगी। कार्यक्रम में गणमान्य नागरिकों, अभिभावकों एवं क्षेत्रवासियों की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी।

पशुपालन एवं डेयरी विभाग की प्रदेश स्तरीय चिंतन बैठक संपन्न

जबलपुर। पशुपालन एवं डेयरी विभाग तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी विभागीय कर्मचारी कल्याण समिति मप्र प्रांतीय कार्यकारिणी की प्रदेश स्तरीय चिंतन बैठक संपन्न हुई। बैठक में सचिन शर्मा, प्रांतीय अध्यक्ष पशुपालन एवं डेयरी विभाग तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी विभागीय कर्मचारी कल्याण समिति मप्र भोपाल ने बताया कि विगत दिनों निर्धारित कार्यक्रम अनुसार पशुपालन विभाग तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के प्रांतीय एवं संभागीय पदाधिकारियों का एक प्रदेशव्यापी सम्मेलन झीलों की नगरी (राजधानी) के परंपरा गार्डन में सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर समिति की अधिकृत वेबसाईट https://pesmp.in/ का शुभारम्भ वरिष्ठ सलाहकार आर.के. बघेल एवं धर्मेन्द्र सिंह द्वारा किया गया, इस अवसर पर आर.के. बघेल ने अपने संबोधन में संगठन में एकजुटता बनाये रखने की आवश्यकता पर बल दिया। साथ ही सदस्यता अभियान को व्यापक बनाने पर जोर दिया। बैठक का आयोजन तीन चरणों किया गया।बैठक के प्रथम चरण में उपस्थित कर्मचारियों संभग स्तर पर सात टीम बनाई गई, जिसमें सदस्यता अभियान की स्थिति का आंकलन किया गया एवं कर्मचारियों की सामूहिक एवं निजी समस्याओं पर विचार किया गया, कर्मचारियों की समस्याओं के निराकरण हेतु समस्त जिलाध्यक्षों को जवाबदारी सौंपी गई, साथ ही पी.पी.एल. 2026 का अद्वितीय आयोजन किये जाने पर सागर से पधारी आयोजन समिति के सदस्यों गगन लड़िया, आयुष बाजपेयी, शशिकांत चौरसिया, अमित बोहरे का सम्मान विनय मेहरा, प्रदेश सचिव, रामेन्द्र कुशवाहा, प्रदेश संयोजक कु. पारूल सोनी प्रदेश महिला संयोजक, ज्ञानेन्द्र सिंह, प्रदेश प्रचारमंत्री अर्पित खत्री, कोषाध्यक्ष जबलपुर, गुलशन पिंगलम के द्वारा किया गया।

द्वितीय चरण में ऑन लाईन सदस्यता अभियान शुरू किया गया, लगभग आधे घंटे में ही 453 सदस्यों नें सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर आगामी पी.पी.एल. 2027 की मेजबानी दिये जाने हेतु प्राप्त जिलों की दावेदारियों की अधिक संख्या को देखते हुए एक समिति गठित किये जाने पर विचार किया गया। साथ ही पीपीएल 2027 में कर्मचारियों की मांग को देखते हुए खेलों के दिन बढ़ाने (दो दिन की अपेक्षा तीन दिन का आयोजन) पुरूष बैडमिंटन, पर विचार किया गया और महिलाओं के बैडमिंटन में दो कैटेगरी होंगी (20-40 वर्ष एवं 40 से अधिक) वर्ष का आयोजित होगा।

तृतीय चरण में समिति की पत्रिका "अविरल धारा" के प्रकाशन हेतु प्रदेश के समस्त कर्मचारियों से अपनी प्रविष्टियां आमंत्रित की गईं, सभी जिलों से उत्कृष्ट कार्यों और समाज सेवा विवरण फोटो सहित भेजने हेतु आग्रह किया गया।

चौथे चरण में नवनियुक्त प्रांतीय कार्यकारिणी के सदस्यों नरेन्द्र सिंह सेंगर उज्जैन, सुहेल अनवर खान जबलपुर, कमलेश कुमार कोरी टीकमगढ़, ममता अहिरवार छतरपुर, बलराम सिंह ठाकुर सागर, सोमनाथ सोनी जबलपुर, विकास श्रीवास्तव सागर, प्रभा साह दमोह, ओपी शिवहरे ग्वालियर, सनत मिश्रा रीवा, जयंत शुक्ला बड़वानी, अरविंद कमलेशिया बालाघाट, विशाल वर्मा बुरहानपुर, बेताव पाल ग्वालियर में से उपस्थित लोगों का स्वागत आर.के. बघेल, भूपेन्द्र सिहं चौहान, धर्मेन्द्र सिंह, संदीप त्रिपाठी, श्याम धुर्वे, माया धारपुरे, कांति मर्सकोले, बाल्मीक अहिरे, धीरज शर्मा, आर.के. बंसोड़, अनेश भारती, दिव्यांश अग्नीहोत्री, निरंजन नामदेव, पौराणिक जी के द्वारा किया गया।

बजरंग मठ सूपाताल में नेत्र शिविर प्रारम्भ

जबलपुर। दादा वीरेंद्रपुरी के जन्मोत्सव पर बजरंग मठ सूपाताल में नेत्र शिविर का आयोजन किया गया। बाबूशंकर सोनकर, डॉ. पवन स्थापक और दादा वीरेंद्रपुरी शिष्य मंडल की उपस्थिति में सुबह दस बजे परम पूज्य बाबा विश्वनाथपुरी द्वारा दीप प्रजज्वलन कर नेत्र शिविर का शुभारम्भ किया गया। नेत्र शिविर में 346 मरीजों का नेत्र परिक्षण किया गया जिसमें 98 मरीज मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चयनित किये गए। 06 मरीज ऐसे पाए गए जिनमें मधुमेह के दुष्परिणाम के कारण आँख के परदे पर खून के धब्बे जमा थे, 07 मरीज कांचियाबिंद से ग्रसित और 03 मरीज कॉर्नियल ओपेसिटी से ग्रसित पाए गए। अन्य सभी मरीजों को निःशुल्क दवाइयाँ वितरित की गयी।

डॉ. पवन स्थापक ने बताया कि चयनित मरीजों को बस के माध्यम से दादा वीरेंद्रपुरी नेत्र संस्थान (देवजी नेत्रालय) तिलवारा घाट ले जाया गया, जहां अत्याधुनिक तकनीक से इन मरीजों का लेंस प्रत्यारोपण किया जायेगा। शिविर के संयोजक बाबूशंकर सोनकर ने बताया कि मरीजों का ऑपरेशन, भोजन, दवाइयां, चश्मे और परिवहन आदि निःशुल्क रहेगा।

इस अवसर पर डॉ. पवन स्थापक, बाबूशंकर सोनकर, अनुपमा स्थापक, डॉ. आयुष टंडन, डॉ. अर्पिता स्थापक, शशांक दुबे, डॉ. सोनिया टंडन, डॉ. महेश स्थापक, डॉ. एच.पी. तिवारी, राजेश सोनकर, राजीव सोनकर, भोलाराम खत्री, अजीत दुबे, मोती शिवहरे, डॉ. अपूर्वा स्थापक, अंशुल ज्योतिषी, एड. अपर्णा स्थापक, बबलू सोनकर, दुर्गा बहन समेत दादा भगवान के अन्य शिष्य उपस्थित रहे।

न्यायालय तहसीलदार रांझी जबलपुर
रा.प्र.क्रं/1590/अ-6/2025-26
आम इश्तहार
आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक माया बाई W/o स्व. लक्ष्मण प्रसाद पाण्डेय नि.-2519 न्यू कंचनपुर तीन पुलिया के पास ने नजूल ब्लाक नं.- प्लाट नं.- रकवा -1380 व.फु./हे. ग्राम -भड़पुरा प.ह.नं.- खसरा नं.-289/20/1 रकवा-1380 व.फु./हे. पर विक्रय पत्र/ हक त्याग/ वसीयतनामा/ दानपत्र/ वारसान हक/ दिनांक- मृत्यु दिनांक-03/09/2023 को हो जाने के कारण वारसान हक/ क्रय उपरांत नाम दर्ज किये जाने का आवेदन पत्र- खसरा की छायाप्रति प्रस्तुत किया है।
प्रकरण में आवेदक द्वारा संलग्न नजूल संधारण खसरा/पटवारी/ डायवर्सन खसरा अनुसार नजूल ब्लाक नं.- प्लाट नं.- रकवा-1380 व.फु.हे. / ग्राम-भड़पुरा प.ह.नं.- खसरा नं.-289/20/1 रकवा-1380 व.फु./हे. पर के नाम दर्ज है।
अतः किसी व्यक्ति विशेष या संस्था को आपति हो तो अपनी लिखित आपति स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से दिनांक 13/04/2026 को इस न्यायालय तहसील रांझी जबलपुर में प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त आपत्तिकर्ता की आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं की जावेगी।
इश्तहार आज दिनांक 19/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।
जारी दिनांक-19/02/2026
पेशी दिनांक-13/04/2026
मुद्रा
तहसीलदार
रांझी, जबलपुर

पतंजलि अनुसंधान संस्थान लगातार दूसरी बार राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित

यह पुरस्कार मात्र एक सम्मान नहीं, पतंजलि के वैज्ञानिकों की वर्षों की मेहनत, समर्पण और वैज्ञानिक सोच का परिणामः आचार्य बालकृष्ण

हरिद्वार। वैज्ञानिक उत्कृष्टता और नवाचार की अपनी निरंतर यात्रा को आगे बढ़ाते हुए, पतंजलि अनुसंधान संस्थान ने एक बार पुनः राष्ट्र का गौरव बढ़ाया है। संस्थान को डॉ. पी.डी. सेठी नेशनल एचपीटीएलसी पुरस्कार 2025 में प्राइवेट इंडस्ट्री कैटेगरी में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। पिछले वर्ष भी संस्थान को यह पुरस्कार प्राप्त हुआ था।

यह प्रतिष्ठित पुरस्कार संस्थान को उनके आंवला के बीज तेल पर किए गए उत्कृष्ट शोध कार्य के लिए मिला, जिसमें इसके शक्तिशाली एंटी-माइक्रोबियल और बायोफिल्म-रोधी गुणों को उजागर किया गया है। इस अवसर पर आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि यह पुरस्कार मात्र एक सम्मान नहीं, पतंजलि के वैज्ञानिकों की वर्षों की मेहनत, समर्पण और वैज्ञानिक सोच का परिणाम है। आगे उन्होंने कहा की यह हर उस वैज्ञानिक के समर्पण की जीत है जो प्रतिदिन विश्व को एक सुगम, सुरक्षित और प्रभावी समाधान प्रदान करने के लिए

दृढ़ संकल्पित है। पतंजलि के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. अनुराग वार्ष्णेय ने इस अवसर पर बताया कि डॉ. पी.डी. सेठी नेशनल एचपीटीएलसी पुरस्कार, देश में एनालिटिकल केमिस्ट्री के क्षेत्र में उत्कृष्ट शोध को पहचान देने वाला एक प्रतिष्ठित मंच है। इस मंच पर लगातार दूसरी बार पुरस्कार प्राप्त करना संस्थान के लिए गर्व का विषय है, और यह संस्थान की सुदृढ़ वैज्ञानिक आधारशिला को दर्शाता है। आगे उन्होंने कहा कि आंवला पर किए गए इन्हीं शोध के आधार पर भारतीय उद्योग परिसंघ द्वारा भी संस्थान को पिछले वर्ष 10वें अंतरराष्ट्रीय "वेस्ट टू वर्थ" सम्मेलन एवं 4आर पुरस्कार 2025 संस्करण में "अवार्ड ऑफ मेरिट" से सम्मानित किया गया था। ज्ञात हो कि आंवला बीज के तेल पर किए गए इन शोधों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सराहना मिली है। प्रतिष्ठित एल्सेवियर प्रकाशन ने पतंजलि के दोनों शोधों को एक साथ अपने शोध पत्रिका 'एप्लाइड फूड रिसर्च' के अंक में भी स्थान दिया था।

पोर्टर ने जबलपुर में अपनी सेवाएं शुरू की

जबलपुर। भारत की प्रमुख डिजिटल माल ढुलाई एजेंसी, पोर्टर ने जबलपुर में प्रवेश की घोषणा की है। इसके साथ ही शहर के बढ़ते एमएसएमई इकोसिस्टम के लिए कुशल और विश्वसनीय माल ढुलाई को सक्षम करने का इसका मिशन और मजबूत हुआ है। संचालन टू-व्हीलर माल ढुलाई के साथ शुरू हुआ है। टिकाऊ और कुशल माल ढुलाई में सहयोग करने के लिए, आने वाले महीनों में थ्री-व्हीलर्स और टाटा ऐस सहित बड़ी वाहन श्रेणियों को पेश करने की योजना है। इंजीनियरिंग सामान, कृषि उपकरण और एग्रो प्रोसेसिंग से जुड़े एमएसएमई के लिए एक प्रमुख क्षेत्रीय केंद्र होने के नाते, जबलपुर में पोर्टर का प्रवेश शहर के माल ढुलाई इकोसिस्टम को मजबूत करने का एक शानदार अवसर मिलेगा।

सरकार ने राष्ट्रव्यापी अभियान के द्वारा उपभोक्ताओं के लिए एलपीजी की उपलब्धता सुनिश्चित की

जबलपुर। भारत सरकार ने एलपीजी की जमाखोरी और कालाबाजारी पर रोक लगाने के लिए अपने सिस्टम को काफ़ी मजबूत बनाया है। साथ ही, सरकार ने देश भर में वास्तविक उपभोक्ताओं तक बिना किसी रूकावट के स्वच्छ ईंधन पहुँचाने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया है। एक राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत, अकेले 11 अप्रैल, 2026 को 2,700 से ज़्यादा इंस्पेक्शन कर छापे मारे गए। इस तरह की कार्रवाइयों का उद्देश्य अनियमितताओं का पता लगाना, घरेलू एलपीजी के गलत इस्तेमाल को रोकना और वितरण नेटवर्क में पारदर्शिता बढ़ाना है। इस बीच सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) ने भी एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटरशिप्स के अचानक इंस्पेक्शन के साथ अपनी निगरानी तेज कर दी है। इन कड़े निरीक्षणों के बाद, 219 डिस्ट्रीब्यूटरों पर जुर्माना लगाया गया है, जबकि तय नियमों का उल्लंघन करने वाले 56 डिस्ट्रीब्यूटरों का लाइसेंस निलंबित कर दिया गया है। इसके साथ ओएमसी ने ज़िम्मेदाराना इस्तेमाल को बढ़ावा देने और लास्ट-माईल पहुँच सुनिश्चित करने और उपभोक्ताओं को जागरुक बनाने के प्रयासों को भी बढ़ाया है। पिछले आठ दिनों में लगभग 3,300 जागरूकता शिविर आयोजित किए गए हैं, जिनमें विशेष रूप से 5 किलोग्राम वाले 'फ्री ट्रेड एलपीजी' (एफटीएल) सिलेंडरों की उपलब्धता और उन्हें अपनाने पर जोर दिया गया है; इन अभियानों के दौरान ऐसे 35,800 से ज़्यादा सिलेंडर बेचे गए। ये सभी प्रयास प्रवासी और वंचित आबादी की ज़रूरतों को पूरा करने औरघरेलू एलपीजी की आपूर्ति पर पड़ने वाले दबाव को भी कम करने में मददगार साबित हो रहे हैं। निगरानी और जागरूकता के ये उपाय भारत की एलपीजी वितरण प्रणाली के मजबूत बनाते हैं। घरेलू आपूर्ति स्थिर बनी हुई है, और किसी भी डिस्ट्रीब्यूटर के पास एलपीजी की कमी (स्टॉक खत्म होने) की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। सिर्फ 11 अप्रैल, 2026 को, पूरे देश में 52.3 लाख से ज़्यादा घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति की गई; यह आँकड़ा दुनिया भर में बदलती परिस्थितियों के बावजूद भी निर्बाध आपूर्ति बनाए रखने की क्षमता को दर्शाता है। सरकार का सक्रिय और शून्य-सहिष्णुता दृष्टिकोण उपभोक्ताओं की सुरक्षा, सिस्टम की अखंडता और जरूरी ऊर्जा संसाधनों की एकसमान पहुँच सुनिश्चित करने पर की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

किस्सा-ए-किताब... हर सत्र का दर्द, सस्ती पुस्तकें उपलब्ध लेकिन 'महंगा ज्ञान' अनिवार्य

रुचि वर्मा ▸▸| रायपुर

एनसीईआरटी की किताबों से कई गुना महंगी है निजी प्रकाशकों की पुस्तकें

खास खबर

1 अप्रैल से सीबीएसई विद्यालयों में नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत हो गई है। निजी स्कूलों ने फिर से पालकों को किताबों की लंबी-चौड़ी सूची थमा दी है। पालकों को निर्देशित भी कर दिया है कि उन्हें कौन सी दुकान से ये किताबें खरीदनी हैं। अध्ययन सामग्री खरीदने जा रहे पालक खाली जेब वापस लौट रहे हैं। यह हर साल का किस्सा है। कड़ी प्रशासनिक कार्रवाई नहीं होने के कारण प्रत्येक शैक्षणिक सत्र की शुरुआत में पालकों को अपने जरूरी खर्चों में कटौती करनी पड़ती है और निजी स्कूलों की मनमानी बर्दाश्त करनी पड़ती है। इस वर्ष भी यही हालात निर्मित हैं। किताबें बेहद महंगी हैं।

लौटा रहे केवल किताब मांगने पर

स्कूल किताब-कॉपियों के लिए किसी एक पुस्तक विक्रेता को अधिकृत कर रहे हैं, जो अधिकतम खुदरा मूल्य पर कॉपी और किताबों की बिक्री कर रहे हैं। पुस्तक विक्रेताओं के अधिकृत न होने पर अभिभावकों के पास अन्य दुकानों का विकल्प खुला होता है। इससे उन्हें एमआरपी पर 15 से 20 प्रतिशत तक छूट आसानी से मिल जाती है।

- सीबीएसई संबद्ध विद्यालयों में नया सत्र प्रारंभ, स्कूलों ने तय किया-कहां से कॉपी-किताब खरीदेंगे पालक

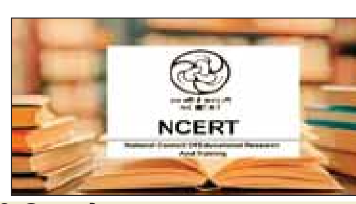

मात्र 9वीं कक्षा की किताबों पर काम

निजी प्रकाशक हर साल किताब के कंटेंट में मामूली बदलाव कर उसे नया बताते हैं, जिससे पुरानी किताबें काम नहीं आतीं। कई विद्यालय ऐसे भी हैं, जो निर्धारित विषयों के अतिरिक्त एक्स्ट्रा करिकूलम के नाम पर दर्जनभर किताबें छात्रों को पढ़ा रहे हैं।

सूचित करें पालक

अभिभावक अपनी सुविधानुसार किसी भी दुकान से कॉपी-पुस्तकें क्रय करने स्वतंत्र हैं। यदि उन्हें बाधित किया जा रहा है तो वे सूचित करें। निजी स्कूल यह तय नहीं कर सकते हैं कि पालकों को किताबें किस दुकान से खरीदनी है।

- **हिमांशु भारतीय**, जिला शिक्षा अधिकारी, रायपुर

30% किताबें इस्तेमाल ही नहीं

निजी स्कूल जो किताबें खरीदने के लिए कहते हैं, उनमें एटलस, डिक्शनरी, राइटिंग बुक जैसी 30% किताबें ऐसी होती है,जो इस्तेमाल में नहीं आती है। स्कूल इन्हें छात्रों को घर में पढ़ने कहते हैं।

- **दीपक बल्लीवार**, किताब विक्रेता, रायपुर

केवल मार्गदर्शन

निजी स्कूल केवल पालकों को मार्गदर्शन देते हैं कि किताबें उन्हें कहां मिल सकती हैं। किसी स्थान विशेष से खरीदने बाध्य नहीं किया जाता है।

- **राजीव गुप्ता**, अध्यक्ष, निजी स्कूल संघ

कीमतों में ऐसा अंतर

कक्षा	एनसीईआरटी	निजी प्रकाशक सेट
पहली	195	2000 से 3500 रुपए
दूसरी	260	2000 से 3500 रुपए
तीसरी	390	2500 से 4000 रुपए
चौथी	360	2500 से 4000 रुपए
पांचवी	600	2500 से 5000 रुपए
छठवीं	490	3000 से 5000 रुपए
सातवीं	585	3000 से 5500 रुपए
आठवीं	590	3500 से 5500 रुपए
नवमी	750	4000 से 6000 रूपए
दसवीं	700	4000 से 7000 रूपए

नोट : ग्यारहवीं और बारहवीं कक्षा की किताबें छात्रों द्वारा चुने गए विषय समूह जैसे-कला, वाणिज्य, विज्ञान अथवा गणित समूह के आधार पर भिन्न-भिन्न हैं। किंतु किसी भी संकाय की एनएसीईआरटी की किताबें 1500-2000 रुपए के रेंज में ही हैं, जबकि निजी हायर सेकंडरी कक्षाओं की निजी प्रकाशकों की किताबें 4000 रुपए से प्रारंभ होकर 7000 रुपए तक की रेंज में है।

राजस्थान में लहराया महाकोशल-विंध्य का परचम

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन का 30वें राष्ट्रीय अधिवेशन में 26 अवार्ड, सीए मनोज जैन बने देश के सर्वश्रेष्ठ रीजन अध्यक्ष

चांदखेड़ी (राजस्थान)। जैन अतिशय तीर्थ स्थल चांदखेड़ी में दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन का 30वां राष्ट्रीय अधिवेशन भव्यता एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। देशभर से पधारे पदाधिकारियों एवं प्रतिनिधियों की उपस्थिति में आयोजित अधिवेशन में महाकोशल-विंध्य रीजन ने उत्कृष्ट कार्यों के दम पर राष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट पहचान स्थापित की। अधिवेशन का उद्घाटन मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन 'आदित्य' के करकमलों द्वारा किया गया। अधिवेशन के दौरान महाकोशल-विंध्य रीजन के अध्यक्ष सीए मनोज जैन को सर्वश्रेष्ठ रीजन अध्यक्ष के प्रतिष्ठित सम्मान से नवाजा गया, वहीं रीजन के कोषाध्यक्ष सुनील घिया को श्रेष्ठ कोषाध्यक्ष के रूप में सम्मानित किया गया। यह उपलब्धियाँ वर्ष 2025 में रीजन द्वारा किए गए धार्मिक, सामाजिक, शैक्षणिक एवं स्वास्थ्य सेवाओं के उत्कृष्ट कार्यों का प्रतिफल हैं। राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी नितिन जैन एवं राष्ट्रीय सहसचिव संजय सम्यक ने बताया कि जबलपुर के विभिन्न सोशल ग्रुप्स ने अपने

उल्लेखनीय कार्यों के आधार पर कुल 26 अवार्ड प्राप्त कर रीजन का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया। जबलपुर मेन ग्रुप ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 8 अवार्ड अपने नाम किए। इसमें सर्वश्रेष्ठ अध्यक्ष का सम्मान मुल्कराज बादशा को प्राप्त हुआ। साथ ही पर्यावरण संरक्षण एवं स्क्रैप बुक श्रेणी में द्वितीय स्थान भी हासिल किया।इसी क्रम में एक महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए बताया गया कि जबलपुर मेन ग्रुप के वरिष्ठ सदस्य विनय-अनिता जैन को वर्ष 2026 के लिए पुनः दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के राष्ट्रीय महासचिव पद पर मनोनीत किया गया है। यह घोषणा फेडरेशन की संरक्षिका श्रीमती पुष्पा प्रदीप सिंह कासलीवाल की अनुशंसा पर पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष हँसमुख गांधी द्वारा अधिवेशन के मंच से की गई। अधिवेशन की भव्य स्मारिका 'चंद्रोदय घोष' के उत्कृष्ट एवं त्रुटिरहित संपादन हेतु प्रधान संपादक प्रशांत जैन सहित संपादकीय टीम—डॉ. यतीश जैन, गोपाल जैन, संजय सम्यक, विकास जैन एवं अंजुल जैन—को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। जबलपुर नगर ग्रुप ने भी उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए कुल 12 अवार्ड प्राप्त किए। ग्रुप के अध्यक्ष प्रफुल्ल-रीता जैन को श्रेष्ठ अध्यक्ष का सम्मान मिला। इसके अतिरिक्त मानव सेवा, धार्मिक गतिविधियाँ, पर्यावरण संरक्षण, मनोरंजन, शिक्षा एवं चिकित्सा सहयोग जैसे विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्यों के लिए 7 अन्य अवार्ड भी प्राप्त हुए। साथ ही ग्रुप को सर्वश्रेष्ठ बैनर प्रस्तुतिकरण एवं युग अस्तित्व बोध अवार्ड से भी सम्मानित किया गया।फेडरेशन के मुखपत्र "युग अस्तित्व बोध" के संपादन के लिए डॉ. संजय चंद्रा चौधरी को सम्मानित किया गया। साथ ही महाकोशल-विंध्य रीजन को सर्वश्रेष्ठ बैनर प्रस्तुतिकरण का अवार्ड भी प्राप्त हुआ।इसके अतिरिक्त सोशल ग्रुप संस्कारधानी ने भी अपनी सक्रियता का परिचय देते हुए 6 अवार्ड प्राप्त किए। इनमें श्रेष्ठ ग्रुप, श्रेष्ठ अध्यक्ष, धार्मिक गतिविधि, राष्ट्रीय गतिविधि, मनोरंजन गतिविधि एवं मानव सेवा जैसी प्रमुख श्रेणियाँ शामिल रहीं।इस अधिवेशन में महाकोशल-विंध्य रीजन के विभिन्न ग्रुप्स की उपलब्धियों ने यह सिद्ध कर दिया कि संगठित प्रयास, सेवा भावना एवं समर्पण से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है।

राशिफल

मेष — मन परेशान हो सकता है। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। पिता का साथ मिलेगा। नौकरी में यात्रा पर जा सकते हैं।

वृष — नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों में मान-सम्मान मिलेगा। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। खर्च अधिक रहेंगे।

मिथुन — कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च बढ़ेंगे। मन प्रसन्न रहेगा। व्यर्थ के क्रोध से बचें।

कर्क — किसी मित्र के सहयोग से रोजगार के अवसर मिल सकते है। क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। पारिवारिक समस्याएं परेशान कर सकती हैं।

सिंह — परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। सम्मान में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। पिता से धन की प्राप्ति हो सकती है। यात्रा पर जाना हो सकता है।

कन्या — संयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त हो सकते हैं। अफसरों से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

तुला — नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। वाणी में मधुरता रहेगी। अपनी भावनाओं को वश में रखें। कारोबार की स्थिति में सुधार होगा।

वृश्चिक — मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। सेहत का ध्यान रखें। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

धनु — सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च बढ़ेंगे। पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। परिवार में व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें।

मकर — किसी भवन या सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। कारोबार में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। परिश्रम अधिक रहेगा। भाई-बहनों का साथ मिलेगा।

कुंभ — आय में वृद्धि तो होगी, परन्तु अनियोजित खर्चों में वृद्धि होगी। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों के लिए यात्रा पर जा सकते

मीन — शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। आय भी बढ़ेगी। क्रोध के अतिरेक से बचें। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा।

दिल्ली का सिंगर रायपुर में खपा रहा था समुद्री गांजा नाइट क्लब में सप्लाई

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

दुर्ग के बाद रायपुर सिविल लाइंस पुलिस ने दिल्ली के एक तस्कर के कब्जे से समुद्री गांजा जब्त किया है। जब्त समुद्री गांजा को ओसियन ग्रोथ (ओजी) के नाम से भी जाना जाता है। जब्त 114 ग्राम गांजा की कीमत ढाई लाख रुपए आंकी गई है। साथ ही पुलिस ने दिल्ली के तस्कर से पौने तीन किलो सामान्य गांजा भी जब्त किया है। तस्कर समुद्री गांजा को कुरियर के माध्यम से मंगाकर पार्टी, क्लब में खपाने का काम कर रहा था। समुद्री गांजा तस्करी के आरोप में पुलिस ने दिल्ली ईस्ट निवासी रितिक पसरिचा (26) को गिरफ्तार किया है। रितिक पिछले दो महीने से शंकर नगर स्थित अशोका हाईट्स में किराए के मकान में रहता था। पुलिस के अनुसार रितिक शनिवार को कटोरा तालाब इलाके में समुद्री गांजा की सप्लाई करने पहुंचा था। इसकी जानकारी पुलिस को मिली। इसके बाद पुलिस ने रितिक की घेराबंदी कर पकड़ा और उसके बैग की तलाशी ली तो बैग में समुद्री गांजा मिला।

न्यायालय अपर कलेक्टर एवं विशेष विवाह अधिकारी जिला सतना (म.प्र.)

/प्रवा/अपर काले./26 आज दिनांक-09/02/2026

// सार्वजनिक सूचना //

विशेष विवाह अधिनियम 1954 की धारा 6 के तहत

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक रमन मिश्रा तनय श्री वीरेन्द्र मिश्रा उम- 28 वर्ष, (24/08/1997) स्थिति अविवाहित व्यवसाय नौकरी, स्थायी निवासी सरसवाही ढीमर खेड़ा. थाना एवं तहसील-स्लीमनाबाद जिला कटनी म.प्र. पिनकोड 483440 हॉल मुकाम यंग मैनेजर एकमडेसन आल्ट्राटेक हिरमानी टाउनशिप थाना सुहेला तहसील सिमगा जिला बलोदा बाजार (छ.ग.) पिनकोड- 493195 एवं आवेदिका दीपा अग्निहोत्री पुत्री राजेन्द्र अग्निहोत्री उम्र 26 वर्ष (20/07/1999), स्थिति अविवाहित व्यवसाय गृहकार्य स्थायी निवासी मकान नं. 76 जीवन ज्योति कॉलोनी सतना वार्ड नं. 24 तहसील रघुराजनगर, थाना कोलगवां, जिला सतना (म.प्र.) पिनकोड 485001 के दवारा समक्ष में उपस्थित होकर विशेष विवाह अधिनियम 1954 की धारा 5 के अंतर्गत विशेष विवाह अनुष्ठापन हेतु आवेदन दिनांक 21/01/2026 को प्रस्तुत किया गया है। उक्त प्रस्तावित विवाह अनुष्ठापन के विरुद्ध यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह आपत्ति लिखित रूप में इस न्यायालय में दिनांक 15/04/2026 को या इसके पूर्व न्यायालयीन समय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकता है। अवधि समाप्त होने के पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। कलेक्टर 20 आज दिनांक 09/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मद्रा से जारी किया गया।

अपर कलेक्टर एवं विशेष विवाह अधिकारी जिला- सतना (म.प्र.)

पृष्ठ क्रमांक 874 वा./अपर कले/26

हाल, दिनांक 09/02/2026

प्रतिलिपि आवेदक रमन मिश्रा तनय श्री वीरेन्द्र मिश्रा उम्र 28 वर्ष, (24/08/1997) स्थिति- अविवाहित व्यवसाय नौकरी, स्थायी निवासी सरसवाही ढीमर खेड़ा, थाना एवं तहसील-स्लीमनाबाद जिला कटनी म.प्र. पिनकोड 483440 हॉल मुकाम यंग मैनेजर एकमडेसन आल्ट्राटेक हिरमानी टाउनशिप थाना सुहेला तहसील सिमगा जिला बलोदा बाजार (छ.ग.) पिनकोड 493195 एवं आवेदिका दीपा अग्निहोत्री पुत्री राजेन्द्र अग्निहोत्री उम्र 26 वर्ष (20/07/1999), स्थिति अविवाहित व्यवसाय गृहकार्य स्थायी निवासी मकान नं. 76 जीवन ज्योति कॉलोनी सतना वार्ड नं. 24 तहसील रघुराजनगर, थाना कोलगवां, जिला सतना (म.प्र.) पिनकोड 485001 उक्त सार्वजनिक सूचना (इश्तहार) को फोटोग्राफ सहित प्रमुख दैनिक समाचार पत्र में स्वयं के व्यय पर प्रकाशन करावे तथा प्रमुख मुख्य दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित करायी गयी सार्वजनिक सूचना के समाचार पत्र की मूल प्रति और प्रकाशन व्यय शुल्क के अदायगी की मूल प्रति सहित आगामी नियत तिथि 15/04/2026 को या उसके पूर्व इस न्यायालय में प्रस्तुत करें।

अपर कलेक्टर एवं विशेष विवाह अधिकारी जिला- सतना (म.प्र.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, जबलपुर

// निविदा सूचना //

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदार से ऑनलाईन निवदाये आमंत्रित की जाती है। निविदा की विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेंडर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1	PRO- 70 Date- 13/04/2026 2026_UAD_498815_1	संभाग क्रमांक -06 अंतर्गत पं. दीनदयाल उपाध्याय वार्ड अंतर्गत श्री कृष्णम ईको सिटी सोसायटी माढ़ोताल मे नाली निर्माण कार्य (महापौर अनुशंसा)	तीन माह 7.99 लाख	2000/- 7994/-	30/04/2026

नोट :- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन की वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर ही किया जावेगा। पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा

कार्यपालन यंत्री
नगर पालिक निगम
जबलपुर

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग (भ / स) संभाग क्र.-2 जबलपुर

AN ISO 9001: 2015 CERTIFIED OFFICE

इंदिरा गांधी मार्ग, साऊथ सिविल लाईन, जबलपुर (म.प्र.) पिन-482001 फोन एवं फैक्स नं. 0761-2622333. ई-मेल : eepwd2jbp@nic.in

निविदा सूचना क्र.- 03 वर्ष 2025-26 **निविदा आमंत्रण सूचना** जबलपुर, दिनांक 06/04/2026

निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के द्वारा निविदा आमंत्रित की जाती है। यह निविदा वेबसाईट http://mpteders.gov.in पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	टेण्डर आई. डी.	कार्य का नाम	आमंत्रण	ठेके की अनु. राशि (रू. लाख में)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मुल्य	समयावधि
1	2026_PWDRB _497573_pack1	सिविल लाईन जबलपुर स्थित आवासीय भवनों में रूफिंग, ग्रेडिंग एवं टारफेल्टिंग इत्यादि कार्य।	प्रथम	19.98	40000.00	2000.00	02 माह वर्षा ऋतु सहित
2	2026_PWDRB _497574_pack1	सिविल लाईन जबलपुर स्थित व्ही.आई.पी. बंगलों में सेनेटरी एवं वाटर सप्लाई का कार्य ।	प्रथम	19.98	40000.00	2000.00	02 माह वर्षा ऋतु सहित
3	2026_PWDRB _497575_pack1	पचपेढी उपखण्ड जबलपुर स्थित व्ही.आई.पी. बंगलों में रखरखाव का कार्य ।	प्रथम	19.99	40000.00	2000.00	02 माह वर्षा ऋतु सहित
4	2026_PWDRB _497576_pack1	सिविल लाईन जबलपुर स्थित आवासीय भवनों में बाउण्ड्रीवॉल, प्लास्टर इत्यादि कार्य ।	प्रथम	19.98	40000.00	2000.00	02 माह वर्षा ऋतु सहित
5	2026_PWDRB _497578_pack1	पचपेढी उपखण्ड अंतर्गत आवासीय भवनों में मरम्मत कार्य।	प्रथम	19.99	40000.00	2000.00	02 माह वर्षा ऋतु सहित
6	2026_PWDRB _497581_pack1	पचपेढी उपखण्ड अंतर्गत आवासीय भवनों में रेनोवेशन, फ्लोर एवं टॉयलेट इत्यादि कार्य।	प्रथम	19.95	40000.00	2000.00	02 माह वर्षा ऋतु सहित
7	2026_PWDRB _497583_pack1	लोक निर्माण विभाग, संभाग क्र. 2, जबलपुर के अंतर्गत आवासीय भवनों में बाउण्ड्रीवॉल, प्लास्टर इत्यादि का कार्य ।	प्रथम	19.99	40000.00	2000.00	02 माह वर्षा ऋतु सहित
8	2026_PWDRB _497585_pack1	लोक निर्माण विभाग, संभाग क्र. 2, जबलपुर के अंतर्गत आवासीय भवनों में मरम्मत इत्यादि का कार्य ।	प्रथम	19.95	40000.00	2000.00	02 माह वर्षा ऋतु सहित
9	2026_PWDRB _497586_pack1	लोक निर्माण विभाग, संभाग क्र. 2, जबलपुर के अंतर्गत आवासीय भवनों में प्लास्टर, पुट्टी, मरम्मत इत्यादि का कार्य ।	प्रथम	19.99	40000.00	2000.00	02 माह वर्षा ऋतु सहित
10	2026_PWDRB _497590_pack1	लोक निर्माण विभाग, संभाग क्र. 2, जबलपुर प्रथम के अंतर्गत विभिन्न आवासीय भवनों में आवश्यक मरम्मत कार्य ।	प्रथम	19.95	40000.00	2000.00	02 माह वर्षा ऋतु सहित
11	2026_PWDRB _497591_pack1	लोक निर्माण विभाग,संभाग क्र.2,जबलपुर के अंतर्गत विभिन्न आवासीय भवनों में रखरखाव, दरवाजे, खिड़कियों की मरम्मत, फ्लोरिंग इत्यादि कार्य।	प्रथम	19.98	40000.00	2000.00	02 माह वर्षा ऋतु सहित

टीप :- निविदा का विस्तृत विवरण म.प्र. शासन की निविदा पोर्टल http://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है। निविदा प्रपत्र उक्त वेबसाईट पर ऑनलाईन भुगतान करने पर प्राप्त हो सकेंगे। निविदा प्रपत्र ऑनलाईन क्रय करने की अंतिम तिथि 27.04.2026 समय 5 :30 PM तक है। निविदा में होने वाले संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त बेवसाईट पर ही किया जावेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नही किया जावेगा ।

कार्यपालन यंत्री

G-11466/26 "स्वच्छता ही सेवा" लोक निर्माण विभाग (भ / स) संभाग क्रं. -2, जबलपुर

शब्द पहेली - 6195

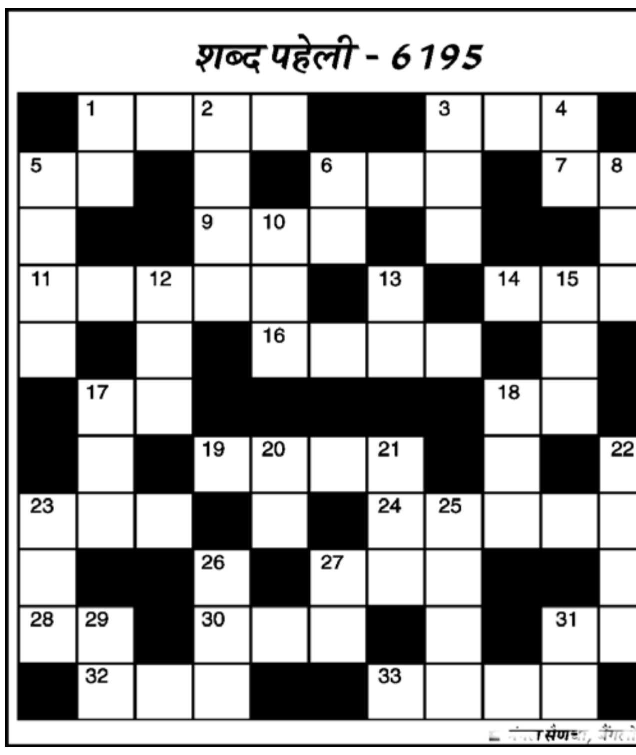

बाएँ से दाए
1. असभ्यता, मूर्खता-4
3. निर्भय, बहादुर-3
5. प्याला-2
6. सहारा, शरण-3
7. मां का भाई-2
9. साठ वर्ष की अवधि-3
11. परतंत्रता, गुलामी-5
14. दानव, दैत्य-3
16. लूटपाट-4
17. वाद्य यंत्र-2
18. परछाई, छाया-2
19. आदत, स्वभाव(उर्दू-4)
23. जंगल, वन-3
24. सेंधमार-5
27. गजल लिखने वाला-3
28. मोटा आटा, सूजी-2
30. गुलिस्तां, बाग-3
31. एक ग्रह, शनिश्चर-2
32. दबाना, कुचलना-3
33. रोब वाला, ठसके वाला-4

ऊपर से नीचे
1. मंत्रों का पाठ-2
2. उद्देश्यहीन-4
3. अनूठा, अनोखा-3
4. लक्ष्मी, कमला-2
5. खीजना, रोना-4
6. एक पौधा, अकुवा, आकड़ा-2
8. दक्ष, होशियार-3
10. जमीकंद, एक सब्जी-3
12. धैर्य, संयम-3
13. अस्थमा-2
15. एक गायिका-3
17. वर्षा ऋतु-3
18. महोदय-3
20. पैंदा, तला-2
21. पुत्र, बेटा-3
22. अवमानना-4
23. नास्तिक (उर्दू-3)
25. करामात-4
26. प्रतिज्ञा-3
27. ठाठ-बाट-2
29. अदालत में प्रस्तुत दावा-2
31. तीर, बाण-2

शब्द पहेली - 6194 का हल

सूडोकु नवताल - 6205

★★★★★ कठिनतम

7							4	
		5		3			7	
					8			2
					1	9		
	2						8	
		6	7					
1			4					
	9			2		5		
	8							1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6204 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

MANOJAL SENACHA BANGALORE

स्पेशल : वर्ल्ड आर्ट-डे, 15 अप्रैल

रंगों-रेखाओं से खिलता है बचपन

अगर बच्चे रेखाओं के माध्यम से कोई आकृति बनाते हैं, उसमें रंग भरते हैं, मनमोहक चित्र सृजित करते हैं या कोई सुंदर-सा क्राफ्ट वर्क करते हैं तो उन्हें रोके-टोकें नहीं, बच्चे को प्रोत्साहित करें। यह उनकी ऐसी अभिव्यक्ति है, जिससे बच्चों की रचनात्मकता तो बढ़ती ही है, उनका व्यक्तित्व भी निखरता-खिलता है।

कवर स्टोरी
डॉ. मोनिका शर्मा

बीते कुछ बरसों में बचपन के बहुत से रंग पढ़ाई के बोझ तले दबते जा रहे हैं। जबकि एकेडेमिक फ्रंट पर अच्छा परफॉर्म करने के साथ ही, बालमन के अहसासों की अभिव्यक्ति भी बहुत जरूरी है। समझना मुश्किल नहीं कि एक्सप्रेसिव होने के लिए कोई न कोई माध्यम चाहिए। आर्ट एंड क्राफ्ट बच्चों के मनोरंजन, मनोभावों के एक्सप्रेशन का एक अच्छा माध्यम है, साथ ही यह बच्चों को वर्चुअल दुनिया से दूर करके उन्हें रचनात्मक बनाकर सकारात्मक तरीके से व्यस्त रखने का एक सुंदर तरीका है। इसीलिए उम्र के एक पड़ाव पर बच्चों का सहज रूप से कोई ना कोई कलात्मक एक्टिविटीज करना जरूरी है। पैरेंट्स को भी बच्चों को आर्ट की दुनिया से जोड़कर रखने का प्रयास करना चाहिए। इससे बच्चे का व्यक्तित्व संवरता और निखरता है।

कला से अभिव्यक्त होते एहसास

रंग, रेखाएं, आकार, कोई खास स्टाइल, बालमन में बसी कोई बनावट, ये सब मात्र कागज पर रंगीन कलम-पेंसिल से की गई कलात्मकता भर नहीं हैं। असल में देखा जाए तो यह बच्चों के मन की शब्दावली है। उनके भावों की अभिव्यक्ति है। बच्चों द्वारा उकेरी गई कोई भी कलाकृति उनके दुनिया को देखने के नजरिए को दर्शाती है। जिन भावनाओं और कल्पनाओं को शब्द नहीं दिए जा सकते, आर्ट एंड क्राफ्ट के जरिए बच्चे उन्हें रचनात्मक ढंग से एक्स्प्रेस कर सकते हैं। इससे बच्चे को कुछ नया भी एक्सप्लोर करने का अवसर मिलता है। अपनी सोच के मुताबिक वे कुछ विशेष रचते हैं। बच्चे लीक से हटकर सोचने और उसे धरातल पर उतारने की सोच से जुड़ते हैं। उनके मोटर स्किल्स निखरते हैं। यही वजह है कि आर्ट के माध्यम से अभिव्यक्त होते एहसास केवल मासूमियत के रंग भर नहीं होते, ये रंग और रेखाएं बच्चों की सोच-समझ को दिशा भी देते हैं।

बच्चों की मन:स्थिति को समझें

अच्छे स्वास्थ्य और सकारात्मक व्यस्तता के लिए बहुत आवश्यक है कि बच्चे कुछ समय रंगों और रेखाओं की दुनिया में भी बिताएं। विशेषज्ञ मानते हैं कि पेंटिंग-ड्राइंग बच्चों के लिए अपनी खुशी, भय, गुस्से या किसी तरह की शिकायत को सुरक्षित रूप से बाहर निकालने का माध्यम भी होते हैं। बच्चों की कलाकारी के मासूम रंग कई बार उनकी बिखरती मन:स्थिति से भी मिलवाते हैं। कुछ समय पहले नेशनल कमीशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ चाइल्ड राइट्स द्वारा यौन हिंसा के शिकार बच्चों का पता लगाने के लिए एक नई पहल भी यही बात कहती है। बाल आयोग के मुताबिक बच्चों के सेक्सुअल हेरेसमेंट का पता लगाने के लिए आर्ट सबसे बेहतरीन माध्यम है। ड्राइंग या पेंटिंग के जरिए न केवल बच्चे खुलकर अपनी बात कह पाते हैं बल्कि उनके दर्द को समझा भी जा सकता है। आमतौर पर शोषण के शिकार बच्चे अपनी बात कहने में डरते हैं। किसी के आगे अपना मन नहीं खोलते। यही वजह है कि आयोग द्वारा 'असेसमेंट ऑफ चाइल्ड सेक्सुअल वॉयलेंस विथ द हेल्प ऑफ ड्राइंग' के लिए ड्राफ्ट रिपोर्ट भी जारी की गई। इस रिपोर्ट को एम्स के डिपार्टमेंट ऑफ साइकिएट्री की मदद से बनाया गया है, रिपोर्ट में कहा गया है कि ड्राइंग, बच्चों से बातचीत शुरू करने का सही माध्यम है। जरूरी है पैरेंट्स भी बच्चों की कलात्मकता में छिपे मनोभावों को समझें। यह उनकी सुरक्षा से जुड़ा पहलू तो है ही, उनके मन को समझने का एक प्यारा-सा जरिया भी है। a

बच्चे की रुचि-रुझान को जानें-समझें

पैरेंट्स को इस क्षेत्र में अपने बच्चों के रुचि-रुझान को गंभीरता से देखने-समझने का भी प्रयास करना चाहिए। सचमुच दिलचस्पी हो तो बचपन में भावों की अभिव्यक्ति का माध्यम बनी आर्ट, आगे चलकर बच्चे को आर्ट की दुनिया में अपना भविष्य बनाने की राह बना सकते हैं। इसीलिए बच्चों के आर्ट-क्राफ्ट से जुड़े कामों की प्रशंसा अवश्य करें। स्केचिंग, पेंटिंग, स्कल्प्चर मेकिंग या क्ले, ये सब जब बच्चे मन से करें तो उनकी रुचि को देखते हुए इससे जुड़े सामान लाकर देकर उन्हें प्रोत्साहित करें। अपने परिवार में उनकी रुचि की चर्चा कर प्रेरणादायी परिवेश बनाएं। बचपन की रंगीन यादों को सहेजने के लिए उनके बनाए आर्ट वर्क को फ्रेम करवाकर घर में लगाएं। बच्चों के कमरे की सजावट के लिए उनके ही बनाए चित्र लगाना भी एक अच्छी पहल होगी। जरूरी यह भी है कि पैरेंट्स उनके क्रिएटिव एक्सप्रेशन की उपेक्षा करने के बजाय, इससे जुड़ी जानकारियां उनसे साझा करें। आज की वर्चुअल व्यस्तता में बच्चों को आर्ट एग्जीबिशन में ले जाने जैसी एक्टिविटी बच्चों की रुचि को समझने में हेल्प करेगी। साथ ही पार्क, चिड़ियाघर, प्राकृतिक स्थल और म्यूजियम जैसी जगहों पर भी बच्चे बहुत मन से चीजें देखते हैं। ज्यादातर बच्चे जानवरों और मौसम के रंगों को देखते हैं। इन्हें वे अपनी आर्ट में ढालने में भी रुचि लेते हैं।

तारीफ करना भी एक कला है

अगर कोई अच्छा काम कर रहा है तो उसकी तारीफ हमें जरूर करनी चाहिए, इसका इंसान पर बहुत ही सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। लेकिन यह तभी संभव है, जब हम तारीफ सही ढंग से करेंगे। तारीफ कैसे की जाए, इसके क्या फायदे हैं, जानिए।

सलीका
शिखर चंद जैन

तारीफ करना वैसे तो एक सामान्य-सी आदत है, लेकिन इसका सही समय पर ढंग से इस्तेमाल किया जाए तो यह सामने वाले का आत्मविश्वास बढ़ा सकती है, रिश्ते मजबूत कर सकती है। इतना ही नहीं तारीफ वर्किंग प्लेस की प्रोडक्टिविटी में भी इजाफा कर सकती है। डेल कार्नेगी से लेकर रॉबर्ट सियाल्डिनी जैसे दिग्गजों ने अपनी बेस्टसेलर किताबों में तारीफ को रिश्ते मजबूत करने का सबसे कारगर तरीका बताया है। लेकिन इसमें बनावट, व्यंग्य या चापलूसी दिखाई दे तो इसका असर उल्टा भी हो सकता है। इसलिए तारीफ करना एक कला ही नहीं, मनोविज्ञान भी है।

तारीफ का मनोवैज्ञानिक प्रभाव: तारीफ इंसानी स्वभाव से जुड़ी एक बुनियादी जरूरत को पूरा करती है। यह जेनुइन रिकगनिशन यानी ईमानदार मान्यता है। इस पर पारस्परिकता का नियम यानी लॉ ऑफ रेसीप्रोसिटी भी लागू होता है। सोशल साइकोलॉजिस्ट रॉबर्ट सियाल्डिनी के अनुसार, 'जब आप किसी की तारीफ करते हैं, तो वह मनोवैज्ञानिक रूप से आपका साथ देने या आपको पसंद करने के लिए बाध्य महसूस करता है। तारीफ केवल शब्द नहीं है, सामने वाले के अस्तित्व को दी गई एक मान्यता है। हर इंसान को तारीफ की जरूरत होती है। अब्राहम मेस्लो का 'हायरार्की ऑफ नीड्स' सिद्धांत कहता है कि जब किसी को ईमानदारी से सराहा जाता है तो उसके अंदर 'सेल्फ-वैल्यू' की भावना उत्पन्न होती है, जो मानसिक स्वास्थ्य, आत्मविश्वास और प्रेरणा के लिए आवश्यक है। यहां यह भी बताना जरूरी है कि अगर आप किसी की तारीफ कर रही हैं या तारीफ करना चाहती हैं तो इसके कुछ वैज्ञानिक और व्यावहारिक पहलुओं को अवश्य ध्यान में रखें।

स्पेसिफिक तारीफ करें: किसी की तारीफ जनरेलाइज के बजाय स्पेसिफिक रहकर करें। 'आप अच्छा काम करते हैं' के बजाय इस तरह से कहकर तारीफ करें 'आपने रिपोर्ट में जो डेटा विजुअल्स डाले, वे वास्तव में बेहद असरदार थे।' ऐसा कहने का ज्यादा प्रभाव होगा।

प्रयासों की सराहना करें: माइंडसेट पुस्तक के लेखक कैरल ड्वेक के अनुसार, 'किसी की बुद्धि के बजाय उसके कठिन परिश्रम की तारीफ करने से वह आगे बढ़ने के लिए प्रेरित होता है।'

सही मौके पर करें तारीफ: तारीफ का प्रभाव तब ज्यादा होता है, जब वह किसी कार्य या घटना के तुरंत बाद की जाती है। देरी से की गई तारीफ का प्रभाव कम हो जाता है, भले ही वह कितनी भी ईमानदारी से क्यों न की गई हो।

पीठ पीछे भी करें तारीफ: जब आप किसी की अनुपस्थिति में उसकी सराहना करती हैं, तो जब वह बात उस तक पहुंचती है, उसका मूल्य दोगुना हो जाता है। इसके लिए आपको ऐसे लोगों के बीच तारीफ करनी होगी, जो उसके संपर्क में रहते हैं।

बॉडी लैंग्वेज का रखें ध्यान: तारीफ में बॉडी लैंग्वेज काफी महत्वपूर्ण होती है। आंखों में देखना, मुस्कुराना और सौम्य स्वर में प्रशंसा करने से सामने वाले को वास्तविकता का बोध होता है। यह तारीफ को प्रभावशाली बनाता है।

पब्लिक में प्रशंसा: सबके सामने की गई तारीफ व्यक्ति के सामाजिक सम्मान को बढ़ाती है, उसे आपके प्रति वफादार बनाती है। a

तारीफ करने-सुनने के फायदे

प्रोडक्टिविटी में इजाफा: गैलप के एक सर्वे के मुताबिक जिन कर्मचारियों को नियमित प्रशंसा मिलती है, वे 21 फीसदी अधिक प्रोडक्टिव होते हैं। वहीं हार्वर्ड बिजनेस रिव्यू के अध्ययन के अनुसार सराहना पाने वाले कर्मचारियों में क्रिएटिविटी, टीमवर्क और एंप्लॉई सेटिस्फेक्शन का स्तर अधिक पाया गया।

तनाव-अवसाद में कमी: यूनिवर्सिटी ऑफ पेंसिलवेनिया की एक स्टडी में पाया गया कि प्रशंसा से एंग्जायटी और डिप्रेशन के स्तर में कमी आती है।

रिश्तों में मिलती है मजबूती: इंटरनेशनल सोशल साइंस जर्नल में प्रकाशित एक स्टडी के अनुसार तारीफ से पारिवारिक और सामाजिक रिश्तों में भरोसा और अपनापन बढ़ता है। जॉन गॉटमैन इंस्टीट्यूट की स्टडी कहती है कि ईमानदार प्रशंसा एक मजबूत भावनात्मक बैंक बैलेंस बनाने में मदद करती है, जिससे टकराव के समय भी रिश्तों में मजबूती बनी रहती है।

डोपामाइन का संचार: जब हमारी तारीफ होती है, तो मस्तिष्क में 'डोपामाइन' नामक हार्मोन रिलीज होता है, जो हमें खुशी और संतुष्टि का अहसास कराता है। यह वही रिवॉर्ड सिस्टम है, जो खुशी प्रदान करती है।

स्किन टैनिंग से होगा बचाव अपनाएं ये सरल-कारगर उपाय

स्किन केयर
नैंसी गुप्ता

गर्मी का मौसम आते ही दिन के समय बाहर निकलने पर तेज धूप और यूवी किरणें हमारी त्वचा पर असर डालने लगती हैं। इन दिनों स्किन टैन होना एक आम समस्या बन जाती है, जिससे त्वचा का रंग अनईवन या डार्क नजर आने लगता है। इनसे बचने के लिए लोग ब्यूटी प्रोडक्ट्स का सहारा लेते हैं। लेकिन आप चाहें तो कुछ सरल प्राकृतिक उपायों को आजमा सकती हैं। इससे भी स्किन टैनिंग की समस्या दूर हो जाएगी।

दही-बेसन का पैक: दही और बेसन का मिश्रण, त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है। दही में मौजूद लैक्टिक एसिड, टैनिंग को हल्का करने में मदद करता है, जबकि बेसन स्किन को क्लीन और एक्सफोलिएट करता है। इस पैक को हफ्ते में 2-3 बार लगाने से त्वचा में निखार आता है।

नीबू-शहद का पैक: नीबू में ब्लीचिंग प्रॉपर्टीज होती हैं, जो टैनिंग को हल्का करने में सहायक होती हैं। शहद, त्वचा को मॉयश्चराइज करता है। इन दोनों को मिलाकर लगाने से स्किन क्लीन और ग्लोइंग बनती है। लेकिन ध्यान रखें कि इसे स्किन पर लगाने के बाद धूप में जाने से बचना चाहिए।

एलोवेरा से मिले स्किन को ठंडक: एलोवेरा, गर्मियों में न सिर्फ स्किन को ठंडक देता है, बल्कि टैनिंग को कम करने में भी मदद करता है। ताजे एलोवेरा जैल को चेहरे पर लगाकर 15-20 मिनट बाद साफ पानी से धोने से स्किन फ्रेश हो जाती है।

खीरा-गुलाब जल का टोनर: खीरा त्वचा को ठंडक देने के साथ-साथ टैनिंग को भी कम करता है। यही गुण गुलाब जल में होता है। खीरे के रस में गुलाब जल को अच्छी तरह मिलाकर चेहरे पर लगाने से स्किन को ताजगी मिलती है।

ठंडे दूध से मसाज: कच्चा, ठंडा दूध स्किन को क्लीन करने का बेहतरीन तरीका है। इसमें मौजूद पोषक तत्व त्वचा को मुलायम बनाते हैं और टैनिंग को धीरे-धीरे कम करते हैं।

अच्छा क्लींजर है नारियल पानी: नारियल पानी स्किन को अंदर से साफ करने में मदद करता है। इसे चेहरे पर लगाने से टैनिंग धीरे-धीरे कम होने लगती है।

टमाटर का रस है इफेक्टिव: टमाटर में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो टैनिंग को कम करने में मदद करते हैं। आप चाहें तो टमाटर के रस को सीधे स्किन पर लगा सकती हैं। इसका रेग्युलर इस्तेमाल करने से स्किन ब्राइट होती है और सन रेज से होने वाला स्किन डैमेज कम होता है। a

(स्किन केयर एक्सपर्ट निर्मल चावला से बातचीत पर आधारित)

बेबी प्लानिंग से पहले कई लेवल पर करें तैयारी

अगर आप बेबी प्लान कर रही हैं तो आपको अपनी और आने वाले बच्चे की हेल्थ से जुड़ी कुछ तैयारियां कर लेनी चाहिए। कौन सी हैं वो तैयारियां, जानिए।

प्रिकॉशन
चेतना झा

घर के आंगन में किलकारी गूंजे, यह ख्वाहिश हर शादी-शुदा जोड़े की होती है। आप भी इस मोड़ पर पहुंची हैं, जहां बाहों में नन्हे-मुन्ने को समेटने को मन मचल रहा है तो कुछ तैयारियां करने का समय आ गया है। ये तैयारियां कई स्तर की हैं। कुछ शरीर के स्तर पर तो कुछ मन के स्तर पर। कुछ करियर के मसले हैं तो कुछ पारिवारिक। इन सभी के बारे में यहां आपको बता रहे हैं।

तनाव की छुट्टी: अब जब आपने मां बनने का निर्णय लिया है तो सबसे पहले तनाव को गुड बाय कहिए। तनाव दरअसल, बर्थ कंट्रोल की गोलियों की तरह ही काम करता है। जाहिर है, मां बनना चाहती हैं, तो इसे छोड़ना होगा। इससे बचने के लिए पहचानिए क्या हैं आपके तनाव के खास कारण। यदि पैसों के मामले में जीवनसाथी से झगड़े होते हैं तो बेहतर है कि पहले काउंसलर या फाइनेंशियल प्लानर से बात कर समस्या को जड़ से दूर करें। कोलाहल भरे रास्ते से आना-जाना मजबूरी हो तो क्यों ना कोई ऐसा वैकल्पिक रास्ता ढूंढें जो भले थोड़ी अधिक दूरी का हो, पर सुकून भरा हो।

दवाओं पर दें ध्यान: बेबी प्लानिंग के साथ आप जब डॉक्टर से मिलेंगी तो वे आपको कुछ खास दवाएं लेने को कह सकती हैं। आपकी खुराक में पर्याप्त फोलिक एसिड, आयरन, कैल्शियम और विटामिंस होने चाहिए। फोलिक एसिड बच्चे को जन्मजात विकृतियों से बचाने में मददगार होता है। वहीं कैल्शियम सप्लीमेंट्स, आपकी हड्डियों और आपके दांतों की मजबूती के लिए जरूरी हैं।

न्यूट्रिशस डाइट: खाने में दूध और दूध से बने पदार्थ जैसे खोया, पनीर, छेना आदि शामिल करना चाहिए। मौसमी सब्जियां और फल जैसे गाजर, टमाटर, सेब, केला, नारंगी आपको अपनी डेली डाइट में शामिल करना जरूरी है। ये फल आयरन, फोलिक एसिड, विटामिन-ए, विटामिन-सी आदि के अच्छे स्रोत होते हैं। नॉनवेज खाती हैं तो हफ्ते में एक बार मछली, चिकन आदि खा सकती हैं। अंकुरित चना, मूंग में विटामिन-ई प्रचुर मात्रा में होता है। जिन्हें मां बनने में दिक्कत आ रही है, वे महिलाएं इसका सेवन जरूर करें। थोड़ी मात्रा में सूखे मेवे भी नियमित खाएं।

रेग्युलर चेकअप: बेबी प्लानिंग से पहले और शुरुआती महीनों में आरएच टाइपिंग, ब्लड ग्रुपिंग, वीडीआरएल, एचआईवी, आस्ट्रेलियन एंटीजेन, ब्लड शुगर, टीसी, डीसी, ईएसआर, हीमोग्लोबिन, थायरॉइड हार्मोंस जैसे- टी थ्री, टी फोर और टीएसएच, सीरम एफएसएच, एलएच, प्रोलेक्टिन, यूरिन कल्चर टेस्ट आदि जरूरत के मुताबिक डॉक्टर कराते हैं। प्रेग्नेंसी प्लान से पहले पति के स्पर्म की भी जांच कराते हैं। डॉक्टर पहले ही आश्वस्त हो जाते हैं कि संभावित गर्भ में थैलिसिमिया जैसी जेनेटिक बीमारियां नहीं हों। डॉक्टर की राय के अनुसार ये टेस्ट कराने में लापवाही न बरतें। ऐसा करना आपकी और होने वाले बच्चे की हेल्थ के लिए बहुत जरूरी है। a

(स्त्रीरोग विशेषज्ञ डॉ. रजनी लाल से बातचीत पर आधारित)

हार्दिक और क्रुणाल में कोल्ड वॉर, नहीं मिलाए हाथ !

एजेंसी ▶▶| मुंबई

आईपीएल में 12 अप्रैल 20वां लीग मैच वानखेड़े में मुंबई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच खेला गया। मुकाबले में बेंगलुरु ने 18 रनों से जीत दर्ज की। मैच के बीच पांड्या ब्रदर्स के बीच कोल्ड वॉर भी देखने को मिली, जिसकी चर्चा जोरों से हो रही है। टूर्नामेंट में क्रुणाल बेंगलुरु के लिए और हार्दिक पांड्या मुंबई इंडियंस के लिए खेल रहे हैं। कथित तौर पर मैच के बाद हार्दिक और क्रुणाल ने एक दूसरे से हाथ भी नहीं मिलाया।

क्रुणाल ने हार्दिक पर मारा तीखा बाउंसर

मैच में एक पल आया कि जब हार्दिक बैटिंग पर और क्रुणाल गेंदबाजी पर एक दूसरे के सामने आए। हार्दिक के सामने बॉलिंग करते हुए क्रुणाल ने एक तीखा बाउंसर मारा, बात सिर्फ बाउंसर मारने तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसके बाद क्रुणाल ने हार्दिक को तीखी नजरों से देखा भी, जैसे अक्सर गेंदबाज करते हैं। टूर्नामेंट में इससे पहले कभी हार्दिक और क्रुणाल के बीच ऐसा देखने को नहीं मिला है। हार्दिक को जैकब डफी ने आउट किया, जिसके बाद क्रुणाल पांड्या ने काफी एग्रेसिव सेलिब्रेशन किया। क्रुणाल ने इस सेलिब्रेशन ने भी फैंस का ध्यान खींचा। अक्सर आईपीएल में हार्दिक और क्रुणाल को एक दूसरे खिलाफ बड़े ही प्यार-मोहब्बत के साथ खेलते देखा जाता था। दोनों एक दूसरे के गले मिलते थे, एक दूसरे से हाथ मिलाते थे।

मैच के बाद नहीं किया हैंडशेक

कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया कि जब मैच के बाद दोनों टीम के खिलाड़ी एक दूसरे से हाथ मिला रहे थे, तब हार्दिक और क्रुणाल ने हैंडशेक नहीं किया। हालांकि यह अभी दोनों के बीच सबकुछ ठीक न होने के सिर्फ कयास हैं। हार्दिक और क्रुणाल ने इस बारे में किसी भी तरह का कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। हम भी दोनों के बीच सबकुछ ठीक नहीं होने की पुष्टि नहीं करते हैं।

बीसीसीआई ने आरआर के मैनेजर को भेजा नोटिस

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने राजस्थान रॉयल्स के मैनेजर रोमी भिंडर को कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया है। वे रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के साथ हुए मैच में डगआउट में फोन चलाते दिखे थे।

बीसीसीआई ने कारण बताओ नोटिस जारी किया। उसने इस मामले में 48 घंटे में जवाब मांगा है। रोमी भिंडर गुवाहाटी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के साथ मैच के दौरान डगआउट में फोन चला रहे थे। उस समय उनके पास वैभव सूर्यवंशी भी बैठे हुए थे। टीवी कैमरों में भिंडर के फोन चलाने की घटना कैद हो गई थी। इसके बाद बवाल हो गया।

मैच के बीच फोन चलाने का मामला

भिंडर की है बचने की संभावना

बताया जा रहा है कि टीम मैनेजर मैच के दौरान एक फोन पास में रख सकते हैं। लेकिन वे इस दौरान अगर कोई फोन करते या उठाते हैं तो वह डगआउट में नहीं हो सकता। ऐसा सिर्फ ड्रेसिंग रूम में जाकर ही किया जा सकता है। भिंडर की जो क्लिप सामने आई है उसमें वे फोन पर बात नहीं कर रहे थे। वे केवल फोन स्क्रॉल कर रहे थे। अब देखना होगा कि राजस्थान रॉयल्स और भिंडर की तरफ से क्या सफाई दी जाती है।

गंभीर रूप से बीमार रहे थे भिंडर

वहीं मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया कि भिंडर हाल ही में गंभीर रूप से बीमार रहे थे। इस वजह से वह अपने साथ फोन लेकर चलते हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि भिंडर के दोनों फेफड़े खराब हो गए थे। इसकी वजह से उन्हें आईसीयू में रहना पड़ा था। वे कुछ समय के लिए वेंटीलेटर पर थे। करीब एक महीने तक वे अस्पताल में भर्ती रहे।

खबर संक्षेप

2027 में होगी फार्मूला वन रेस की वापसी : खेलमंत्री

नई दिल्ली। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि उन्हें यकीन है कि 2027 में भारत में फॉर्मूला वन रेस की वापसी होगी और इसके लिए कर संबंधी बाधाओं को दूर किया जाएगा, जिसकी वजह से 2013 के बाद भारत में रेस नहीं हुई है। मांडविया ने कहा कि ग्रेटर नोएडा में बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट में इस रेस के आयोजन के लिए कम से कम तीन कंपनियों ने दिलचस्पी दिखाई है। उन्होंने कहा, 'भारत में 2027 में फॉर्मूला वन रेस होगी। पहली रेस बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट में आयोजित की जाएगी।' भारत इससे पहले फॉर्मूला वन रेस इंडियन ग्रां प्री आयोजित कर चुका है, लेकिन कर और नौकरशाही संबंधी समस्याओं के कारण 2013 में तीसरे संस्करण के बाद इसे फॉर्मूला वन रेस के कैलेंडर से हटा दिया गया था। वहीं लिबर्टी मीडिया के स्वामित्व वाले फार्मूला वन के सूत्रों ने कहा कि भारत में 2027 में रेस संभव नहीं है हालांकि भारत को उभरते बाजार के रूप में देखा जा रहा है।

यूएस ओपन पिकलबॉल में भारत का दबदबा

नई दिल्ली। अर्जुन सिंह और धीरेन पटेल ने फ्लोरिडा के नेपल्स में यूएस ओपन पिकलबॉल चैंपियनशिप में अपनी-अपनी एकल स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक जीते। अर्जुन ने एश्टन पैटरसन को सीधे सेटों में 13-11, 11-6 हराकर पुरुष एकल 5.0 का खिताब जीता। धीरेन ने 40 प्लस प्रो पुरुष एकल वर्ग में जुआन अरेया की कड़ी चुनौती से पार पाकर 11-9, 3-11, 11-9 से जीत हासिल की। धीरेन इस श्रेणी में पहले भी यूएस ओपन जीत चुके हैं और उनका अनुभव फाइनल में काफी काम आया। उन्होंने कहा, 'यह सबसे कड़े मुकाबलों में से एक था लेकिन मैं अपनी रणनीति पर कायम रहा और स्वर्ण पदक जीतने में सफल रहा। इस श्रेणी में एक से अधिक बार खिताब जीतना खास है।' भारत इस तरह से इस टूर्नामेंट में अब तक तीन स्वर्ण पदक जीत चुका है।

22 नवंबर से डीपी वर्ल्ड आईएलटी20

दुबई। डीपी वर्ल्ड आईएलटी20 के पांचवें सत्र का आयोजन इस साल 22 नवंबर से किया जाएगा। दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में होने वाली इस प्रतियोगिता में 34 मुकाबले खेले जाएंगे और यह 20 दिसंबर को संपन्न होगी। पिछले सत्र में डेजर्ट वाइपर्स ने एमआई एमिरेट्स को हराकर अपना पहला खिताब जीता था।

आज शाम 7.30 बजे से चेन्नई में गायकवाड़ और रहाणे की टीमों में मुकाबला

सीएसके की नजर दबदबे पर कोलकाता जीत के लिए बेताब

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

पिछले मैच में जीत से उत्साहित चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम मंगलवार को होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में अब तक एक भी मैच नहीं जीतने वाली कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम के खिलाफ दबदबा बनाने की कोशिश करेगी।

सीएसके ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन करके सत्र की अपनी पहली जीत दर्ज की। उसकी इस जीत के नायक संजू सैमसन रहे, जिन्होंने 56 गेंद पर नाबाद 115 रन की पारी खेली।

ग्रीन की गेंदबाजी पर नजर

दूसरी ओर केकेआर जीत के लिए बेताब है। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ वह लगभग जीत के करीब पहुंच गया था, लेकिन मुकुल चौधरी की शानदार पारी ने अजिंक्य रहाणे और उनकी टीम को पहली जीत से वंचित कर दिया। कैमरन ग्रीन ने पिछले मैच में केकेआर के लिए गेंदबाजी की। यह ऑलराउंडर चेपॉक में शानदार प्रदर्शन करके अपनी मोटी कीमत को सही साबित करने की कोशिश करेगा।

सीएसके के लिए गायकवाड़ की फॉर्म चिंता का विषय

सीएसके के लिए हालांकि कप्तान रुतुराज गायकवाड़ की फॉर्म चिंता का विषय बनी हुई है। वह संघर्ष कर रही केकेआर के खिलाफ एक बड़ी पारी खेलकर लय हासिल करने की कोशिश करेंगे। टूर्नामेंट की शुरुआत में यह घोषणा की गई थी कि महेंद्र सिंह धोनी पिंडली में खिंचाव के कारण कुछ हफ्तों के लिए बाहर रहेंगे। पिछले मैच में गायकवाड़ ने संकेत दिया था कि यह स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज जल्द वापसी करेगा।

गुरजपनीत ने डेब्यू मैच में किया प्रभावित

सीएसके के गेंदबाजों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। डेवाल्ड ब्रेविस के फिट होकर वापसी करने से सीएसके को अपने गेंदबाजी संयोजन में बदलाव करने की छूट मिली, जिससे वह दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 212 रन का बचाव करने में सफल रही। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज गुरजपनीत सिंह ने अपने आईपीएल पदार्पण पर प्रभावित किया। उन्होंने अपनी अतिरिक्त उछाल से बल्लेबाजों को चौंकाया। जेमी ओवरटन ने भी शानदार प्रदर्शन किया और लगातार अच्छी गेंदबाजी करते हुए चार विकेट लिए।

केकेआर को करना होगा अच्छा प्रदर्शन

इसी तरह रिंकू सिंह मध्य क्रम में रन बनाने के लिए बेताब हैं और मंगलवार का दिन उनके लिए खास हो सकता है। रहाणे ने बल्लेबाजी में अच्छा प्रदर्शन किया है जबकि अंगकृष रघुवंशी ने भी प्रभाव छोड़ा है। रोवमैन पॉवेल और ग्रीन ने भी एलएसजी के खिलाफ कुछ रन बनाए, जो टीम के लिए सकारात्मक संकेत है। केकेआर को अगर सीएसके को उसके गढ़ में हराना है तो उसके गेंदबाजों को भी अच्छा प्रदर्शन करना होगा। उसके प्रमुख गेंदबाज अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं जिसका असर परिणाम में देखने को मिल रहा है।

मैच का समय : शाम 7.30 बजे

मास्टर्स गोल्फ

रॉरी मैकलॉय ने लगातार दूसरी बार जीता खिताब

एजेंसी ▶▶| ऑगस्टा

रॉरी मैकलॉय मास्टर्स गोल्फ टूर्नामेंट में अपने खिताब का बचाव करके जैक निकोलस, निक फाल्डो और टाइगर वुड्स के विशिष्ट क्लब में शामिल हो गए हैं।

मैकलॉय (67, 65, 73, 71) को इस बीच कुछ विषम परिस्थितियों से गुजरना पड़ा लेकिन आखिर में वह एक शॉट से जीत हासिल करने में सफल रहे। उन्होंने कुल 12 अंडर 276 का स्कोर बनाया और स्कॉटी शेफ़लर पर एक शॉट से जीत हासिल की। मैकलॉय ने तीसरे राउंड में छह शॉट की बढ़त गंवा दी थी, लेकिन अंतिम राउंड के आखिर में उन्होंने दो शानदार बर्डी लगाकर शीर्ष खिलाड़ियों की सूची में अपना नाम शामिल कर लिया। मैकलॉय इस तरह से वुड्स, फाल्डो और निकोलस के बाद मास्टर्स में अपने खिताब का बचाव करने वाले चौथे गोल्फर बन गए।

मास्टर्स जीतना बहुत मुश्किल

मैकलॉय ने कहा, 'पिछले साल मास्टर्स और ग्रैंड स्लैम जीतना बहुत मुश्किल लग रहा था, लेकिन इस साल मुझे अहसास हुआ कि मास्टर्स जीतना वाकई बहुत मुश्किल है। अविश्वसनीय।' अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर मैकलॉय को बधाई दी। उन्होंने लिखा, 'रॉरी हर साल महान हस्ती बनते जा रहे हैं।' टाइरल हटन, रसेल हेनली, जस्टिन रोज और कैमरन यंग 10 अंडर 278 के कुल स्कोर के साथ संयुक्त तीसरे स्थान पर रहे।

सीरी-ए फुटबॉल लीग

जीत के साथ खिताब के करीब पहुंचा इंटर मिलान

एजेंसी ▶▶| रोम

इंटर मिलान ने कोमो के खिलाफ दो गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 4-3 से जीत हासिल की और इटालियन फुटबॉल लीग सीरी ए में अपनी बढ़त को नौ अंक तक पहुंचा दिया है।

मार्कस थुरम और डेनजेल डम्फ्रीस ने इंटर के लिए दो-दो गोल किए। इससे उसने दूसरे स्थान पर काबिज नेपोली के पर्मा के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेलने का फायदा उठाते हुए अपनी बढ़त को मजबूत कर दिया। इंटर मिलान के अब 32 मैच में 75 अंक हो गए हैं। नेपोली के इतने ही मैच में 66 अंक हैं। एसी मिलान 32 मैच में 63 अंक के साथ तीसरे स्थान पर है। इस प्रतियोगिता में अब छह दौर के मैच खेले जाने बाकी हैं।

एमबाप्पे के रिकॉर्ड के करीब पहुंचे वेदात

मैड्रिड। वेदात मुरीकी ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए मालोर्का की तरफ से दो गोल किए, जिससे वह स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा के इस सत्र में सर्वाधिक गोल करने के काइलिन एमबाप्पे के रिकॉर्ड के करीब पहुंच गए हैं।मुरीकी के दो गोल की मदद से मालोर्का ने रायो वैलेकानो को 3-0 से हराया। कोसोवो के स्ट्राइकर ने पहले हाफ के आखिर में चार मिनट के अंतराल पर दो गोल दागे। ये लीग में उनके इस सत्र में 20वें और 21वें गोल थे। इस तरह से वह एमबाप्पे के 23 गोल से सिर्फ दो गोल पीछे हैं।

महिला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट

मौका गंवाने के बाद वापसी पर वैशाली की नजरें

पाफोस। शीर्ष पर अपनी बढ़त मजबूत करने का मौका गंवाने के बाद भारतीय ग्रैंडमास्टर आर वैशाली कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट में जब चीन की पूर्व महिला विश्व चैंपियन झोंगयी टेन से भिड़ेंगी तो दबाव में होंगी। एक अंक की बढ़त बनाने वाली वैशाली को 12वें दौर में चीन की जिनर झू के खिलाफ शिकस्त का सामना करना पड़ा, जिससे दोनों खिलाड़ी अब अंक तालिका में संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। चीन की गत विश्व चैंपियन वेनजुन जू को चुनौती देने वाली चैलेंजर का निर्धारण करने के लिए आयोजित इस टूर्नामेंट में आराम के अंतिम दिन के बाद वैशाली की नजरें वापसी पर टिकी होंगी।

कैटरीना की चुनौती करना होगा सामना

झोंगयी के अलावा वैशाली को रूस की कैटरीना लेगनो की कड़ी चुनौती का भी सामना करना होगा। कैटरीना शीर्ष पर रहने की दौड़ से बाहर हो चुकी हैं लेकिन उनकी चुनौती से पार पाना आसान नहीं होगा। कजाखस्तान की बिबिसारा असाउबायेवा भी लेगनो के खिलाफ कड़े मुकाबले में जीत के बाद खिताब की दावेदार बनीं हुई हैं जबकि यूक्रेन की अन्ना मुजिचुक भी दौड़ में हैं।

एटीपी टेनिस एकल रैंकिंग: सिनर फिर बने दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी, अल्कारेज को पछाड़ा

एजेंसी ▶▶| रोम

इटली के यानिक सिनर नवीनतम एटीपी टेनिस एकल रैंकिंग में कार्लोस अल्कारेज को पछाड़कर दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी बन गए। सिनर ने मोंटे कार्लो मास्टर्स के फाइनल में स्पेन के अल्कारेज को हराकर खिताब जीता था, जिसके बाद वह रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने में सफल रहे।

क्ले कोर्ट पर यह सिनर का पहला बड़ा खिताब है और उन्होंने अपने सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी को हराकर यह खिताब हासिल किया। यह 2026 के लिए सिनर के मुख्य लक्ष्य की ओर बढ़ाया गया पहला कदम है। उनका लक्ष्य फ्रेंच ओपन जीतकर करियर ग्रैंडस्लैम पूरा करना है।

अल्कारेज 13240 अंक के साथ दूसरे स्थान पर

सिनर के 13350 अंक हैं जबकि अल्कारेज 13240 अंक के साथ दूसरे स्थान पर हैं। जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव 5555 अंक के साथ तीसरे पायदान पर हैं। नोवाक जोकोविच, फेलिक्स ऑगर एलियासिम, बेन शेल्टन, एलेक्स डि मिनोर, टेलर फ्रिट्ज, लॉरेंजो मुसेटी और दानिल मेदवेदेव शीर्ष 10 में शामिल हैं।

महिला टी20 वर्ल्ड कप : पुरस्कार राशि में पिछले सत्र की तुलना में 10 प्रतिशत वृद्धि

आईसीसी का महिला क्रिकेट को तोहफा, प्राइज मनी में इजाफा

एजेंसी ▶▶| दुबई

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने आगामी महिला टी20 विश्व कप के लिए 82 करोड़ रुपए की रिकॉर्ड पुरस्कार राशि की घोषणा की। इस विश्व कप का आयोजन दो महीने बाद इंग्लैंड एवं वेल्स में होगा। कुल पुरस्कार राशि में पिछले सत्र की तुलना में 10 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। टूर्नामेंट के पिछले सत्र में 10 टीमों ने भाग लिया था, लेकिन 12 जून से पांच जुलाई तक सात स्थानों पर खेले जाने वाले आगामी विश्व कप में 12 टीमें भाग लेंगी। इसका फाइनल लॉर्ड्स क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित होगा।

विजेता टीम को मिलेंगे 21.8 करोड़ रुपए

प्रतिभागी टीमों को मिलेगा सुनिश्चित पुरस्कार

आईसीसी ने कहा, सभी 12 प्रतिभागी टीमों को कम से कम 2,47,500 डॉलर (लगभग 2.06 करोड़ रुपए) का सुनिश्चित पुरस्कार मिलेगा। टूर्नामेंट की शुरुआत 12 जून को बर्मिंघम के एडजबेस्टन में मेजबान इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच मैच से होगी। इस विश्व कप में भाग लेने वाली अन्य टीमें ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, भारत, आयरलैंड, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, स्कॉटलैंड, दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज हैं। 33 मैचों का यह टूर्नामेंट 24 दिनों तक चलेगा। इस बीच, टी20 विश्व कप ट्रॉफी मेजबान शहरों का दौरा करेगी और लंदन में इसका समापन होगा।

स्कॉटलैंड में पहला पड़ाव

स्कॉटलैंड में 7 से 10 मई तक इसका पहला पड़ाव होगा। आईसीसी के सीईओ संजोग गुप्ता ने कहा, महिला क्रिकेट का विकास लगातार तेज हो रहा है। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप का 12 टीमों तक विस्तार और रिकॉर्ड पुरस्कार राशि, एक मजबूत और अधिक प्रतिस्पर्धी वैश्विक खेल के निर्माण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

पुनरीक्षण अर्जी स्वीकार करते हुए अपर सत्र न्यायालय ने सुनाया आदेश

लक्ष्मण अवार्ड प्राप्त वूशु खिलाड़ी के विरुद्ध अपराध दर्ज करने का आदेश निरस्त

हरिभूमि जबलपुर।

सत्र न्यायालय ने लक्ष्मण अवार्ड प्राप्त वूशु खिलाड़ी के विरुद्ध अपराध दर्ज करने का आदेश अनुचित पाकर निरस्त कर दिया है। अपर सत्र न्यायाधीश संजोग सिंह बाघेला की अदालत ने प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी अरुण कुमार गोयल की अदालत ने यह फैसला दिया।

यह है मामला

जेएमएफसी कोर्ट ने लक्ष्मण अवार्ड प्राप्त वूशु खिलाड़ी परेड कोठी, इंग्लिशिया लाइन, वाराणसी निवासी सिपाही सूरज यादव व उसका साथ देने वाली जबलपुर निवासी महिला कोच पर ब्लैकमेलिंग के आरोप संबंधी परिवाद की सुनवाई की थी। इसी के साथ संज्ञेय अपराध पाते हुए सूरज यादव पर प्रकरण पंजीबद्ध करने का निर्देश दे दिया था। परिवादी जबलपुर निवासी वूशु कोच सारिका गुप्ता कोच के पति वूशु कोच मनोज गुप्ता की ओर से दलील दी गई कि उत्तर प्रदेश पुलिस में खेल कोटे से पदस्थ लक्ष्मण अवार्ड प्राप्त वूशु खिलाड़ी सिपाही सूरज यादव ने एक शादीशुदा महिला कोच के साथ मिलकर ब्लैकमेल और एक्सटार्शन किया है। पुनरीक्षणकर्ता सिपाही सूरज यादव की ओर से दलील दी गई कि जबलपुर निवासी वूशु कोच मनोज गुप्ता के परिवाद में जिस पैन ड्राईव का उल्लेख किया गया है, उसमें उसकी पत्नी सारिका से तथाकथित अंतरंग संबंध के दृश्यों का होना बताया गया है। सवाल उठता है कि पुनरीक्षणकर्ता स्वयं अपने तथाकथित अंतरंग दृश्यों की फोटो वाली पैन ड्राईव परिवादी की पत्नी सारिका को देकर सार्वजनिक कैसे कर सकता है। यह बात बेहद आश्चर्यजनक है। तर्क से सहमत होकर अपर सत्र न्यायालय ने कहा कि पुनरीक्षणकर्ता के उक्त आक्षेप को देखते हुए भी जेएमएफसी कोर्ट को अपराध का संज्ञान लेने के पूर्व पुनरीक्षणकर्तागण को सुनवाई का अवसर दिया जाना आवश्यक था। कोर्ट ने कहा कि जीएमएफसी कोर्ट द्वारा पारित आदेश शुद्धता, वैधता या औचित्यता के विपरीत होने से निरस्त किए जाने योग्य है। कोर्ट ने जेएमएफसी कोर्ट को निर्देश दिए कि वह इस प्रकरण मे संज्ञान लेने के पूर्व विहित प्रविधान का पालन करते हुए पुनरीक्षणकर्ता को सुनवाई का अवसर प्रदान कर प्रकरण का विधि अनुसार निराकरण करे।

कुटुंब न्यायालय का पति को आदेश

हर महीने पत्नी के खाते में साढ़े सात हजार और पुत्र के खाते में ढाई हजार जमा करें

जबलपुर। कुटुंब न्यायालय के प्रथम अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश संदीप शर्मा की अदालत ने पत्नी और पुत्र के हक में राहतकारी आदेश पारित किया। इसके अंतर्गत पति को निर्देश दिया कि प्रत्येक माह की 10 तारीख को पत्नी के खाते में साढ़े सात हजार और पुत्र के खाते में ढाई हजार जमा किए जाएं। यह आदेश आवेदन तिथि 12 अप्रैल, 2024 से लागू होगा। आवेदक राजीव गांधी नगर, सदर बाजार निवासी प्रियंका और अमेय पासी को ओर से अधिवक्ता संदेश दीक्षित ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि फारेस्ट कंपाउंड, गौरीघाट निवासी रोहित पासी का विवाह नौ मई, 2022 को हिंदू रीति रिवाज से आवेदिका से हुआ था। दोनों की एक संतान है। पुत्र अपनी मां के साथ है। अनावेदक ने पत्नी से विवाह विच्छेद की अर्जी दायर की है। लिहाजा, पत्नी ने भरण पोषण का वाद दायर कर दिया। उसका आरोप है कि विवाह के समय भरसक दहेज दिया गया। इसके बावजूद प्रताड़ित किया गया। मारपीट की गई। घर से निकाल दिया गया। अनावेदक शराब पीकर विवाद करता था। इसीलिए साथ रहना कठिन हो गया। इसके बावजूद आवेदिका बच्चे के लिए सहन कर रही थी। लेकिन परेशान कर मायके जाने विवश किया गया। अब तलाक का केस लगाया गया है। ऐसे में भरण पोषण चाहिए। कोर्ट ने वन विभाग में कार्यरत पति को आदेश दिया है कि वह प्रतिमाह 10 तारीख को पत्नी और पुत्र को 10 हजार का भुगतान करे।

कुटुंब न्यायालय का अहम फैसला

त्याग मतलब अलग-अलग रहना नहीं , पार्टनर को हमेशा के लिए छोड़ देने का आशय होना चाहिए

जबलपुर। कुटुम्ब न्यायालय के तृतीय अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश मुकेश कुमार दांगी ने पति द्वारा प्रस्तुत तलाक की उस याचिका को निरस्त कर दिया, जिसमें उसने पत्नि पर बिना किसी आधार के व्यभिचार के आरोप लगाये थे। कोर्ट ने कहा कि त्याग का तात्पर्य केवल पति-पत्नी का अलग-अलग स्थान पर रहना नहीं होता, बल्कि इसमें अपने पार्टनर को हमेशा हमेशा के लिए छोड़ देने का आशय होना चाहिए। मामले के अनुसार दंपति का विवाह वर्ष 2017 में हिन्दू रीति-रिवाजों के अनुसार हुआ था, जिससे एक पुत्र प्रथम का जन्म भी हुआ। पत्नी की ओर से अधिवक्ता आनंद चावला ने कोर्ट को बताया कि पति व उसके परिजनों ने पत्नी के साथ कई तरह के घरेलू हिंसा एवं प्रताड़ना के कृत्य किए। परिवार बचाने वह सब कुछ सहती रही। कोरोनाकाल में उसके पिता की मृत्यु हो गई। युवती को मायके जाकर अपनी मां की देखरेख करने के लिए रुकना पड़ा, जिस पर युवक और उसके परिजन नाराज हो गए। बाद में समस्त स्त्रीधन छुड़ाकर मई 2021 में ससुराल वाले घर से निकाल दिया। इसके बाद युवक ने कुटुम्ब न्यायालय में याचिका दायर की। उसने अपनी पत्नी पर चरित्रहीनता के आरोप लगाए, लेकिन उसे साबित नहीं कर पाया।

हाईकोर्ट का अहम फैसला

आपसी सहमति से मुआवजे पर सहमति दे दी, तो फिर मुकरने का रास्ता बंद

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने एक अहम आदेश में कहा है कि एक बार आपसी सहमति से मुआवजे पर सहमति दे दी, तो फिर उससे मुकरने का रास्ता बंद हो जाता है। ऐसे मामलों में कोर्ट का कीमती समय बर्बाद नहीं किया जा सकता। इस मत के साथ जस्टिस जस्टिस विवेक रूसिया व जस्टिस प्रदीप मित्तल की डिवीजन बेंच ने जमीन अधिग्रहण और मुआवजे से जुड़े मामले में दायर अपील को खारिज कर दिया।

जबलपुर के मिलौनीगंज निवासी अजीत यादव और अन्य ने नगर निगम जबलपुर द्वारा उनकी अधिग्रहित अतिरिक्त जमीन के बदले एक करोड़ 17 लाख से अधिक का मुआवजा आपसी सहमति से स्वीकार कर लिया। जब भुगतान हो गया तो अधिक पैसों की मांग करते हुए हाई कोर्ट में याचिका लगा दी। याचिकाकर्ताओं की ओर से यह तर्क दिया गया कि चूंकि अधिग्रहण की कार्यवाही 2013 के नए भूमि अधिग्रहण अधिनियम के लागू होने के दौरान लंबित थी, इसलिए याचिकाकर्ताओं को इसी नए कानून के तहत उचित और बाजार दर से मुआवजा मिलना चाहिए। शासन की ओर से उपमहाधिवक्ता अभिजीत अवस्थी ने दलील दी कि एक बार जब मुआवज़ा स्वीकार कर लिया जाता है, तो वह लेन-देन अंतिम माना जाता है। मामले में हस्तक्षेपकर्ता ऋतुध्वज अग्रवाल की ओर से अदालत को बताया गया कि याचिकाकर्ताओं ने धोखाधड़ी कर मुआवजा हड़पा है, जबकि जमीन में अन्य लोगों का भी हिस्सा था। उस ज़मीन के मुआवजा लिया गया जो स्व लता यादव के हिस्से में आती थी। उन्होंने कोर्ट को ये भी बताया कि याचिकाकर्ताओं ने अपनी पुरानी 6 याचिकाओं की जानकारी भी छिपाई, जो सीधे तौर पर न्याय प्रक्रिया के साथ धोखाधड़ी है। कोर्ट ने शर्त रखी कि अगर अपीलार्थी नए सिरे से सुनवाई चाहते हैं तो पहले मिला हुआ मुआवजा लौटाना होगा, तो अपीलार्थी के वकील ने स्पष्ट रूप से कहा कि उनके मुवक्किल उक्त भारी-भरकम राशि वापस करने की स्थिति में नहीं हैं। कोर्ट ने मामले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया।

जबलपुर–हावड़ा के बीच स्पेशल ट्रेन, 3-3 ट्रिप का संचालन

जबलपुर। यात्रियों की बढ़ती मांग और गर्मी के मौसम में सुविधा को ध्यान में रखते हुए भारतीय रेलवे द्वारा स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। इसी क्रम में पश्चिम मध्य रेलवे ने गाड़ी संख्या 01701/01702 जबलपुर–हावड़ा–जबलपुर स्पेशल ट्रेन के 3-3 ट्रिप चलाने का निर्णय लिया है। यह ट्रेन वातानुकूलित, शयनयान एवं सामान्य श्रेणी के कोचों के साथ संचालित होगी। गाड़ी संख्या 01701 जबलपुर से हावड़ा के लिए 14 अप्रैल से 28 अप्रैल 2026 तक प्रत्येक मंगलवार को शाम 19:20 बजे प्रस्थान कर विभिन्न स्टेशनों होते हुए अगले दिन रात 22:15 बजे हावड़ा पहुंचेगी। वहीं वापसी में गाड़ी संख्या 01702 हावड़ा से जबलपुर के लिए 16 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक प्रत्येक गुरुवार को रात 00:15 बजे प्रस्थान कर शुक्रवार को सुबह 04:00 बजे जबलपुर पहुंचेगी। यात्री इस स्पेशल ट्रेन के लिए आरक्षण किसी भी कंप्यूटरीकृत आरक्षण केंद्र या IRCTC Rail Connect ऐप एवं वेबसाइट के माध्यम से करा सकते हैं।

रेल संरक्षा सर्वोच्च

नए पमरे जीएम ने पदभार संभाला

जबलपुर। पश्चिम मध्य रेल के नवागत महाप्रबंधक दिलीप कुमार सिंह ने यहां सोमवार को अपना पदभार संभाल लिया। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने महाप्रबंधक कार्यालय में सभी विभाग प्रमुखों की एक बैठक ली और सभी का परिचय प्राप्त किया। साथ ही पश्चिम मध्य रेलवे में चल रही परियोजनाओं की समीक्षा की। बैठक में महाप्रबंधक ने पश्चिम मध्य रेल के कार्यों की समीक्षा करते हुए रेल संरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने, परिचालन दक्षता एवं समयपालन में सुधार लाने, अधोसंरचनात्मक विकास कार्यों में तेजी लाने, यात्री सुविधाओं का विस्तार करने तथा प्रशासनिक पारदर्शिता को और सुदृढ़ करने पर विशेष बल दिया। बैठक के दौरान विभागाध्यक्षों ने महाप्रबंधक को समस्त विभागों की कार्यप्रणाली से अवगत कराया।

पमरे ने टिकट चेकिंग से कमाए 127 करोड़

जबलपुर। पश्चिम मध्य रेल ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में टिकट चेकिंग अभियान के जरिए उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। महाप्रबंधक के मार्गदर्शन और वाणिज्य विभाग के निर्देशन में चलाए गए अभियानों के तहत अप्रैल 2025 से मार्च 2026 तक कुल 18 लाख 63 हजार मामलों में कार्रवाई करते हुए 127 करोड़ 15 लाख रुपये का राजस्व अर्जित किया गया । यह उपलब्धि पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 के 110 करोड़ 98 लाख रुपये के मुकाबले करीब 14.57 प्रतिशत अधिक है। अभियान के दौरान बिना टिकट यात्रा, अनबुक्ड लगेज और अनियमित टिकट के मामलों पर सख्ती से कार्रवाई की गई । मंडलवार प्रदर्शन में जबलपुर मंडल ने सबसे बेहतर प्रदर्शन करते हुए 8 लाख 22 हजार मामलों से 59 करोड़ 75 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 27 प्रतिशत अधिक है। वहीं भोपाल मंडल ने 39 करोड़ 18 लाख और कोटा मंडल ने 26 करोड़ 07 लाख रुपये का राजस्व अर्जित किया ।

केंद्रीय प्रमुख सचिव वन विभाग, चयन समिति तथा चयनित जूनियर अधिकारी को नोटिस जारी

कनिष्ठ अधिकारी को हेड ऑफ फॉरेस्ट फोर्स नियुक्त करने पर कैट ने मांगा जवाब

जबलपुर। प्रदेश के सबसे वरिष्ठ भारतीय वन सेवा के अधिकारी ने कनिष्ठ अधिकारी को हेड ऑफ फॉरेस्ट फोर्स नियुक्ति किये जाने के खिलाफ केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण की शरण ली है। याचिका में कहा गया था कि बाहरी कारणों से नियम को ताक में रखकर कनिष्ठ अधिकारी को नियुक्ति प्रदान की गयी है। अधिकरण ने याचिका की सुनवाई करते हुए केंद्रीय प्रमुख सचिव वन विभाग,चयन समिति तथा चयनित जूनियर अधिकारी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। याचिकाकर्ता हिदायत उल्ला खान की तरफ से दायर याचिका में कहा गया था कि वह साल 1989 के भारतीय वन सेवा के अधिकारी है। प्रदेश के सबसे वरिष्ठ भारतीय वन सेवा होने के बावजूद भी उनके कनिष्ठ शुभ रंजन सेन को राज्य के हेड ऑफ फॉरेस्ट फोर्सेज पद पर नियम विरुद्ध तरीके से नियुक्ति किया गया है। जिसका चयन किया गया है उसका स्थान वरिष्ठता सूची में नंबर 5 पर था और साल 1991 के आईएसएस अधिकारी चयनित हुआ था। याचिका में कहा गया है कि याचिकाकर्ता का पिछले 5 सालों की एनुअल परफॉर्मेंस अप्रेजल रिपोर्ट (एपीएआर) आउटस्टैंडिंग थी। इसके बावजूद भी उनकी उनकी वरिष्ठता को नजरअंदाज करते हुए विगत 28 फरवरी 2026 को अनावेदक शुभ रंजन सेन को हेड ऑफ फॉरेस्ट फोर्सेज पद पर नियुक्ति प्रदान कर दी। उनकी नियुक्ति के आदेश अप्रैल 2009 को जारी गाइडलाइन के विपरीत है। आवेदन में आरोप लगाया गया है कि बाहरी वजहों से उन्हें हेड ऑफ फॉरेस्ट फोर्सेज पद पर नियुक्ति किया गया है। केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण ने आवेदन की सुनवाई के बाद अनावेदको को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

सायबर क्राईम : 1 लाख 94 हजार की धोखाधड़ी

इधर बैटरी डिस्चार्ज हुई, उधर खाते से पैसे निकले

जबलपुर। गोहलपुर थाना अतंर्गत सायबर ठगी के माध्यम से एक जालसाज ने एक व्यक्ति के आईडीबीआई बैंक नेपियर टाउन मुख्य शाखा खाते से 1 लाख 94 हजार 486 रुपए धोखाधड़ी कर निकाल लिए। बताया गया है कि उक्त व्यक्ति का मोबाइल तीन दिन अचानक डिस्चार्ज होने लगा था। उसे लगा कि बैटरी ठीक नहीं है, जब वह बैटरी चैक कराने जयंती कॉप्लेक्स आया तो पता चला कि बैटरी ठीक है फोन रीसेट करने पर मोबाइल से गूगल पे और फोन पे एप अचानक गायब हो गए। गोहलपुर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार शांतिनगर तीसरी गली गोहलपुर निवासी 54 वर्षीय ब्रजेश नायक ने गोहलपुर थाने में लिखित शिकायत की, कि उसका खाता आईडीबीआई नेपियर टाउन मुख्य शाखा में है। गत 19 से 20 मार्च को उसके बैंक अकाउण्ट से 1 लाख 94 हजार 486 रूपये सायबर ठगी के माध्यम से जालसाज ने धोखाधड़ी कर निकाल लिये। बताया गया है कि उसका मोबाइल तीन दिन अचानक डिस्चार्ज होने लगा था उसने सोचा कि शायद बेटरी की वजह से हो रहा है तो उसने जयंती काम्पलेक्स स्थित ऑल टू ऑल मोबाइल सेंटर पर चैक कराने गया, जहां पर दुकान वाले ने बताया कि बैटरी ठीक है फोन रीसेट कर लें, लेकिन इसके पहले ही मोबाइल से गूगल पे तथा फोन पे एप अचानक गायब हो गये। पुलिस ने लिखित शिकायत पर अज्ञात के विरूद्ध धारा 318(4) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

मोबाईल झपटकर भागे एक्टिवा सवार

जबलपुर। अधारताल थाना अतंर्गत सीएम राईज स्कूल के सामने कृषिनगर मेन रोड में एक्टिवा सवार दो अज्ञात लड़कों ने एक युवक के हाथ से मोबाइल लूटा और निर्भयनगर तरफ भाग गए। अधारताल पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार शक्तिनगर मदनमहल गढ़ा निवासी 21 वर्षीय मनसुख सोनी गत दिवस अपने बड़े भाई शिवकुमार सोनी एवं जीजा रमेश सोनी के साथ ई-रिक्शा में बैठकर जीजा रमेश सोनी के घर जा रहे थे। सीएम राईज स्कूल के सामने कृषिनगर मेन रोड के पास मनसुख ने खाना आर्डर करने के लिये मोबाइल हाथ में लिया, तभी पीछे तरफ से एक्टिवा में आए दो अज्ञात लड़कों ने उसका एप्पल कम्पनी का मोबाइल झपटकर तेजी से निर्भयनगर तरफ भाग गये। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 304 बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

क्राइम ब्रांच-सिहोरा पुलिस की संयुक्त कार्रवाई, 13.48 लाख का गांजा जब्त, तीन महिलाएं भी नेटवर्क में शामिल

उड़ीसा से जबलपुर तक गांजा तस्करी का भंडाफोड़, 6 आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि, जबलपुर।

जिले में मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत क्राइम ब्रांच एवं सिहोरा पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए गांजा तस्करी के संगठित नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। संयुक्त टीम ने 3 महिलाओं सहित 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 26 किलो 978 ग्राम गांजा जब्त किया है, जिसकी कीमत लगभग 13 लाख 48 हजार 900 रुपये आंकी गई है। पुलिस कप्तान सम्पत उपाध्याय के निर्देश पर की गई इस कार्रवाई में एएसपी क्राइम जितेन्द्र सिंह, एसडीओपी सिहोरा आदित्य सिंघारिया एवं डीएसपी क्राइम उदयभान बागरी का मार्गदर्शन रहा।

बस रूकते ही घेराबंदी

टीआई सिहोरा प्रतीक्षा मार्को के नेतृत्व में टीम को मुखबिर से सूचना मिली थी कि मनसकरा तिराहे पर कुछ संदिग्ध गांजा लेकर बस से उतरने वाले हैं। सूचना पर घेराबंदी कर पुलिस ने मौके से 5 आरोपियों नंदनी देवी, कामिनी बैन, वैष्णवी उर्फ जया बैन, अजय प्रजापति एवं दीपक चौरसिया को पकड़ा। तलाशी में इनके पास से 18 किलो 83 ग्राम गांजा बरामद हुआ।

उड़ीसा से जुड़ा नेटवर्क

पूछताछ में आरोपियों ने उड़ीसा से गांजा लाकर सप्लाई करने की बात कबूली और कुसनेर निवासी सोनू उर्फ विष्णु पटेल का नाम बताया। इसके बाद पुलिस ने दबिश देकर सोनू के घर से 8 किलो 895 ग्राम गांजा और बरामद कर उसे भी गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में यह भी सामने आया कि आरोपी पूर्व में भी बड़ी खेप खपा चुके हैं। सभी आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है।

इनकी रही सराहनीय भूमिका

इस कार्रवाई में क्राइम ब्रांच के एसआई प्रभाकर सिंह, एएसआई संतोष पाण्डे, मोहन तिवारी, प्रधान आरक्षक आनंद, हितेन्द्र, आशुतोष, जय प्रकाश, महिला आरक्षक नीलम तथा सिहोरा थाना के एसआई भोलाराम ठाकुर, नन्हेलाल रजक, ज्योति खैरवार, आरक्षक जय प्रकाश अंकित, शुभम, पंकज, गोकुल, संदीप पाण्डे, पूर्णचंद एवं महिला आरक्षक ज्योति काछी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

लाखों के जेवर और नगदी ले भागे चोर

पाटन और कोतवाली में 2 मकानों के ताले टूटे

जबलपुर। पाटन और कोतवाली थाना क्षेत्र में चोरी की दो वारदातें सामने आई है। पाटन के चौधरी मोहल्ला में और जवाहर वार्ड खटीक मोहल्ला में सूने घरों का ताला तोड़कर अज्ञात चोर सोने चांदी के जेवर सहित नगदी रुपए चोरी कर ले गए।

पाटन पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार चौधरी मोहल्ला पाटन निवासी 62 वर्षीय जवाहरलाल विश्वकर्मा गत शाम लगभग 5 बजे घर पर ताला लगाकर परिवार सहित भनेज के बच्चे के जन्मदिन में पनागर गया था। सोमवार की सुबह लगभग 7.30 बजे पड़ोसी ने फोन पर चोरी की सूचना दी। सूचना पाकर वह घर पहुंचा और तख्त में बिस्तर के नीचे रखी चाबियां देखा तो चाबिया नहीं थी। अंदर के सभी दरवाजे, आलमारी एवं लोहे की पेटी खुली थी। आलमारी में रखे नगदी 40 हजार रूपये वह पेटी मे रखे सोने का 1 हार, मनचली, चांदी की 4 जोड़ी पायल, बिछिया, नाती के हाय चंद्रमा एवं सोने की छोटी चैन तथा नगदी सहित लगभग 90 हजार रूपये अज्ञात चोर चोरी कर ले गए है। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 331(4), 303(2) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

इसी तरह कोतवाली में जवाहर वार्ड खटीक मोहल्ला कोतवाली निवासी 42 वर्षीय ठेकेदार रीतेश घनघोरिया ने गत दिवस अपने कमरे की आलमारी के लॉकर में खर्च के लिये पैसे निकाल रहा था, तभी उसने देखा उसके एक लाख रूपये, जिसमें 90 हजार रूपये, सोने का हार, 2 कंगन, 1 अंगूठी, लॉकर में नहीं थे। पत्नी से पैसों एवं जेवर के बारे में पूछा तो उसे भी नहीं पता था। घर में अन्य जगह तलाश किये लेकिन कुछ पता नहीं चला। गत 8 अप्रैल को उसकी बेटी 7 वर्षीय शौर्या स्कूल में गिर गई थी जिसे वह सुबह लगभग 11 बजे डाक्टर से चैक कराने जबलपुर अस्पताल लेकर गया था। उसी समय आलमारी के लॉकर से 10 हजार रूपये इलाज के लिये निकाले थे उस समय जेवर एवं पैसे रखे थे। दोपहर लगभग 12.15 बजे अस्पताल से वापस घर आए तो घर में दो काम करने वाली नंदनी एवं नंदनी की मॉ झाड़ू पोंछा का काम किया जाता है तथा घर की दूसरी मंजिल पर मजदूरों के द्वारा छपाई का काम भी किया जा रहा था उसे शक है कि दिनांक 8 अप्रैल की दोपहर लगभग 11 बजे से 12.15 बजे के बीच अज्ञात चोर द्वारा आलमारी के लॉकर का ताला खोलकर रूपये एवं जेवर चोरी कर ले गये है। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 331(3), 305(ए) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक–डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240